राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

गौरवशाली भारत

दिल्ली से प्रकाशित

R.N.I. NO. DELHIN/2011/38334 वर्ष- 10, अंक- 291 पृष्ठ - 08, नई दिल्ली, रविवार ,25 अप्रैल 2021, मूल्य रु. 1.50

केजरीवाल ने सभी मुख्यमंत्रियों से ऑक्सीजन के लिए सहयोग मांगा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों को पात्र लिखकर ऑक्सीजन आपूर्ति के लिए सहयोग मांगा है। केजरीवाल ने मुख्यमंत्रियों को लिखी चिट्ठी में कहा है कि दिल्ली में मेडिकल ऑक्सीजन का उत्पादन नहीं होता और न ही यहां पर मेडिकल ऑक्सीजन की फैक्ट्री है,ऐसे में आपसे जो सहयोग हो सकता हो जरूर कीजिए। केजरीवाल ने कहा कि हालांकि केंद्र सरकार भी दिल्ली की मदद कर रही है,लेकिन कोरोना की गंभीरता इतनी ज्यादा है कि सभी उपलब्ध संसाधन अपर्याप्त साबित हो रहे हैं।

दिल्ली के अस्पतालों में ऑक्सीजन की कमी को लेकर हाहाकार मचा हुआ है। छोटे अस्पतालों की बात छोड़िए, सर गंगाराम जैसे बड़े अस्पतालों को भी ऑक्सीजन नहीं मिल पा रही है। दिल्ली हाईकोर्ट भी इस मामले में रोजाना सुनवाई कर रही है। केंद्र सरकार ने दिल्ली को हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया है। शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिल्ली समेत सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ मेडिकल ऑक्सीजन, कोविड बेड और दवाओं की कमी को लेकर बातचीत की थी।

इस बैठक में केजरीवाल द्वारा अपनी बात को लाइव टेलीकास्ट करने को लेकर विवाद हो गया था। केजरीवाल ने ऑक्सीजन संकट को लेकर बैठक में कहा दिल्ली में ऑक्सीजन की फैक्ट्री नहीं है तो क्या दिल्ली के 2 करोड़ लोगों को ऑक्सीजन नहीं मिलेगी। अगर दिल्ली में फैक्ट्री नहीं है तो क्या जिस राज्य में हैं, वो नहीं देंगे। अगर कोई राज्य दिल्ली के कोटे की ऑक्सीजन रोक लें तो मैं केंद्र में फोन उठाकर किससे बात करूं।

सीएम केजरीवाल ने कहा कि पीएम मोदी ने सही समय पर कोरोना की बैठक बुलाई। हम दिल्ली के लोगों की ओर से हाथ जोड़कर अपील कर रहे हैं कि कठोर कदम नहीं उठाया गया तो बड़ी त्रासदी हो सकती है।

जस्टिस एनवी रमना ने चीफ जस्टिस का पद संभाला

नई दिल्ली, (एजेंसी)। जस्टिस एनवी रमना ने देश के 48वें चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया के रूप में अपना कार्यभार संभाल लिया है। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने शनिवार को उन्हें शपथ दिलाई। जस्टिस रमना ने सीजेआई एसए बोबडे की जगह ली है। जस्टिस बोबडे 23 अप्रैल को रिटायर हो गए। बोबडे ने ही जस्टिस रमना के नाम का प्रस्तावित राष्ट्रपति को भेजा था।

जस्टिस रमना आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट के पहले ऐसे जज हैं, जो सीजेआई बने हैं। जस्टिस रमना 26 अगस्त 2022 को रिटायर होंगे। यानी उनका कार्यकाल दो साल से कम बचा है। नवंबर 2019 में जस्टिस बोबडे ने 47वें सीजेआई के रूप में शपथ ली थी। जस्टिस रंजन गोगोई के रिटायरमेंट के बाद जस्टिस बोबडे को सीजेआई बनाया गया था।

जस्टिस रमना का जन्म 27 अगस्त 1957 को आंध्रप्रदेश के कृष्णा जिले के पोन्नवरम गांव में हुआ था। 10 फरवरी 1983 को उन्होंने वकालत की शुरूआत की। 27 जून 2000 को वे आंध्रप्रदेश के हाईकोर्ट में स्थायी जज के तौर पर नियुक्त हुए। जस्टिस रमना को फरवरी 2014 में सुप्रीम कोर्ट का जज नियुक्त किया गया था। उन्होंने 10 फरवरी 1983 को वकालत के साथ करियर की शुरूआत की थी।

जहां कोविड पॉजिटिविटी 10 फीसदी के पार हो, वहां लॉकडाउन जरूर लगाएं : गुलेरिया

नई दिल्ली, (एजेंसी)। एम्स प्रमुख डॉ. रणदीप गुलेरिया ने कहा है कि जिन इलाकों में कोविड पॉजिटिविटी रेट 10 फीसदी के पार चला गया हो, वहां लॉकडाउन जरूर लगाया जाए। गुलेरिया ने यह फामूर्ला ऐसे वक्त सुझाया है, जब कोरोना वायरस की दूसरी लहर में नए मामलों की सुनामी सी आ गई है, इससे भारत का चिकित्सा तंत्र ध्वस्त होने की कगार पर पहुंच गया है।

एक समाचार चैनल से बातचीत में गुलेरिया ने माना कि देश का हेल्थकेयर सिस्टम सरकार द्वारा वायरस के फैलने का अनुमान लगा पाने में नाकामी की कीमत चुका रहा है, वायरस के ज्यादा संक्रामक वैरिएंट और म्यूटेंट तेजी से संक्रमण फैला रहे हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि तेजी से बढ़ते सक्रिय मरीजों का बोझ कम करने के लिए संक्रमण की चेन को तोड़ना जरूरी है।कोरोना के रोजाना के मामले भारत में मार्च के मध्य में 25 हजार के करीब थे, जो अब बढ़कर 3.5 लाख तक पहुंच गए हैं।

डॉ। गुलेरिया ने कहा, मेरे हिसाब से हमें दोहरी रणनीति पर काम करना होगा। पहला ये कि जल्द से जल्द अस्पतालों और अन्य जगहों पर सभी तरह की सुविधाएं इलाज के लिए मुहैया कराई जाए। अस्पताल में बेड, दवाएं और ऑक्सीजन की किल्लत को तेजी से दूर करना होगा। दूसरा कोरोना संक्रमण के नए मामलों को कम करने पर ध्यान देना होगा। हम लंबे समय तक इतने ज्यादा एक्टिव मरीजों का बोझ नहीं सह सकते।

उन्होंने कहा संक्रमण पर काबू पाने के लिए हमें ज्यादा पॉजिटिविटी रेट वाले इलाकों पर फोकस करा होगा। अगर यह सबसे ज्यादा होगा तो हमें कंटेनमेंट जोन बनाना पड़ेगा। यहां तक कि लॉकडाउन लगाना पड़ेगा। तभी संक्रमण की चेन को तोड़ा जा सकता है और नए मामलों को नीचे लाया जा सकता है। गौरतलब है कि भारत में कोरोना के रोजाना के केस मार्च मध्य के 25 हजार से बढ़कर अब 3.5 लाख तक पहुंच गए हैं। एक्टिव केस यानी जिन मरीजों का इलाज चल रहा है, उनकी तादाद बढ़कर 25.5 लाख तक पहुंच गई है। अस्पतालों और चिकित्साकर्मियों पर जबरदस्त दबाव है।

एक नज़र...

सरकार ने दवा-ऑक्सीजन से हटाया आयात शुल्क

नई दिल्ली, (एजेंसी)। देश में कोरोना वायरस के बढ़ते मामलों की वजह से ऑक्सीजन की किल्लत सबसे बड़ी चुनौती उभरकर सामने आ रही है। ऑक्सीजन की उपलब्धता को तेज करने के लिए शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कई मंत्रियों और अधिकारियों के साथ बैठक की। इस बैठक में प्रधानमंत्री मोदी ने इस बात पर जोर दिया कि देश में मेडिकल ऑक्सीजन की आपूर्ति बढ़ाने के साथ-साथ अस्पतालों में रोगियों की देखभाल के लिए आवश्यक उपकरणों की तत्काल आवश्यकता है।

यूपी में 24 घंटे में रिकॉर्ड 38055 नए पॉजिटिव मिले

लखनऊ। यूपी में भी कोरोना हर दिन नया रिकार्ड कायम कर रहा है। पिछले 24 घंटों में कोरोना ने यूपी में एक नया रिकॉर्ड बनाया है। यूपी में कोरोना के 38055 नए पॉजिटिव मिले हैं। एक दिन में 223 संक्रमितों की मौत हुई है। इनमें सबसे ज्यादा 42 मौतें लखनऊ में हुई हैं। 24 घंटे में मिलने वाले संक्रमितों की अब तक सबसे बड़ी संख्या है। अपर मुख्य सचिव स्वास्थ्य अमित मोहन प्रसाद ने बताया कि शनिवार को 23 हजार 231 लोगों को डिस्चार्ज किया जा चुका है। प्रदेश में अब तक सात लाख 52 हजार 211 लोग ठीक हो चुके हैं।

देशमुख के 10 से अधिक ठिकानों पर सीबीआई ने की छापेमारी

मुंबई, (एजेंसी)। 100 करोड़ की वसूली प्रकरण में महाराष्ट्र के पूर्व गृहमंत्री और राकांपा के वरिष्ठ नेता अनिल देशमुख पर केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने एफआईआर दर्ज की है। सीबीआई ने देशमुख के खिलाफ मुंबई के पूर्व पुलिस आयुक्त परमबीर सिंह द्वारा लगाए गए आरोपों की जांच करने संबंधी बॉम्बे हाई कोर्ट के आदेश पर प्रारंभिक जांच शुरू करने के बाद एक प्राथमिकी दर्ज की थी। शनिवार को सीबीआई की अलग-अलग टीमों ने पीपीई किट पहनकर अनिल देशमुख के मुंबई और नागपुर स्थित आवास और कार्यालयों सहित 10 से अधिक ठिकानों पर छापेमारी की। इस छापेमारी में नागपुर की टीम के हाथ एक काला बैग और पीली पोटली दिखाई दी। आखिर इनमें ऐसा क्या है जिसे सीबीआई की टीम संभालकर ले जा रही थी इसकी उत्सुकता बनी हुई है। सीबीआई के अधिकारियों ने शनिवार सुबह मुंबई से नागपुर तक अनिल देशमुख के घर और कार्यालयों पर छापेमारी की। इनके अलावा राज्य भर में 10 से अधिक ठिकानों पर छापेमारी की गई। इनमें अनिल देशमुख के पीए का घर भी है। यह छापेमारी महाविकास आघाडी सरकार के लिए एक बड़ा झटका है।

ऑक्सीजन की अगर कोई सप्लाई रोकता है उसे बख्शेंगे नहीं : दिल्ली हाईकोर्ट

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली हाईकोर्ट ने शनिवार को कहा कि अगर केंद्र, राज्य या स्थानीय प्रशासन में कोई अधिकारी ऑक्सीजन सप्लाई में अड़चन डाल रहा है, तो हम उसे बख्शेंगे नहीं, उसे फांसी पर लटका देंगे। जस्टिस विपिन सांघी और जस्टिस रेखा पल्ली की बेंच की ओर से उक्त टिप्पणी महाराजा अग्रसेन अस्पताल की एक याचिका पर सुनवाई के दौरान आई है। कोरोना महामारी के दौरान ऑक्सीजन की कमी के चलते मरीजों की सांसों पर आए संकट को देखते हुए महाराजा अग्रसेन अस्पताल ने जल्द से जल्द ऑक्सीजन दिलाने के लिए दिल्ली हाईकोर्ट में याचिका दायर की है। हाईकोर्ट ने दिल्ली सरकार से कहा कि वह बताए कि कौन ऑक्सीजन की आपूर्ति को बाधित कर रहा है और कहा कि हम उस व्यक्ति को लटका देंगे। बेंच ने कहा कि हम किसी को भी नहीं बख्शेंगे। कोर्ट ने दिल्ली सरकार से कहा कि वह स्थानीय प्रशासन के ऐसे अधिकारियों के बारे में केंद्र को भी बताए ताकि वह उनके खिलाफ कार्रवाई कर सके। सुनवाई के दौरान दिल्ली सरकार की ओर से पेश हुए वरिष्ठ वकील राहुल मेहरा ने हाईकोर्ट से कहा कि जो कुछ भी चल रहा है, हम उसे संभालने की कोशिश कर रहे हैं, हम ऑक्सीजन की आपूर्ति करेंगे, हालांकि, हम हवा से ऑक्सीजन नहीं बना सकते हैं।

हाईकोर्ट ने दिल्ली सरकार से कहा कि जिम्मेदारी उन पर भी आती है। इस दौरान हाईकोर्ट ने दिल्ली सरकार से ऑक्सीजन प्लांट स्थापित करने को कहा है। वकील राहुल मेहरा ने दिल्ली हाईकोर्ट से कहा कि दिल्ली को 480 मीट्रिक टन ऑक्सीजन का आवंटन जल्द किया जाए। उन्होंने कहा कि अगर हम व्यवस्था को क्रम में नहीं रखेंगे तो पूरी व्यवस्था ध्वस्त हो जाएगी। राहुल मेहरा ने हाईकोर्ट को सूचित किया कि हमारे कोटा 480 मीट्रिक टन के बावजूद शुक्रवार को दिल्ली को लगभग 296 मीट्रिक टन ऑक्सीजन की आपूर्ति हुई थी। उन्होंने कहा कि अगर हमें 480 मीट्रिक टन आवंटित ऑक्सीजन नहीं मिली तो 24 घंटे में पूरी फंक्शनिंग ठप हो जाएगी।

राजधानी के सभी अस्पतालों को निर्देश दिया था कि वे ऑक्सीजन की जरूरतों के लिए केन्द्र सरकार की ओर से नियुक्त नोडल अधिकारियों से संपर्क करें। केन्द्र सरकार की ओर से ऑक्सीजन सुनिश्चित करने के लिए एक नियंत्रण कक्ष स्थापित किए जाने के बारे में कोर्ट को सूचित किए जाने के बाद यह फैसला आया। कोर्ट कोविड-19 के मरीजों के इलाज के लिए ऑक्सीजन की आपूर्ति किए जाने में अदालत के हस्तक्षेप के आग्रह की ब्रैम हेल्थकेयर और बत्रा अस्पताल की ओर से दाखिल याचिका पर सुनावाई कर रहा था। पिछले कुछ दिनों में सांस में तकलीफ वाले कोरोना मरीजों की अचानक हुई वृद्धि के बाद अस्पतालों में ऑक्सीजन आपूर्ति की व्यवस्था चरमरा गई और मेडिकल ऑक्सीजन का मामला विवादों में घिर गया।

पीएम ने शुरू किया ई-संपत्ति कार्डों का वितरण

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कोरोना संकट के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस पर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए स्वामित्व योजना और 4.09 लाख संपत्ति मालिकों को ई-संपत्ति कार्डों के वितरण का शुभारम्भ किया। इस दौरान केंद्रीय पंचायती राज मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर भी मौजूद रहे। इस अवसर पर मोदी ने कहा कि पंचायती राज दिवस का ये दिन ग्रामीण भारत के नवनिर्माण के संकल्पों को दोहराने का एक महत्वपूर्ण अवसर होता है।

ये दिन हमारी ग्राम पंचायतों के योगदान और उनके असाधारण कामों को देखने, समझने और उनकी सराहना करने का भी दिन है। हाल में अनेक राज्यों में पंचायत चुनाव संपन्न हुए हैं और बहुत जगह चल भी रहे हैं इसलिए आज हमारे साथ बहुत से नए साथी भी हैं। मैं सभी नए जनप्रतिनिधियों को भी बहुत-बहुत शुभकामनाएं देता हूं।

मोदी ने आगे कहा कि आज गांव और गरीब को उसके घर का कानूनी दस्तावेज देने वाली बहुत ही बड़ी और अहम योजना स्वामित्व योजना को भी पूरे देश में लागू किया गया है। एक साल पहले जब हम पंचायती राज दिवस के लिए मिले थे, तब पूरा देश कोरोना से मुकाबला कर रहा था। तब मैंने आप सभी से आग्रह किया था कि आप कोरोना को गांव में पहुंचने से रोकने में अपनी भूमिका निभाएं। आप सभी ने बड़ी कुशलता से, ना सिर्फ कोरोना को गांवों में पहुंचने से रोका, बल्कि गांव में जागरूकता पहुंचाने में भी बहुत बड़ी भूमिका निभाई। इस वर्ष भी हमारे सामने चुनौती गांवों तक इस संक्रमण को पहुंचने से रोकने की है।

पीएम मोदी ने कहा कि जो भी गाइडलाइंस समय-समय पर जारी होती हैं उनका पूरा पालन गांव में हो, हमें ये सुनिश्चित करना होगा। इस बार तो हमारे पास वैक्सीन का एक सुरक्षा कवच है। इसलिए हमें सारी सावधानियों का पालन भी करना है और ये भी सुनिश्चित करना है कि गांव के हर एक व्यक्ति को वैक्सीन की दोनों डोज लगे। इस मुश्किल समय में कोई भी परिवार भूखा ना सोए, ये भी हमारी जिम्मेदारी है। कल ही भारत सरकार ने प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना के तहत मुफ्त राशन देने की योजना को फिर से आगे बढ़ाया है।

सांसों के लिए तड़प रही जिंदगी, 10 राज्यों में सबसे अधिक किल्लत

भोपाल/ग्वालियर/नई दिल्ली/रायपुर। कोरोना महामारी की दूसरी लहर में सबसे ज्यादा मौतें ऑक्सीजन की कमी से हो रही हैं। चारों तरफ ऑक्सीजन के लिए दौड़ते भागते लोग दिख रहे हैं। मुंहमागी कीमत देने को तैयार हैं। मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, दिल्ली, गुजरात, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश जैसे करीब 10 राज्यों में किल्लत बहुत ज्यादा है। इस बीच ऑक्सीजन को लेकर आरोप प्रत्यारोप की गंदी राजनीति भी दिखाई दे रही है। क्या सच में देश खपत के हिसाब से ऑक्सीजन की संकट का सामना कर रहा है। जवाब है नहीं। और अगर खपत के हिसाब से देश का उत्पादन बेहतर है तो सवाल है कि आखिर हमारे हिस्से की ऑक्सीजन कहां है उधर, ऑक्सीजन की कमी से देश भर में हाहाकार थम नहीं रहा है। शुक्रवार रात ग्वालियर में ऑक्सीजन की कमी से अफरा-तफरी मच गई। इस बीच दो मरीजों ने दम तोड़ दिया। वहीं देश की राजधानी दिल्ली के जयपुर गोल्डन अस्पताल में ऑक्सीजन की कमी के चलते 25 मरीजों की मौत हो गई है। यहां बत्रा और सर गंगा राम अस्पताल में ऑक्सीजन की बेहद किल्लत है और कुछ ही समय के लिए ऑक्सीजन मौजूद है। जयपुर गोल्डन हॉस्पिटल के एमडी डॉक्टर डीके बलूजा ने दावा किया कि शुक्रवार शाम ऑक्सीजन की आपूर्ति में कमी के कारण करीब 25 बेहद गंभीर मरीजों की मौत हो गई।

वाणिज्य मंत्रालय की ऑक्सीजन एक्सपोर्ट डाटा के मुताबिक 2021 के वित्तीय वर्ष में देश ने पिछले 10 महीनों के दौरान दुनिया में दो बार ऑक्सीजन का निर्यात किया। अप्रैल 2020 से जनवरी 2021 के दौरान देश ने 9,301 मीट्रिक टन ऑक्सीजन विदेशों को बेचा। जबकि इससे पहले 2020 के वित्त वर्ष में (महामारी का पहला चरण) देश ने मात्र 4,502 मीट्रिक टन की बेचा था। ऑक्सीजन की डिमांड कुछ महीनों में बढ़ी है। मांग की ये रफ्तार पिछले कुछ हफ्तों में और ज्यादा तेज हो गई है। महामारी के पहले फेज के दौरान लिक्विड मेडिकल ऑक्सीजन की डिमांड रोजाना 700 मीट्रिक टन से बढ़कर 2,800 मीट्रिक टन तक पहुंच गई थी। महामारी के दूसरे चरण में रोजाना की लिक्विड मेडिकल ऑक्सीजन की मांग 5,000 मीट्रिक टन तक है। स्थितियों में सुधार नहीं हुआ तो इसके और आगे बढे की आशंका है।

भारत की क्षमता रोजाना करीब 7,000 मीट्रिक टन लिक्विड मेडिकल ऑक्सीजन प्रोड्यूस करने की है। प्रोडक्शन क्षमता और 2021 वित्त वर्ष में आयात की मात्र को देखें तो आसानी से समझा जा सकता है कि किल्लत के पीछे ऑक्सीजन की कमी नहीं और दूसरी वजहें हैं। दरअसल गैरजरूरी सप्लाई और उसे ढोने, स्टोर करने जैसी लॉजिस्टिक वजहों से कई राज्यों में ऑक्सीजन का संकट खड़ा हुआ है। आईनोक्स एयर प्रोडक्ट्स के निदेशक सिद्धार्थ जैन ने बताया भी कि भारत मांग के अनुपात में पर्याप्त उत्पादन करता है, मगर उन्होंने यह भी कहा कि वितरण की दिक्कतों से कुछ राज्यों को किल्लत का सामना करना पड़ रहा है। आईनोक्स एयर अकेले देश की जरूरत के करीब 50 प्रतिशत से ज्यादा ऑक्सीजन का प्रोडक्शन करता है। मेडिकल ऑक्सीजन के अन्य बड़े मैन्यूफेक्ररर में लिंडे इंडिया, गोयल एमजी गैसेज प्राइवेट लिमिटेड, नेशनल ऑक्सीजन लिमिटेड शामिल हैं।

जानकारों का कहना है कि मांग के लिहाज से ऑक्सीजन पहुंचाने की दिक्कतों की वजह से किल्लत ज्यादा हुई है। ट्रांसपोर्ट की दिक्कतें आ रही हैं जिसके समाधान के लिए अब रेल मंत्रालय ऑक्सीजन एक्सप्रेस का मॉडल लेकर आया है। डिमांड के हिसाब से फिलहाल का स्टॉक ठीक है।

कोरोना के नए लक्षण बेहद खतरनाक

नई दिल्ली। कोरोना वायरस महामारी ने देश को फिर से परेशान करके रखा है, लेकिन इस बार की समस्या पिछले साल के मुकाबले कई गुना ज्यादा और बढ़ी है। इस बार ये वायरस सीधे आपके फेफड़ों तक पहुंच रहा है, और जब तक लोगों को इस बारे में पता चलता है तब तक काफी देर हो चुकी होती है। हैरानी की बात है कि इस बार फेफड़ों को नुकसान पहुंचाने के बाद ही कोरोना के लक्षण दिखाई दे रहे हैं। वहीं, इस बार के लक्षण पहले के मुकाबले काफी अलग हैं, जो लोगों की जान तक ले रहे हैं। कोरोना की इस दूसरी लहर में एक लक्षण जो सामने आया है, उसमें आंखों का लाल होना भी है। साथ ही आंखों में सूजन भी देखी गई है। ऐसे में अगर आपको अपनी आंखों में किसी तरह का कोई बदलाव नजर आ रहा है, तो आपको डॉक्टर से संपर्क करने की जरूरत है। दूसरी लहर में जो लक्षण सामने आया है, उसमें शरीर में कमजोरी आना भी है। इसमें जहां शरीर में कमजोरी बनी रहेगी, तो वहीं कई बार आंखों के सामने अंधेरा छाना और चक्कर आना शामिल है। इसलिए अगर आपको ऐसा कुछ हो रहा है, तो आपको तुरंत डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए। जब हम ज्यादा देर तक बैठे रहते हैं, या बैठकर कोई काम करते हैं, तो हमारा बदन दर्द होता है। लेकिन कोरोना वायरस का नया लक्षण भी बदन दर्द होना है। अगर आपको दवाई लेने के बाद भी आराम नहीं मिल रहा है और साथ ही बदन दर्द के साथ ही जोड़ों में भी दर्द है, तो आपको सतर्क होने की जरूरत है। अमूमन हमारा सिर दर्द होता रहता है, लेकिन मौजूदा समय में अगर आपका सिर दर्द हो रहा है, तो आप इसे नॉर्मल सिर दर्द समझकर नजरअंदाज न करें।

कार्टून

कोरोना:लगातार तीसरे दिन रिकॉर्ड 8.96 लाख नए केस

यह एक दिन में मिलने वाले संक्रमितों का सबसे बड़ा आंकड़ा

14 हजार से ज्यादा मौतें भी हुई

न्यूयार्क। दुनियाभर में कोरोना का कहर जारी है। पिछले 24 घंटे में दुनिया में रिकॉर्ड 8.96 लाख नए केस आए। यह एक दिन में मिलने वाले संक्रमितों का सबसे बड़ा आंकड़ा है। इससे पहले 22 अप्रैल को 8.92 लाख और 21 अप्रैल को 8.88 लाख संक्रमितों में कोरोना की पुष्टि हुई थी। बीते दिन दुनिया में 14,218 लोगों की जान गई।

भारत में सबसे ज्यादा मरीज आ रहे

भारत में लगातार कोरोना संक्रमितों का आंकड़ा बढ़ रहा है। यहां रिकॉर्ड 3 लाख 44 हजार 949 नए मरीज मिले। पिछले साल से लेकर अब तक किसी देश में एक दिन में मिले नए मरीजों का यह सबसे बड़ा आंकड़ा है। शुक्रवार को 2,620 लोगों की संक्रमण से मौत भी हो गई। एक दिन में हुई मौतों का यह नया रिकॉर्ड है।

US में जॉनसन एंड जॉनसन की वैक्सीन से रोक हटाई: अमेरिका ने जॉनसन एंड जॉनसन की कोरोना वैक्सीन पर लगी रोक को हटा दी है। देश के टॉप हेल्थ रेगुलेटर्स का कहना है कि इस वैक्सीन का इस्तेमाल दोबारा शुरू किया जा सकता है। जॉनसन एंड जॉनसन वैक्सीन पर 11 दिन ब्लड क्लॉट का खतरा बढ़ाने की वजह से रोक लगाई गई थी। सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल

और फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन ने कहा कि वैक्सीन की वजह से ब्लड क्लॉट और कम प्लेटलेट का खतरा बहुत कम है। CDC और FDA को 8 मिलियन डोज में से सिर्फ 15 ऐसे केस मिले।

24 अप्रैल से दोबारा दी जा सकेगी वैक्सीन

न्यूज एजेंसी रॉयटर्स के मुताबिक, FDA के अधिकारियों का कहना है कि ये फैसला तुरंत लागू होगा, जिसका मतलब है कि 24 अप्रैल से जॉनसन एंड जॉनसन वैक्सीन लोगों को दी जा सकेगी। हालांकि, अब वैक्सीन के साथ एक नई फैक्टशीट दी जाएगी, जिसमें लोगों को ब्लड क्लॉट के खतरे के बारे में चेताया जाएगा।

कच्चे माल पर पाबंदियां हटाने से इनकार

अमेरिका ने एक बार फिर भारत में कोरोना वैक्सीन निर्माण में इस्तेमाल होने वाले कच्चे माल के निर्यात पर लगी पाबंदियों को हटाने से इनकार किया है। अमेरिकी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि हम भारत के अनुरोध को पूरा करने से पहले अपने नागरिकों को प्राथमिकता देंगे। अमेरिकी लोगों के प्रति हमारी विशेष जिम्मेदारी है।

अब तक 14.62 करोड़ संक्रमित

दुनिया में अब तक 14 करोड़ 62 लाख से ज्यादा लोग कोरोना की चपेट में आ चुके हैं। इनमें 30 लाख 99 हजार मरीजों की मौत हो चुकी है।

12.40 करोड़ लोग ठीक हो चुके हैं। फिलहाल 1.91 करोड़ लोगों का इलाज चल रहा है। इनमें एक लाख 9 हजार 924 मरीजों की हालत क्रिटिकल है और 1.90 करोड़ लोगों में कोरोना के हल्के लक्षण हैं।

भगोड़े शराब कारोबारी विजय माल्या के खिलाफ भारतीय बैंकों ने लंदन की अदालत में रखा पक्ष

लंदन। भगोड़े शराब कारोबारी विजय माल्या के खिलाफ बैंक्रप्सी ऑर्डर पाने के लिए भारतीय बैंकों के कंसोर्टियम ने लंदन की अदालत में पक्ष रखा है। भारतीय बैंक माल्या की बंद हो चुकी किंगफिशर एयरलाइंस को दिया कर्ज वसूलने की कोशिश कर रहे हैं। चीफ इंसॉल्वेंसीज एंड कंपनीज कोर्ट के जज माइकल ब्रिग्स के समक्ष वर्चुअल सुनवाई के दौरान दोनों पक्षों ने आखिरी दलीलें पेश कीं। भारतीय बैंकों का कहना है कि उन्हें इस मामले में भारतीय परिसंपत्तियों पर दी गई सिक्योरिटी को छोड़ने का अधिकार है। सिक्योरिटी छोड़ने के बाद बैंक लंदन में माल्या की संपत्ति से कर्ज की वसूली कर सकेंगे। वहीं माल्या के वकील की दलील है कि भारत में सरकारी बैंकों का पैसा निजी नहीं, बल्कि सार्वजनिक संपत्ति है। ऐसे में उन्हें सिक्योरिटी छोड़ने का अधिकार नहीं है। इस मामले में अगले कुछ सप्ताह में फैसला आने की उम्मीद है। धोखाधड़ी एवं मनी लांड्रिंग के मामले में भारत सरकार ब्रिटेन से माल्या के प्रत्यर्पण के लिए बात कर रही है। माल्या पर भारतीय बैंकों का नौ हजार करोड़ रुपये से ज्यादा का बकाया है।

एसबीआइ की अगुआई में कुल 13 भारतीय वित्तीय संस्थानों ने माल्या के खिलाफ याचिका दी है। इनमें बैंक ऑफ बड़ौदा, कॉरपोरेशन बैंक, फेडरल बैंक, आइडीबीआइ बैंक, इंडियन ओवरसीज बैंक, जम्मू एंड कश्मीर बैंक, पंजाब एंड सिंध बैंक, पंजाब नेशनल बैंक, स्टेट बैंक ऑफ मैसूर, यूको बैंक, यूनाइटेड बैंक ऑफ इंडिया और जेएम फाइनेंशियल एसेट रीकंस्ट्रक्शन कंपनी प्राइवेट लिमिटेड शामिल हैं।

गर्भवती महिला को कोरोना संक्रमण होने पर मौत का खतरा 20 गुना ज्यादा

न्यूयार्क। एक विश्वव्यापी सर्वे में पाया गया है कि गर्भवती महिलाओं को कोरोना संक्रमण होने पर प्रसव के दौरान उनकी मौत की आशंका बीस गुना बढ़ जाती है। वाशिंगटन और ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी के 2100 गर्भवती महिलाओं पर किए गए शोध में यह निष्कर्ष निकाला गया है। 18 निम्न, मध्यम और उच्च आय वर्ग के देशों के 43 प्रसूति अस्पतालों में यह अध्ययन किया गया है। इसके मुताबिक पिछले साल अप्रैल से अगस्त के बीच कराए गए शोध में दो समूहों के बीच तुलनात्मक अध्ययन किया गया। एक समूह की गर्भवती महिलाएं कोरोना से संक्रमित थीं, जबकि दूसरे समूह की महिलाओं को ऐसा कोई संक्रमण नहीं था। जामा पेटियाट्रिक्स जरनल में प्रकाशित शोध में बताया गया है कि मां और शिशु की मौत के खतरे के अलावा उन्हें समय पूर्व प्रसव आदि तकलीफों का भी सामना करना पड़ रहा था। अध्ययन में पाया गया कि जिन माताओं को पॉजिटिव पाया गया उनसे उनके 11.5 फीसद शिशुओं में भी संक्रमण पहुंचा। वैज्ञानिकों का कहना है कि जिन गर्भवती महिलाओं को मोटापे, हाई बीपी या मधुमेह की गंभीर बीमारी थी वे सबसे ज्यादा जोखिम में थीं। यूडब्ल्यू स्कूल ऑफ मेडिसिन में प्रसूति और स्त्री रोग के प्रोफेसर माइकल ग्रेवेट ने कहा कि यदि गर्भवती महिलाओं को कोरोना संक्रमण होता है तो उनके बहुत बीमार होने की आशंका होती है। वहीं जर्नल मेड में प्रकाशित एक अन्य अध्ययन में वैज्ञानिकों ने पाया कि कोरोना वायरस का प्लेसेंटा में मिलना दुर्लभ है। अमेरिका में येल विश्वविद्यालय में सहायक प्रोफेसर शेलि फरहादियन का कहना है कि प्लेसेंटा में संक्रमण के खिलाफ एक मजबूत प्रतिरक्षा होती है। यह अध्ययन ऐसे वक्त में सामने आया है जब दुनिया के कई देश कोरोना की दूसरी लहर की मार झेल रहे हैं।

पाक पीएम इमरान खान ने लोगों को चेताया, मास्क पहनें नहीं तो लगा देंगे लाकडाउन

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने लोगों को चेताया कि वे कोरोना संक्रमण को रोकने के लिए मास्क पहनें और नियमों का पालन करें। ऐसा नहीं करने पर लाकडाउन का सामना करना पड़ेगा। इस बीच, देश में बीते 24 घंटे के दौरान कोरोना से 144 पीड़ितों की मौत हो गई और 5,870 नए मरीज पाए गए। अब तक कुल सात लाख 84 हजार से ज्यादा संक्रमित पाए गए हैं और 16 हजार 842 पीड़ितों की मौत हुई है।

इमरान ने कहा, 'मैं लोगों से अपील करता हूं कि वे कोरोना को रोकने वाले नियमों का पालन करें। हम उस तरह का कदम उठाना नहीं चाहते, जैसा भारत में उठाया जा रहा है। इसका मतलब लाकडाउन लगाना है।' महामारी से निपटने के लिए गठित राष्ट्रीय समन्वय समिति की बैठक के बाद इमरान ने बताया कि देश में संक्रमण की रोकथाम के लिए नियमों का पालन कराने के लिए सेना को पुलिस की मदद करने को कहा गया है।

पाकिस्तान ने फिर भारत के खिलाफ दिखाया अपना रंग, कहा- 370 की वापसी के बिना संबंध सामान्य नहीं

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के राष्ट्रपति आरिफ अल्वी ने भारत पर बलूचिस्तान में आतंकका आरोप लगाया और कहा कि भारत अफगानिस्तान का इस्तेमाल कर बलूचिस्तान में आतंकी गतिविधियों को अंजाम दे रहा है। अमेरिकी मीडिया से विभिन्न मुद्दों पर बोलते हुए पाकिस्तान के राष्ट्रपति ने कहा है कि पाक और भारत के संबंध कश्मीर में धारा 370 सहित कुछ निर्णय वापस लेने के बाद ही सामान्य हो सकते हैं। पाकिस्तानी राष्ट्रपति ने अफगान शांति प्रक्रिया पर बयान देते हुए कहा कि युद्ध ग्रस्त देश से अमेरिकी सैन्य वापसी का फैसला वहां की शांति के लिए सकारात्मक कदम है। उन्होंने कहा कि पाक और अमेरिका के बीच संबंधों में सुधार हो रहा है। अमेरिकी सेना की वापसी एक स्वागत योग्य कदम है।

भारत के डबल म्यूटेंट वैरिएंट से दुनिया में डर

कनाडा, यूएई सहित नौ देशों का भारतीय उड़ानों पर प्रतिबंध

अमेरिका ने भारतीयों के लिए एडवाइजरी जारी की

वाशिंगटन। कनाडा ने भारत और पाकिस्तान में कोविड-19 के बढ़ते मामलों को देखते हुए इन देशों की यात्री उड़ानों पर 30 दिन के लिए रोक लगा दी है। प्रतिबंध गुरुवार से लागू हो गए। वहीं, शुक्रवार से ब्रिटेन में भारतीय के आने पर पर रेड लिस्ट प्रतिबंध शुरू हो गया है। गुरुवार को ब्रिटेन में कोविड के इंडियन वैरिएंट के 55 नए मामले मिले हैं। इसके तहत भारत से ब्रिटेन आने पर रोक है। दिल्ली से स्वदेश लौट रहे ब्रिटिश या आयरिश नागरिक 10 दिन होटल में क्वारंटाइन रहेंगे।

दूसरी ओर, दुबई, सिंगापुर, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, ओमान, हांगकांग, फ्रांस ने भी भारत से उड़ानों पर प्रतिबंध लगा दिया है। अमेरिका, इजराइल ने भारत से आने-जाने सभी यात्रियों को लेकर एडवायजरी जारी की है। इन्हें सिंगापुर में 14 दिन संस्थागत क्वारंटाइन होने के बाद सात दिन

तक अपने घर में अनिवार्य रूप से आइसोलेट रहना होगा।

दुबई: भारत से, भारत होकर आने वाले अंतरराष्ट्रीय यात्री को दुबई में प्रवेश की अनुमति नहीं। प्रतिबंध 25 अप्रैल से 10 दिन के लिए है। 14 दिन दूसरे देश में गुजार चुके अंतरराष्ट्रीय यात्रियों को दुबई में आने की अनुमति होगी।

सिंगापुर: भारत से जाने वाले लोगों को पहले 14 दिन के लिए स्पेशल फैसिलटी में और फिर 7 दिन के लिए घर पर आइसोलेट होना होगा।

न्यूजीलैंड: पहला देश है जिसने उड़ान रोकी। न्यूजीलैंड के यात्री भी 11 से 28 अप्रैल के बीच वापस नहीं आ सकेंगे।

हांगकांग: हांगकांग ने भारत से आने-जाने वाली उड़ानें 3 मई तक रद्द कीं। इस महीने की दो उड़ानों में 50 संक्रमित मिलने पर यह फैसला हुआ।

फ्रांस में फिर आतंकी हमला

पुलिस स्टेशन में घुसकर महिला अफसर की गला काटकर हत्या, हमलावर आतंकी भी ढेर

पेरिस। फ्रांस में दोपहर एक महिला पुलिस अफसर की गला काटकर हत्या कर दी गई। घटना के बाद पेरिस की सभी सीमाएं सील कर दी गईं हैं। आतंकी हमले के कुछ ही देर में एंटी टेररिस्ट यूनिट ने आतंकी को घेर कर मार गिराया। यूनिट को शक है कि इस आतंकी के कुछ और साथी भी हमले में शामिल थे। उनकी तलाशी के लिए ऑपरेशन जारी है। पेरिस में बीते दो साल में 5 बार इस तरह के हमले हुए हैं। दूसरी बार किसी पुलिस अफसर को निशाना बनाया गया है। प्रधानमंत्री जीन कास्टेक्स ने इसे सीधे तैर पर आतंकी हमला करार दिया है।

अब और सख्त कदम उठाएंगे

फ्रांस में कट्टरपंथी इस्लामी तत्वों पर लगाम कसने के लिए कई सख्त कदम उठाए गए हैं। कास्टेक्स ने कहा- आप यह तय मानकर चलिए कि इस तरह की घटनाओं से हम हार मानने वाले नहीं हैं। हम बेहद सख्ती से इन लोगों से निपटने तैयार हैं।एंटी टेरर प्रॉसीक्यूटर जीन फ्रेंकोइस ने कहा कि यह बहुत घृणित घटना है। हम उन लोगों के सबक सिखाएंगे, जो इस काम में शामिल हैं। हमलावर ने अफसर को मारने से पहले नारे भी लगाए थे। फ्रांस के राष्ट्रपति एमैनुएल मैक्रों ने इस घटना के बाद कहा कि हम आतंकवाद के आगे घुटने नहीं टेकेंगे। अब और सख्ती से निपटा जाएगा।

आतंकवादी की पहचान उजागर नहीं

फ्रांस की एजेंसियों ने अब तक इस आतंकी की पहचान उजागर नहीं की है। हाल ही में पाकिस्तान में फ्रांस को लेकर काफी गुस्सा देखा गया था। पिछले

10 दिनों से वहां हिंसा जारी है। करीब 12 लोगों की मौत हो चुकी है और 800 से ज्यादा घायल हैं। पाकिस्तान का कट्टरपंथी संगठन तहरीक-ए-लब्बैक पाकिस्तान फ्रांस के राजदूत को वापस भेजने की मांग कर रहा है। सरकार इस पर संसद में बहस का प्रस्ताव ला चुकी है।

अंतरिक्ष के कचरे को हटाने के लिए कई कंपनियां जुटीं

अंतरिक्ष में मंडरा रहे 9 लाख टुकड़े हटाने के तरीके आजमाए जा रहे

चुंबक और लेजर तकनीक के साथ गारबेज रोबोट भी बनाया गया

बैंकॉक। अंतरिक्ष में 8 किमी प्रति सेकंड की रफ्तार से 9 लाख टुकड़े मंडरा रहे हैं, जो नष्ट हो चुके उपग्रहों के हैं। दुनियाभर के देशों में सैटेलाइट छोड़ने की मची होड़ के बीच अगर कोई बड़ा टुकड़ा वायुमंडल में दाखिल होते समय पूरी तरह नहीं जला, तो धरती पर तबाही मचा सकता है।

अंतरिक्ष में जमा इस कचरे को हटाने के लिए अमेरिका की नासा समेत कई देशों की एजेंसियां नए और अनोखे तरीकों का परीक्षण कर रही हैं। कई निजी कंपनियां भी इस क्षेत्र में अपने भविष्य को एक बड़े कारोबार के रूप में देख रही हैं। अकेले जापान

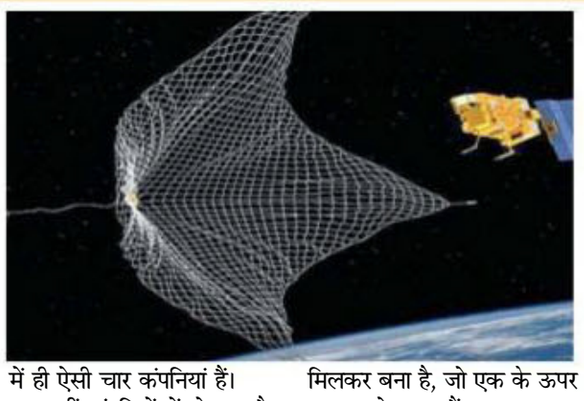

में ही ऐसी चार कंपनियां हैं।

इन्हीं कंपनियों में से एक है- एस्ट्रोस्केल। इसके संस्थापक और सीईओ नोबु ओकाडा कहते हैं कि हमने 22 मार्च को कजाकिस्तान के बाइकोनूर से सोयूज रॉकेट के जरिए 'एल्सा डी' उपग्रह प्रक्षेपित कर अपना अभियान शुरू भी कर दिया है। एल्सा-डी दो उपग्रहों से मिलकर बना है, जो एक के ऊपर एक जुड़े हुए हैं। एक 175 किलोग्राम वाला सर्विसर सैटेलाइट है और दसूरा 17 किलो वाला क्लाइंट सैटेलाइट। सर्विसर उपग्रह बहुत सारी प्रौद्योगिकियों का ठिकाना है। उसमे एक चुंबकीय डॉकिंग मकैनिज्म भी लगा है।

खराब पड़ चुके उपग्रहों और मलबे के बड़े टुकड़ों को हटाने का काम इसी उपग्रह के जरिए होता है। एक और जापानी कंपनी 'जाक्सा' इलेक्ट्रोडायनामिक सुरंग के जरिए कचरे को साफ करने का प्रपोजल दे चुकी हैं। 700 मीटर लंबी इलेक्ट्रोडायनामिक सुरंग स्टेनलेस स्टील और एल्युमीनियम की बनी होगी। यह सुरंग कचरे की तेज रफ्तार परिक्रमा को धीमा करेगी और उसे धीरे-धीरे वायुमंडल की तरफ धकेलेगी। जर्मनी की अंतरिक्ष एजेंसी 'डीएलआर' ने ऐसी लेजर तकनीक विकसित की है, जिसमें कचरे को अंतरिक्ष में ही नष्ट कर दिया जाता है। यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी ने इसके लिए एक 'गारबेज रोबोट' तैयार किया है, जो सैटेलाइट को पकड़कर धरती पर वापस ले आएगा। इसे 2023 में लॉन्च किया जाएगा।

इस्लामिक आतंकवाद के खिलाफ फ्रांस की मुहिम नहीं रुकेगी, महिला पुलिस अधिकारी की हत्या पर बोले राष्ट्रपति

पेरिस। फ्रांस में एक बार फिर आतंकी हमला हुआ। पेरिस के करीब रामबौलेट में हमलावर ने पुलिस थाने में घुसकर एक महिला पुलिस अधिकारी की गर्दन पर धारदार हथियार से ताबड़-तोड़ वार किए जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई। पुलिस अधिकारी की पहचान स्टेफनी के तौर पर हुई है जो दो बच्चों की मां थी। ट्यूनिशिया का यह 36 वर्षीय हमलावर इस दौरान अल्ला-हो-अकबर का नारा लगा रहा था। हमलावर को मौके पर ही मार गिराया गया। पुलिस ने तीन लोगों को गिरफ्तार कर लिया है।

राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने कहा है कि फ्रांस फिर से आतंकी हमले का शिकार हुआ है। लेकिन इस हमले से हमारी इस्लामी आतंकवाद से लड़ने की मुहिम नहीं रुकेगी। मामले की जांच की जा रही है। पुलिस के अनुसार, यह हमला स्थानीय समयानुसार 2:20pm पर हुआ। पता चला है कि उन्मादी शख्स ने थाने में घुसकर महिला पुलिसकर्मी के गले पर लंबे चाकू से लगातार वार किए। इससे स्टेफनी (49) नाम की महिला पुलिस अधिकारी बुरी तरह घायल होकर खून से नहा गई और कुछ ही मिनट में उसने दम तोड़ दिया। इसके बाद थाने में तैनात सुरक्षा गार्ड ने हमलावर को घेरकर उसे गोली मार दी। शुरुआती जांच में पता चला चला है कि हमलावर ट्यूनीशिया का नागरिक था और वैध दस्तावेज के साथ फ्रांस में रह रहा था। लेकिन एक टीवी चैनल के मुताबिक उससे पहले हमलावर अवैध रूप से फ्रांस में आया था।

अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडन ने कहा- पर्यावरण सुधार को साथ चलने और बदलाव लाने का संकल्प

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन की पर्यावरण पर आयोजित वर्चुअल समिट साथ चलने और बदलाव लाने के संकल्प के साथ संपन्न हुई। इस दौरान केन्या को केरोसिन स्टोव से निजात दिलाने और इजरायल की बैट्री क्षमता बढ़ाने पर भी चर्चा हुई। बड़ी स्क्रीन पर दिखाई दे रहे बाइडन ने कहा, लक्ष्य प्राप्ति के लिए हम साथ चलेंगे। उन्होंने यह बात तमाम देशों के सत्ता प्रमुखों, यूनियन लीडर और कारोबारी दिग्गजों को संबोधित करते हुए कही। बाइडन के इस समापन संदेश में केन्या के राष्ट्रपति उहुरू मुगई केन्याता की उस लाचारी में साथ देने का भाव भी था जिसमें धन की कमी को लेकर बेबसी जताई गई थी। केन्याता ने कहा था- केन्या अभावों के चलते बदलते मौसम से नहीं लड़ सकता, हालांकि हमारी दुनिया के साथ चलने की इच्छा है। 40 देशों की सहभागिता वाले इस सम्मेलन में प्रमुख देशों ने निधि बनाकर पर्यावरण सुधार की इस मुहिम को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। इस मुहिम का नेतृत्व अमेरिका करेगा। सम्मेलन में हानिकारक गैसों का सर्वाधिक उत्सर्जन करने वाले चीन, भारत, जापान, ब्रिटेन समेत 40 देशों ने हिस्सा लिया। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को अपने संबोधन में पर्यावरण सुधार की इस मुहिम को पूरा सहयोग देने का वचन दिया था। जबकि बाइडन ने चालू दशक में अमेरिका में कोयले और पेट्रोलियम पदार्थों के इस्तेमाल को घटाकर आधा करने की घोषणा की। कहा, हमें अपनी घोषणाओं को साकार कर दिखाना है। वादा करने के बाद कुछ नहीं करने का अर्थ होगा कि हम बहुत अधिक गर्म हवा से घिर जाएंगे और हमारा चैन चला जाएगा। समिट में इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने बताया कि उनके देश के विज्ञानी सौर, हवा और अन्य प्राकृतिक स्त्रोतों से चालित बड़ी बैटरी के निर्माण की प्रक्रिया आगे बढ़ा रहे हैं।

कैलिफोर्निया यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों का अध्ययन

पुरुषों में उम्र के साथ-साथ टॉक्सिसटी पैदा करता है वाय क्रोमोसोम, इसलिए महिलाओं से कम जीते हैं

कैलिफॉर्निया। महिलाओं के मुकाबले पुरुषों की उम्र कम क्यों होती है, इसका कैलिफोर्निया यूनिवर्सिटी के जीवविज्ञानियों ने पता लगाया है। उनका दावा है कि पुरुषों में पाया जाने वाला वाय क्रोमोसोम उम्र बढ़ने के साथ-साथ शरीर में टॉक्सिसटी (विषाक्तता) पैदा करता है, इसलिए पुरुषों की औसत जिंदगी महिलाओं से कम होती है। महिलाओं में सिर्फ एक्स क्रोमोसोम पाया जाता है, जबकि पुरुषों में एक्स और वाय दोनों क्रोमोसोम पाए जाते हैं।

दरअसल, महिलाओं और पुरुषों में उम्र के अंतर का पता लगाने के लिए जीवविज्ञानी एलिसन न्यूयेन और डोरिस

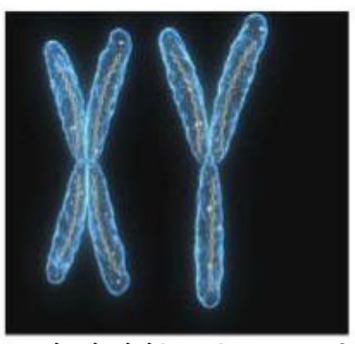

बच्चटोग ने ड्रेसोफिला मिरांडा नाम की मक्खी का अध्ययन किया। अध्ययन में सामने आया कि युवा नर मक्खियों में वाय क्रोमोसोम के खंड कसे रहते हैं और जैसे-जैसे उनकी उम्र बढ़ती है ये खंड ढीले पड़ते जाते हैं। इसकी वजह से मक्खी के शरीर के अलावा डीएनए को भी क्षति पहुंचती है। शोधकर्ताओं के अनुसार इंसानों में भी इसी तरह एक्स और वाय क्रोमोसोम पाए जाते हैं।महिलाएं बिना वाय क्रोमोसोम के जिंदा रहती हैं, इससे साबित होता है कि जिंदा रहने के लिए दोनों क्रोमोसोम जरूरी नहीं हैं। एक समस्या यह भी है कि वाय क्रोमोसोम केवल एक ही प्रति के रूप में पाए जाते हैं। क्योंकि बेटे को यह पिता से मिलते हैं। एक समय शरीर में दोनों क्रोमोसोम बराबर मात्रा में थे, पर अब वाय क्रोमोसोम तेजी से घट रहा है। अभी जो रफ्तार उसके अनुसार इसे पूरी तरह से गायब होने में 46 लाख साल लगेंगे।

वाय की संख्या 95 प्रतिशत तक घट गई है

शोधकर्ताओं के अनुसार वाय क्रोमोसोम डीएनए के 5.9 करोड़ से अधिक निर्माण खंडों में फैला है। यह कोशिकाओं में कुल डीएनए का लगभग 2त्न का प्रतिनिधित्व करता है। मनुष्यों में यह तेजी से गायब हो रहा है। वाय क्रोमोसोम जीन की संख्या 1,000 से गिरकर लगभग 50 हो गई, यह नुकासन 95 प्रतिशत से अधिक का है। यही क्रोमोसोम यह तय करता है कि आने वाली संतान लड़का होगा या लड़की, यानी बच्चे का लिंग यही तय करता है।

भारत के हालात विनाशकारी, यह दिखाते हैं वायरस क्या कर सकता है : डब्लूएचओ

जिनेवा। देश में हाहाकार मचा रही कोरोना संक्रमण की दूसरी लहर के बीच विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लूएचओ) के प्रमुख टेड्रोस अधोनम घेब्रेयेसस ने कहा कि वह भारत में तेजी से बढ़ते मामलों से बेहद चिंतित हैं। जेनेवा में वर्चुअल ब्रीफिंग के दौरान उन्होंने कहा, 'भारत में हालात विनाशकारी हैं जो याद दिलाते हैं कि वायरस क्या कर सकता है।' घेब्रेयेसस ने कहा, आक्सीजन बेड्स और रेमडेसिविर जैसी प्रमुख आपातकालीन दवा की जबर्दस्त कमी के बीच ऐसा लगता है कि देश में हर गुजरते दिन के साथ स्थिति हाथ से निकलती जा रही है।

उन्होंने कहा कि 25 से 59 वर्ष की उम्र वाले लोगों में संक्रमण तेजी से बढ़ रहा है। यह खतरे की घंटी है। यह कोरोना के नए वैरिएंट के ज्यादा संक्रामक होने का नतीजा हो सकता है। दुनियाभर में टीकाकरण में तेजी लाने की जरूरत है। डॉक्टर टेड्रोस ने हालातों के मद्देनजर दक्षिण-पूर्व एशिया में सभी स्वास्थ्य उपायों के पूरी तरह से इस्तेमाल करने की सलाह दी है जिससे संक्रमण से होने वाली मौतों

के आंकड़ों को कम किया जा सके। उधर, कई देशों में स्थित भारतीय मिशन वहां आक्सीजन व रेमडेसिविर इंजेक्शन और अन्य दवा के लिए सरकारों एवं कंपनियों से बात कर रहे हैं। आक्सीजन की आपूर्ति को लेकर यूएई, सिंगापुर और कुछ दूसरे दक्षिणी पूर्वी एशियाई से बात की जा रही है। रूस ने भी आक्सीजन आपूर्ति में मदद की पेशकश की है। भारतीय विशेषज्ञों का मानना है कि रूस की मदद काफी महत्वपूर्ण हो सकती है। रूस ने रेमडेसिविर इंजेक्शन देने का भी प्रस्ताव किया है जिसे भारत दो हफ्तों में पहुंचाई जा सकती है।

एक कॉल पर मदद को तैयार दिल्ली पुलिस

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस अब कानून व्यवस्था संभालने के साथ ही सामाजिक सरोकार निभाने में भी जुटी है। दिल की पुलिस कहीं मरीज को भर्ती करवा रही है तो कहीं शव को श्मशान घाट पहुंचाने के लिए एंबुलेंस का इंतजाम कर रही है। पुलिस हर पीसीआर कॉल पर खरी उतरते हुए इंसानियत निभा रही है। मोतिया खान में रहने वाली जूही मिश्रा की 72 वर्षीय दादी दुर्गावती को सुबह सांस लेने में परेशानी हो रही थी। उसे लगा कि उसकी दादी को कोरोना है। वह दादी का लेकर गंगाराम, जीवन माला, बीएलके और आरएमएल अस्पताल लेकर गई, मगर बैड नहीं होने की वजह से कहीं भी उसकी दादी को भर्ती नहीं किया। वह सुबह नौ बजे घर से निकली थी, मगर शाम छह बजे तक उसकी दादी को किसी भी अस्पताल जगह नहीं मिली। आखिर में वह दादी को लेकर एलएनजेपी अस्पताल लेकर जाने लगी। गोल मार्केट के पास उसकी दादी ने होश खोना शुरू कर दिया। इसके बाद जूही ने दिल्ली पुलिस की हेल्पलाइन 011-23469900 पर फोन कर सहायता मांगी। हेल्पलाइन पर सहायता मांगने के बाद पीसीआर जूही के पास पहुंची। पीसीआर में तैनात एएसआई गुरदेव लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज में तैनात सिपाही अनिल कुमार से सहायता मांगी। इसके बाद दुर्गावती को लेडी हार्डिंग के एमरजेंसी वार्ड में भर्ती कराया जा सका। ये वृद्धा को ऑक्सीजन दी गई। यहां वृद्धा की हालत ठीक है। अब जूही मिश्रा व उसकी दादी पुलिस को धन्यवाद करते हुए नहीं ठक रहे हैं।

दक्षिण-पश्चिमी जिला डीसीपी इंगित प्रताप सिंह ने बताया कि किशनगढ़ थानाध्यक्ष के मोबाइल पर शुक्रवार सुबह साढ़े आठ बजे पल्लवी नाम की महिला ने कॉल किया और कहा कि वह अपने पति राकेश सहारे के साथ किशनगढ़ में रहती है। कोविड से उसे पति की मौत हो गई है। वह घर में अकेली है। वह एंबुलेंस के लिए फोन कर रही है मगर उसे एंबुलेंस नहीं मिल रही है। थानाध्यक्ष ने बीट सिपाही संदीप को महिला के घर भेजा। पीपीई किट पहनकर पल्लवी के पास पहुंचा और उसे भी पीपीई किट दी। सिपाही संदीप ने सफदरजंग अस्पताल से एंबुलेंस बुलवाई और उसके पति का शव श्मशान घाट पहुंच सका। इसके बाद राकेश सहारे के शव का अंतिम संस्कार हो सका।

दिल्ली पुलिस एक तरफ जहां अस्पतालों में ऑक्सीजन की आपूर्ति कर मरीजों की जान बचा रही है, वहीं दूसरी ओर इलाके में रहने वाले लोगों के लिए खाने का इंतजाम भी कर रही है। खुद से या फिर सामाजिक संगठनों के साथ मिलकर पुलिस ऐसे लोगों को खाना मुहैया करवा रही है, जिनके सामने लॉकडाउन होने से रोजी रोटी की समस्या खड़ी हो गई है।

बहन के घर गई पत्नी तो आग लगा ली और साढू से लिपट गया

नई दिल्ली, (एजेंसी)। पत्नी पहुंची अपने बहन के घर तो यह बता चलते ही पति आगबबूला हो गया। हाथ में पेट्रोल की बोतल लेकर वहां पहुंच गया। पत्नी की बहन के घर पहुंचकर दरवाजे पर लात मारी। गेट खोला तो सामने आग की लपटें उठ रही थीं। साढू आग बुझाने के लिए भीतर से पानी लेकर आया। आरोप है कि इस बीच युवक ने साढू और खुद पर पेट्रोल छिड़ककर आग लगा ली। घरवालों ने जैसे-तैसे आग बुझाई। युवक को एलएनजेपी अस्पताल ले जाया गया, जबकि साढू को सफदरजंग अस्पताल में भर्ती कराया गया। साढू के बयान पर युवक के खिलाफ सेंट्रल दिल्ली के चांदनी महल थाने में हत्या के प्रयास का केस दर्ज कर लिया गया है। संदीप करीब 53 फीसदी तो सौरभ 35 फीसदी जल गए।

व्यापारी संगठनों ने लिया स्वैच्छिक लॉकडाउन का निर्णय

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली के 100 से अधिक बड़े व्यापारी संगठनों ने अगले सोमवार से रविवार तक एक हफ्ता स्वेच्छा से बाजार बंद रखने का फैसला किया है। उन्होंने यह कदम कोरोना के चलते राजधानी में बढ़े संकट और चिकित्सा सुविधाओं की चरमराई स्थिति को देखते हुए उठाया है। कनफेडेरशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने कोविड के चलते पैदा हुए संकट से निपटने के तरीकों पर चर्चा के लिए शुक्रवार की शाम व्यापारी संगठनों की बैठक बुलाई थी। बैठक में शामिल व्यापारी संगठनों ने कहा कि कोरोना को दिल्ली में बढे से रोकने के लिए लॉकडाउन बढ़ाना जरूरी है। इससे सरकार को चिकित्सा सुविधाएं दुरुस्त बेहतर बनाने का समय भी मिल सकेगा। इसके साथ ही ऑक्सीजन की कमी से हो रही कोविड के मरीजों की मौतों को देखते हुए कैट ने देशभर में व्यापारी वर्ग और आमजन के लिए ऑक्सीजन कॉन्सेंट्रेटर की व्यवस्था करने का फैसला किया है। यह बात कैट के महासचिव प्रवीन खंडेलवाल ने बताई है। उन्होंने बताया कि कैट की तरफ कोविड के जरूरतमंद मरीजों की मदद के लिए प्लाज्मा बैंक का भी प्रस्ताव दिया गया है। इसके साथ ही प्लाज्मा देने के इच्छुक लोगों की एक लिस्ट कैट की वेबसाइट पर डालने की भी योजना है।

ऑक्सीजन की कालाबाजारी करने वाला गिरफ्तार

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कोरोना महामारी के रूप में आई वैश्विक आपदा में भी लोग जीवनरक्षक चीजों की कालाबाजारी करने से बाज नहीं आ रहे हैं। ऐसा ही एक मामला दक्षिण-पश्चिमी दिल्ली के दशरथपुरी इलाके में देखने को मिला हैं, जहां नियमों का उल्लंघन कर ऑक्सीजन गैस सिलेंडर का भंडारण और कालाबाजारी करने के आरोप में पुलिस ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपी व्यक्ति की पहचान अनिल कुमार (51) के रूप में हुई है। पुलिस ने उसके कब्जे से 32 बड़े ऑक्सीजन सिलेंडर और 16 छोटे सिलेंडर बरामद किए गए हैं। स्वास्थ्य विभाग के बुलेटिन में यह जानकारी दी गई।

दिल्ली में लोगों के संक्रमित पाए जाने की दर 32.43 प्रतिशत है। दिल्ली में पिछले 11 दिन में इस संक्रमण से करीब 2,100 लोगों की मौत हो चुकी है। दिल्ली में गुरुवार को कोरोना वायरस संक्रमण के 26,169 नए मामले सामने आए थे और 306 मरीजों की मौत हुई थी। दिल्ली में गुरुवार को संक्रमण की दर 36.24 फीसदी रही थी, जो पिछले साल महामारी की शुरूआत के बाद से सर्वाधिक है। राजधानी में सर्वाधिक नए मामले मंगलवार को सामने आए थे। मंगलवार को 28,395 मामले सामने आए थे। राजधानी में संक्रमितों की कुल संख्या बढ़कर शुक्रवार को 9,80,679 और कुल मृतक संख्या 13,541 हो गई। बुलेटिन के मुताबिक, दिल्ली में गुरुवार को 75,037 नमूनों की जांच की गई। दिल्ली में अब तक 8.75 लाख से अधिक मरीज ठीक हो चुके हैं जबकि 92,029 मरीज उपचाराधीन हैं।

सेना ने दिल्ली के सरदार पटेल कोविड अस्पताल में तैनात किए अतिरिक्त चिकित्सक और स्वास्थ्यकर्मी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। सशस्त्र सेना चिकित्सा सेवा (एएफएमएस) ने कोविड-19 के बढ़ते मामलों से निपटने के लिये दिल्ली के सरदार वल्लभ भाई पटेल (एसवीपी) कोविड अस्पताल में अतिरिक्त चिकित्सकों और स्वास्थ्यकर्मियों को तैनाती किया है। रक्षा मंत्रालय के शनिवार को जारी बयान के अनुसार सन 2020 के 294 चिकित्सकों व स्वास्थ्यकर्मियों के मुकाबले 2021 में (एएफएमएस द्वारा) 378 लोगों को तैनात किया गया है। बयान में बताया गया है कि इस बार (2021 में) 164 चिकित्सकों को तैनात किया गया है, जबकि 2020 में 132 चिकित्सकों को लगाया गया था।

बयान में बताया गया है कि पिछले साल सिर्फ 18 विशेषज्ञों की यहां सेवाएं ली गई थीं, जबकि इस बार 43 विशेषज्ञ और 12 अति विशिष्टता वाले चिकित्सक तैनात किये गए हैं। इसमें कहा गया कि इस बार यहां स्वास्थ्यकर्मियों को बेहद अल्प समय के नोटिस पर महज तीन दिन में तैनात किया गया।

इसमें कहा गया, सेना के अस्पतालों में पहले से काम के दबाव के बावजूद इन विशेषज्ञों और अति विशिष्टता वाले चिकित्सकों को एसवीपी में तैनात किया गया है। रक्षा मंत्रालय ने कहा कि दिल्ली में 19 अप्रैल को जब एसवीपी केंद्र को कोविड-19 मरीजों के लिये फिर से शुरू किया गया तो उसके 250 बिस्तर महज दो घंटे में भर गए।

दिल्ली में 24 घंटे में रिकॉर्ड 348 मौतें

नई दिल्ली, (एजेंसी)। राजधानी दिल्ली के जयपुर गोल्डन हॉस्पिटल में ऑक्सीजन संकट के चलते शुक्रवार की देर रात 20 लोगों की जान चली गई। अस्पताल के डॉ. डीके बलुजा ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अभी सरकार की तरफ से ऑक्सीजन टैंक मुहैया कराया गया है। यह भी अगले दो से ढाई घंटे तक ही चलेगा। हॉस्पिटल में 260 मरीज भर्ती हैं। उधर, सरोज हॉस्पिटल के कोविड प्रभारी ने बताया कि अब वह अपने अस्पताल में कोरोना मरीजों को भर्ती नहीं कर रहे। ऑक्सीजन न होने के चलते पुराने मरीजों को भी डिस्चार्ज किया जा रहा है।

दिल्ली में गुरुवार की रात 25 मरीजों की ऑक्सीजन की कमी के चलते मौत हो गई थी। हालांकि, बाद में अस्पताल प्रशासन ने सफाई देते हुए कहा था कि इन मरीजों की हालत काफी गंभीर थी। ऑक्सीजन की कमी के चलते इनकी मौतें नहीं हुई हैं। गंगाराम हॉस्पिटल में शुक्रवार को ऑक्सीजन का संकट भी हो गया था। तत्काल सरकार ने यहां ऑक्सीजन की सप्लाई की थी।

कुछ दिनों पहले ही गंगाराम अस्पताल में 37 डॉक्टर कोरोना पॉजिटिव पाए गए थे। इनमें से पांच अस्पताल में ही भर्ती थे, जबकि अन्य डॉक्टरों को होम आइसोलेशन में रखा गया था। अस्पताल प्रशासन के अनुसार सभी डॉक्टरों में माइल्ड सिम्टम्स हैं और कोई भी गंभीर हालत में नहीं है। दिल्ली में पिछले 24 घंटे के अंदर 24 हजार 331 नए मरीज मिले। 23 हजार 572 लोग रिकवर हुए और 348 मरीजों की मौत हो गई। राजधानी में एक दिन के अंदर संक्रमण के चलते जान गंवाने वालों का यह सबसे बड़ा आंकड़ा है। अब तक यहां 9 लाख 80 हजार 679 लोग संक्रमण की चपेट में आ चुके हैं। इनमें 8 लाख 75 हजार 109 लोग ठीक हो चुके हैं, जबकि 13,541 मरीजों की मौत हो चुकी है। 92,029 मरीजों का इलाज चल रहा है।

प्रकाश सी. चोल्डा एलएसईए के अध्यक्ष निर्वाचित हुए

(संवाददाता)

नई दिल्ली। 16 अप्रैल को हुए चुनावों के आधार पर, प्रकाश सी. चोल्डा और श्रीमती आभा सिंह लोकसभा कर्मचारी संघ (एलएसईए) के अध्यक्ष और उपाध्यक्ष पदों पर निर्वाचित हुए हैं अजितेश सिंह को महासचिव चुना गया है, एलएसईए कर्मचारी पक्ष से लोकसभा सचिवालय के कर्मचारियों का प्रतिनिधित्व करता है। पिछले अनेक वर्षों से एलएसईए ने लोकसभा के कर्मियों के विविध सरोकारों, जैसे भर्ती, कैरियर की प्रगति, चिकित्सा सुविधा, सांस्कृतिक और सामाजिक सशक्तिकरण, और ऐसे अन्य मुद्दों के निपटान में सहायता की है जो कर्मचारियों के कल्याण को प्रभावित करते हैं। इस अवधि में, लोकसभा के महासचिवों और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने सचिवालय में कर्मचारियों के अनुकूल और कुशल कार्य-वातावरण तैयार करने में एलएसईए से परामर्श किया है।

सावन कृपाल रूहानी मिशन के सत्संग केन्द्र में होगी 1000 बेड वाले कोविड केयर सेंटर की शुरुआत

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य मंत्री सत्येन्द्र जैन और उनके वरिष्ठ अधिकारियों ने इब्राहिम पुर स्थित सावन कृपाल रूहानी मिशन के सत्संग केन्द्र कृपाल आश्रम - संत दर्शन सिंह जी धाम में जल्द से जल्द 1000 बेड वाले कोविड केयर सेंटर खोलने का फैसला लिया है। कोरोना की दूसरी लहर में महामारी से जूझ रहे हजारों लोगों के लिए यह बड़ी राहत की खबर है। परम पूजनीय संत राजिन्दर सिंह महाराज की अपार दयामेहर से सावन कृपाल रूहानी मिशन, दिल्ली द्वारा कोरोना संकट की इस घड़ी में मरीजों की ज्यादा से ज्यादा मदद की जा रही है।

संजीव झा व डी.एम. ने इब्राहिम पुर स्थित कृपाल आश्रम - संत दर्शन सिंह जी धाम का दौरा किया और दिल्ली सरकार द्वारा यहाँ शुरू किये जाने वाले 1000 बेड के कोविड केयर सेंटर को अपनी स्वीकृति प्रदान की। जिसकी शुरूआत जल्द से जल्द की जाएगी, जिससे कि अब हजारों लोगों को कोरोना महामारी के इलाज के लिए इधर-उधर भटकना नहीं पड़ेगा। इस अवसर पर वार्ड नंबर 6 और 7 के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे। विपदा की इस घड़ी में सावन कृपाल रूहानी मिशन ने मानव सेवा के वास्तविक सिद्धांत को सार्थक किया है।

पिछले वर्ष सन 2020 में कोरोना महामारी के दौरान सावन कृपाल रूहानी मिशन द्वारा देशभर के प्रमुख शहरों व अन्य राज्यों में लगभग 300 सेंटरों के माध्यम से अपने स्थानीय/जिला प्रशासन की अनुमति से हजारों गरीब व जरूरतमंद परिवारों को प्रतिदिन आवश्यक खाद्य सामग्री, अन्य आवश्यक सामग्री एवं लंगर का वितरण किया गया।

संत राजिन्दर सिंह जी महाराज के सान्निध्य में कार्यरत सावन कृपाल रूहानी मिशन प्राकृतिक आपदाओं के समय मानव-सेवा के कल्याण के लिए हमेशा तत्पर रहता है।

किसान नेताओं का केन्द्र सरकार पर कटाक्ष

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कृषि कानूनों के विरोध में टिकरी बॉर्डर पर चल रहे आंदोलन में एक बार फिर से पंजाब से लोगों के आने से पंडालों में भीड़ एकत्र होने लगी है। उधर, पलवल नेशनल हाइवे पर चल रहे धरने में किसानों नेताओं ने सरकार पर कटाक्ष करते हुए कहा कि वह कोरोना के नाम पर नौटंकी करने के बजाए मरीजों के समुचित इलाज की व्यवस्था करें। क्योंकि, मरीजों को न बेड मिल रहे हैं न ऑक्सीजन। मरीज तड़प-तड़पकर जान दे रहे हैं। यह सरकार के लिए शर्मनाक है।

किसानों ने आंदोलन को तेज करने के लिए गांव-गांव जागरुकता अभियान शुरू किया है। संघर्ष समिति के सदस्य गांवों में ग्रामीणों को कृषि कानूनों से होने वाले नुकसान के बारे में बता रहे हैं। किसान नेता मास्टर महेंद्र सिंह चौहान ने कहा कि कोरोना महामारी के नाम पर सरकार नौटंकी कर रही है। उसे ऐसा करने के बजाय लोगों के इलाज की व्यवस्था करनी चाहिए। कोरोना की आड़ में किसान आंदोलन को कुचलना आसान नहीं है। उच्चतम न्यायालय की यह टिप्पणी कि देश में आपातकाल जैसे हालात चल रहे हैं, सरकार के लिए शर्म की बात है।

उन्होंने कहा प्रधानमंत्री की रैलियां बंद कराई जाएं। शराब व मांस की दुकानें बंद कराई जाएं। वैक्सीन का प्रबंध किया जाए। देश भाषणों से नहीं सकारात्मक योजनाओं से चलता है। देश में लोग महामारी, बेरोजगारी, भुखमरी, महंगाई और भ्रष्टाचार से दुखी हैं। जनता विकराल हालात से जूझ रही है। किसानों ने चेतावनी देते हुए कहा यदि कोरोना के नाम पर उनके आंदोलन को दबाने की कोशिश की गई तो किसान मर जाएंगे, लेकिन वापस घर नहीं जाएंगे।

कोरोना मरीजों की मदद के लिए आगे आ रही आरडब्ल्यूए, कई मरीजों का हो रहा इलाज

नई दिल्ली । राजधानी में कोरोना संक्रमण के बढ़ते मामलों के कारण अस्पतालों में बेड से लेकर आक्सीजन व दवाओं की किल्लत हो गई है। ऐसे में वेस्टर्न एवेन्यू रेजिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन, सैनिक फार्म ने कोरोना मरीजों की मदद के लिए हाथ बढ़ाया है। आरडब्ल्यूए की ओर से पुष्प विहार स्थित सीनियर सेकेंडरी स्कूल में आइसोलेशन सेंटर शुरू किया गया है, जिसमें कोरोना मरीजों का इलाज किया जा रहा है। अभी यहां पर 70 संक्रमितों को रखा गया है। हालांकि, यहां पर मामूली लक्षण वाले मरीजों को ही रखा जाता है और जरूरत पड़ने पर डॉक्टर भी बुलाए जाते हैं। लेकिन, इस आइसोलेशन सेंटर से सबसे ज्यादा राहत उन लोगों को मिल रही है जिनके घर काफी छोटे हैं और संक्रमित होने के बाद उन्हें आइसोलेट होने की सुविधा नहीं मिल पाती है। वेस्टर्न एवेन्यू रेजिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन, सैनिक फार्म के अध्यक्ष हरदीप भल्ला ने बताया कि सेंटर का पूरा खर्च आरडब्ल्यूए ही उठा रही है।

राधा स्वामी कोविड केंद्र में शुरू होंगे 500 ऑक्सीजन बेड

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कोरोना संक्रमित मरीजों के लिए पिछले साल छतरपुर में बनाए गए सरदार पटेल कोविड केयर सेंटर को शनिवार से फिर से चालू कर दिया जाएगा।

दिल्ली सरकार के दक्षिणी दिल्ली जिले के अधिकारियों ने बताया कि आईटीबीपी की ओर से शनिवार को मेडिकल स्टाफ आ जाएगा। जिसके बाद यहां 500 बेड ऑक्सीजन वाले शुरू कर दिए जाएंगे। दिल्ली के उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने रविवार को केयर सेंटर का दौरा कर मंगलवार तक इसे चालू करने के निर्देश दिए थे।

वहीं, दक्षिणी दिल्ली से सांसद रमेश बिधूड़ी भी इसका दौरा कर चुके हैं।

दक्षिणी दिल्ली जिला प्रशासन के अधिकारियों का कहना है कि उनकी तरफ से तैयारियां पूरी कर दी गई हैं। इन्फ्रास्ट्रक्चर तैयार है, बेड भी लगा दिए गए हैं। पैरामेडिकल स्टाफ मिलते ही इसे चालू कर दिया जाएगा। जिसके लिए केंद्र सरकार से मंजूरी भी मिल गयी है। पिछले साल इस कोविड केयर सेंटर का संचालन आइटीबीपी द्वारा किया जा रहा था। छतरपुर स्थित सरदार पटेल कोविड केयर सेंटर में 500 बेड पर कोरोना मरीजों का इलाज करने के लिए आइटीबीपी को जिम्मेदारी दी गई है। इस बारे में वीरवार को गृह मंत्रालय की ओर से आदेश जारी कर दिए गए हैं। सभी 500 बेड पर आक्सीजन की भी व्यवस्था की जाएगी। आदेश में कहा गया है कि आइटीबीपी कोविड केयर सेंटर के लिए जल्द से जल्द मेडिकल व पैरामेडिकल स्टाफ उपलब्ध कराए। यहां 500 बेड को आपरेशनल करने के लिए आइटीबीपी को ही नोडल फोर्स नियुक्त किया है। 500 बेड के लिए कितने डाक्टर व पैरामेडिकल स्टाफ की आवश्यकता है, उसके अनुसार आइटीबीपी व्यवस्था करेगा।

युवक ने किया ऐसा कारनामा कि लड़की रह गई हैरान

नई दिल्ली, (एजेंसी)। लिव इन रिलेशनशिप टूटने से नाराज युवक ने महिला मित्र की फेसबुक आईडी हैक कर ली। युवती को परेशान करने के लिए आरोपी ने हैक की गई आईडी से अभद्र पोस्ट किए। जिसकी जानकारी होने पर युवती ने गाजीपुर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराया है। श्रावस्ती निवासी युवती भूतनाथ स्थित गर्ल्स हास्टल में रहती है। उसकी दोस्ती आर्यनगर निवासी अभिषेक से थी। जिसके साथ वह कई दिनों तक लिव इन रिलेशनशिप में रही। इस बात की जानकारी युवती के परिवार को लगने पर उसे फटकार लगाई गई थी। जिसके बाद वह अभिषेक का साथ छोड़ कर अलग रहने लगी। इस बात से नाराज होकर अभिषेक उसे फोन कर परेशान करने लगा। युवती ने अभिषेक का नम्बर ब्लैकलिस्ट पर डाल दिया। जिसके बाद आरोपी ने युवती की फेसबुक आईडी हैक कर उसमें अभद्र पोस्ट और फोटो अपलोड कर दी।अभिषेक की हरकत पता चलने पर युवती ने गाजीपुर कोतवाली पहुंच कर मुकदमा दर्ज कराया है। इंस्पेक्टर प्रशांत मिश्र के मुताबिक साइबर सेल की मदद से जांच की जा रही है।

विराफिन दवा 7 दिन में खत्म करती है कोरोना के लक्षण

नई दिल्ली, (एजेंसी)। ड्रग्स कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया ने एक बड़ा फैसला लिया है। डीजीसीआई ने वयस्कों में कोविड-19 के इलाज के लिए जायडस कैडिला की विराफिन के आपातकालीन उपयोग को मंजूरी दी है। जिन लोगों में कोरोना के हल्के लक्षण दिखाई देते हैं, उन्हें यह दवा 7 दिन में ठीक कर सकती है। बता दें जायडस कैडिला गुजरात के अहमदाबाद शहर की दवा निमार्ता कंपनी है। कंपनी ने कहा है कि पेजीलेटेड इंटरफेरान अल्फा-2बी वीराफीन के कोरोना पॉजिटिव मरीजों में इमरजेंसी उपयोग में काफी सहायता मिलेगी। जायडस कैडिला ने कहा, हॉस्पिटलों में विराफिन मेडिसिन उपलब्ध कराई जाएगी। यह एक एंटीवायरल दवा है। देश के विभिन्न हिस्सों में रेमडेसिविर इंजेक्शन को लेकर मारामारी हो रही है। यहां तक की इसकी कालाबाजारी तक होना शुरू हो गई है। कोरोना संक्रमितों के लिए इसे रामबाण माना जा रहा है। लेकिन एम्स ने इन दावों को खारीज कर दिया है। एम्स ने कोविड मरीजों के इलाज के प्रोटोकाल में बदलाव किए। जिसमें कम गंभीर संक्रमितों के उपचार में रेमडेसिविर का इस्तेमाल नहीं किया जाएगा। इसकी जगह बुडेसोनाइडर इनेहलर का इस्तेमाल होगा। टीकाकरण अभियान में गुरुवार शाम तक 13.5 करोड़ टीके लगाए जा चुके हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार गुरुवार सुबह 8 बजे तक 13,53,46,729 वैक्सीन लग चुके हैं। जिसमें 92,41,384 स्वास्थ्य कर्मियों को पहली और 59,03,368 कर्मचारियों को दूसरी डोज लगी है। 45 साल से 60 वर्ष की आयु के 4,55,10,426 लोगों को पहली वैक्सीन और 18,91,160 को दूसरी डोज लगी। 60 वर्ष से ऊपर के 4,85,01,906 लोगों को पहली और 64,97,155 को दूसरी वैक्सीन दी गई। बता दें कि देश में कोरोना वायरस के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। स्थिति इमरजेंसी जैसी बन चुकी है। संक्रमण का आंकड़ा दुनिया में सबसे ज्यादा आ रहे हैं। केंद्र सरकार से लेकर राज्य सरकार अपने-अपने स्तर पर इसे रोकने और निपटने के लिए हर संभव कोशिश करने में जुटी है। भारत में कोरोना वैक्सीनेशन अभियान भी शुरू हो गया है। एक मई से 18 साल से ज्यादा उम्र के लोगों को भी टीका लगना शुरू हो जाएगा।

संपादकीय

सख्ती का समय

यह समय सख्ती का है और अगर सरकार के प्रति देश की सर्वोच्च न्यायालय ने सख्त रुख का इजहार किया है, तो कोई अचरज नहीं। कोरोना के बढ़ते मामले और उसके साथ ही, इलाज, दवाओं और ऑक्सीजन के बढ़ते अभाव से निपटने के लिए सिवाय सख्त रुख अपनाने के कोई उपाय नहीं है। सर्वोच्च अदालत ने स्वत- संज्ञान लेते हुए केंद्र सरकार को नोटिस जारी करके पूछा है कि कोरोना महामारी से निपटने के लिए सरकार के पास क्या योजना है? इस सख्ती के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश में ऑक्सीजन की उपलब्धता और इसकी आपूर्ति को लेकर गुरुवार को उचित ही एक उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की है। प्रधानमंत्री कार्यालय से जारी बयान के मुताबिक, प्रधानमंत्री ने ऑक्सीजन का उत्पादन बढ़ाने, उसके वितरण की गति तेज करने और स्वास्थ्य सुविधाओं तक उसकी पहुंच सुनिश्चित करने के लिए तेज गति से काम करने की जरूरत पर बल दिया है। ऑक्सीजन की आपूर्ति को अबाध बनाना सबसे जरूरी है। उच्च अधिकारियों को जमीनी हकीकत नजर आनी चाहिए। अब बंद कमरों में बैठकर संवाद करने या भाषण देने का कोई विशेष अर्थ नहीं है। किन्हीं दो-तीन अस्पतालों का भी मुआयना अगर ढंग से कर लिया जाए, तो वस्तुस्थिति सामने आ जाएगी। बड़े नेताओं को सीधे जुड़कर काम करना होगा। केवल कागजों पर इंतजाम कर देना किसी अपराध से कम नहीं है। आदेशों-निर्देशों को जमीन पर उतारना होगा।

अधिकारियों ने शायद प्रधानमंत्री को यह बताने की कोशिश की है कि ऑक्सीजन की आपूर्ति पूरी तरह से की जा रही है। बताया गया है कि पिछले कुछ दिनों में ऑक्सीजन की उपलब्धता 3,300 मीट्रिक टन प्रतिदिन बढ़ी है। इसमें निजी और सरकारी इस्पात संयंत्रों, उद्योगों, ऑक्सीजन उत्पादकों का योगदान शामिल है। गैर-जरूरी उद्योगों की ऑक्सीजन आपूर्ति रोककर भी ऑक्सीजन की उपलब्धता बढ़ाई गई है। यह अच्छी बात है कि सरकार को जमाखोरी जैसी समस्या का अंदाजा है, इसलिए ऑक्सीजन की जमाखोरी करने वालों के खिलाफ राज्यों को कठोर कार्रवाई के लिए कहा गया है। ज्यादातर ऑक्सीजन बेचने वालों ने मरीजों के परिजन को जिस तरह लूटा है, उसे न भुलाया जा सकता है और न माफ किया जाना चाहिए। अनुभव गवाह है, यदि बड़े अधिकारी क्षेत्र में उतरकर समस्याओं को नहीं देखेंगे, तो समाधान नहीं निकलेगा और न केंद्र सरकार सर्वोच्च न्यायालय को अपनी योजना बता पाएगी। कोरोना ने बढ़कर यह तो साबित कर ही दिया है कि हमारी अच्छी-अच्छी सरकारें भी मुकम्मल युद्ध के लिए तैयार नहीं थीं। देश में छह से ज्यादा उच्च न्यायालयों में कोरोना से जुड़े मामलों पर सुनवाई चल रही है। मौजूदा सूरतेहाल को राष्ट्रीय आपातकाल के समान बताते हुए ही चीफ जस्टिस एसए बोबडे की खंडपीठ ने जवाब मांगा है। वाकई, यह समय फौरी कोशिशों का नहीं है, समग्र योजना का है। जांच, दवा, इलाज, निगरानी, टीका, लॉकडाउन, लगभग हरेक मोर्चे पर पोल खुल रही है। केंद्र सरकार को माकूल जवाब के साथ सामने आना चाहिए और आम लोगों को यह एहसास कराना चाहिए कि देश में अदालतें और सरकारें वाकई कंधे से कंधा मिलाकर कोरोना के खिलाफ युद्ध लड़ रही हैं। शासन-प्रशासन की सार्थकता इसी में है कि कोई इलाज से वंचित न रहे।

प्रवीण कुमार सिंह

हृदयविदारक घटना

महाराष्ट्र के नासिक स्थित जाकिर हुसैन निगम अस्पताल में भंड़ारण संयंत्र से ऑक्सीजन के रिसाव के बाद इस गैस की आपूर्ति बाधित होने से कम से कम 24 कोविड़-19 रोगियों की मृत्यु दिल दहला देने वाली घटना है। अस्पताल में 150 रोगी भर्ती थे। घटना के वक्त 23 वेंटिलेटर पर थे जबकि बाकी ऑक्सीजन पर। मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने मृत रोगियों के परिजनों को पांच-पांच लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की है। साथ ही, इस घटना की व्यापक जांच सात सदस्यीय समिति से कराने की भी घोषणा की है। जाकिर हुसैन निगम अस्पताल में ऑक्सीजन भंड़ारण टैंक के रखरखाव का काम एक निजी कंपनी देखती है। वाकई यह घटना बेकल कर देने वाली है। और यह कोई पहली घटना नहीं है, जब जिंदगी और मौत की जंग लड़ रहे अस्पताल में गंभीरावास्था में भर्ती मरीजों को इस तरह से एकाएक काल कवलित होना पड़ा है। कुछ समय पहले छत्तीसगढ़ में भी एक अस्पताल में भर्ती कुछ मरीजों को अस्पताल में आग लग जाने के कारण मृत्यु का ग्रास बनना पड़ा था। दरअसल, ऐसी घटनाएं ताकीद करती हैं कि लापरवाही, भले ही किसी भी स्तर पर बरती गई हो अपना खमियाजा जरूर वसूलती है। यह हम पर है कि लापरवाही के हालात बनने की नौबत ही न आने दें। खासकर ऐसे समय में जब पहले ही कोरोना महामारी ने तमाम लोगों को हलकान कर रखा है। स्वास्थ्य ढांचा चरमरा गया है। अस्पतालों में दवाएं, बिस्तर, ऑक्सीजन आदि सुविधाओं को बेहद कमी पड़ गई है। देश के अस्पतालों में पूरी तरह अफरातफरी का माहौल है। न तो डॉक्टर समझ पा रहे हैं कि आगे क्या होने वाला है, और क्या उनसे बन पड़ेगा। उनकी बेचारगी उनके चेहरों पर चिंता की लकीरें खींचे हुए है। सरकारें, केंद्र और राज्यों की, भी लाचार दिखाई दे रही हैं। उस पर इंसानी लापरवाही के चलते होने वाले हादसे हमारी चिंताओं को दोहरा कर जाते हैं। किसी भी हादसे में सहायता राशि देने और व्यापक जांच की घोषणा जैसी बातें रूटीन जैसी हैं। लेकिन रस्मअदाएगी भर जैसा कुछ न हो। हमें ऐसी किसी भी घटना को पूरी गंभीरता से लेना चाहिए। बंदोबस्त होने चाहिए कि ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न होने पाए। जरूरी है कि जो भी तंत्र व्यवस्थाओं को चाक-चौबंद बनाए रखने में प्रवृत्त है, उसे सदैव मुस्तैद बनाए रखा जाए।

जल्दबाजी ठीक नहीं

किसी समस्या के समाधान में गलत सूचना 'कोढ़ में खाज' जैसी होती है। यह सुलझाने के बजाय समस्या को और उलझा देती है। स्वास्थ्य संकट में तो भ्रामक सूचनाएं जान तक ले लेती हैं। आज जब देश कोरोना महामारी की दूसरी लहर का सामना कर रहा है, और स्वास्थ्य सेवाओं की किल्लत से दो चार है तो लोगबाग निजी रूप से आगे आकर एक दूसरे की मदद कर रहे हैं। खासकर सोशल मीड़िया के माध्यम से सूचनाओं का आदान-प्रदान करके। यह अच्छी बात है। एक जीवंत समाज की निशानी भी। विकट परिस्थितियों में परस्पर सहयोग उदाहरण बनते ही हैं। लोगों की परख भी होती है।

लेकिन मदद करने की जल्दीबाजी में एक चूक हो ही जाती है। और वह है सूचना को बिना जांचे-परखे आगे बढ़ाना। ऐसा करने वाले की नीयत भले ही परोपकारी हो, लेकिन जाने-अनजाने किसी का अहित हो जाता है। चाहे अस्पताल में बेड़ हो, दवाई हो या ऑक्सीजन सिलेंड़र की कहीं उपलब्धता हो। यही बात स्वास्थ्य संबंधी सलाह पर भी लागू होती है। अक्सर देखने में आता है कि किसी बड़े अस्पताल या डॉक्टर के नाम से कोई सलाह बेझिझक फॉरवर्ड की जाती है। नाम बड़ा होने से कोई जल्दी क्रॉसचेक करने की जहमत भी नहीं उठाता। इससे बचना मुश्किल नहीं बस जरूरत है सूचना को निजी रूप से सत्यापित करने की। उन्हीं सूचनाओं को आगे बढ़ाने की जिनसे हम निजी रूप से संतुष्ट हों। दरअसल, सोशल मीड़िया के युग में करीब-करीब हर व्यक्ति असीमित रूप से सूचना की प्रसारण शक्ति से लैस है। ऐसे में भ्रामक सूचनओं पर अमल करने से पहले पुष्टि कर लेना बेहद जरूरी हो जाती है। पुष्टि इसलिए भी कि अपने देश में घरेलू नुस्खों की थोड़ी-बहुत जानकारी रखने वाला शख्स तुरंत ही अपने आप को विशेषज्ञ मान बैठता है। ज्ञान बांटना शुरू कर देता है। लोग-बाग भी अस्पतालों का चक्कर लगाने से बचने और सस्ते इलाज के चक्कर में इन 'ज्ञानियों' की 'सलाह' पर अमल करने लगते हैं। इसका कई बार खमियाजा भी भुगतना पड़ जाता है। जिस पैसे और समय की बचत के लिए यह शॉर्ट-कट अपनाया जाता है, उसे ज्यादा लंबा रास्ता तय करना पड़ता है। जिम्मेदार नागरिक के रूप में हमारा भी कर्तव्य है कि महामारी के काल में गलत सूचनाओं को जांचे-परखे बिना आगे न बढ़ाएं क्योंकि यह तो नहीं पता की उक्त सूचना किसी की जान बचाएगी या नहीं, हां अधूरी जानकारी जान जरूर ले लेगी।

अपने नेताओं से पूछना शुरू कीजिए

कोरोना की इस दूसरी लहर में देश के लगभग सभी जिलों की स्वास्थ्य सेवाएं चरमरा गई हैं। महामारी से निपटने के लिए जिन-जिन चीजों की दरकार होती है, उन सबमें कमी दिख रही है। फिर चाहे वे डॉक्टर हों, बेड, वेंटिलेटर, आईसीयू, दवाएं या फिर ऑक्सीजन। दुखद है कि अंतिम संस्कार के लिए भी लोगों को कतारों में खड़ा होना पड़ रहा है। हालांकि, यह भी सच है कि खास परिस्थितियों में मरीजों की संख्या में अप्रत्याशित बढ़ोतरी होने से स्वास्थ्य सेवाओं पर बोझ बढ़ना स्वाभाविक है।

बहरहाल, पिछले एक वर्ष में चिकित्सा और स्वास्थ्यकर्मियों को हमने नायक की तरह सम्मानित किया, पर देश के विभिन्न हिस्सों से उनके साथ दुर्व्यवहार, धमकी, हमले और मार-पीट की भी खबरें आईं। करीब दो हफ्ते पहले ही सोशल मीडिया पर एक बड़े सरकारी अस्पताल के सीनियर डॉक्टर का वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें उनके साथ सार्वजनिक तौर पर दुर्व्यवहार किया गया था। यह एक बड़े राज्य की राजधानी की घटना है। पता चला, जो लोग डॉक्टर से अभद्रता कर रहे थे, वे निर्वाचित जन-प्रतिनिधि थे, जबकि डॉक्टर पिछले एक साल से कोरोना के नोडल ऑफिसर। इस घटना के बाद उनके इस्तीफे और फिर से पदस्थापना की भी खबर आई।

साफ है, यह महामारी हर मोर्चे पर देश के स्वास्थ्य तंत्र की परीक्षा ले रही है, और अपने गिरेबान में झांकने को कह रही है। हमें यह समझना होगा कि डॉक्टर व अन्य तमाम स्वास्थ्यकर्मी स्वास्थ्य सेवा मुहैया कराने के माध्यम भर हैं। अच्छी स्वास्थ्य सेवाएं तो निर्वाचित सरकारों के नीतिगत फैसलों और उन नीतियों पर प्रशासनिक मशीनरी व स्वास्थ्य क्षेत्र के प्रबंधकों के संजीदा अमल पर निर्भर करती हैं। विभिन्न स्तरों पर चुने गए प्रतिनिधि व सरकारें ही हैं, जो हर परिस्थिति में बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मुहैया कराने के लिए जवाबदेह हैं। मगर असल में अग्रिम मोर्चे पर तैनात स्वास्थ्यकर्मी (डॉक्टर और नर्स) ही लोगों के गुस्से का निशाना बनते हैं। स्पष्ट है, विपरीत परिस्थितियों में भी अच्छी स्वास्थ्य सेवाएं तत्कालीन सरकार द्वारा लिए गए नीतिगत फैसलों और निचले तंत्र द्वारा उनके अमल पर निर्भर करती हैं। इसीलिए, चुने हुए जन-प्रतिनिधियों की भूमिका काफी अहम हो जाती है। स्वास्थ्य सुविधाएं तैयार करने संबंधी फैसले लेने (या नहीं लेने) के लिए वही उत्तरदायी हैं। वित्तीय संसाधनों को आवंटित करने उनका फैसला ही अस्पतालों या स्वास्थ्य सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करता है। स्वास्थ्य कर्मियों की नियुक्ति और उनकी मौजूदगी भी सरकार की नीतियां तय करती हैं। इसलिए, किसी जिले, राज्य या देश में स्वास्थ्य सेवाएं कितनी अच्छी या बुरी हैं, यह अमूमन चुने हुए नेता और सरकारों की जवाबदेही है।

मगर अपने देश में सरकार स्वास्थ्य पर सकल घरेलू उत्पाद का बहुत कम हिस्सा, यानी सिर्फ 1.2 फीसदी (दुनिया में सबसे कम) खर्च करती है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति, 2017 कहती है कि राज्य सरकारों को स्वास्थ्य क्षेत्र पर अपने बजट का आठ फीसदी खर्च करना चाहिए, मगर वे आज भी औसतन पांच प्रतिशत खर्च करती हैं। दुखद यह है कि

> देश के स्वास्थ्य तंत्र और सेवाओं को तुरंत मजबूत करने की जरूरत है, और यह तभी संभव होगा, जब लोग अपने निर्वाचित प्रतिनिधियों से यह पूछना शुरू करेंगे कि आखिर किस तरह उन्होंने अपने क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं को सुधारा है? हमें आज से ही यह पूछना शुरू कर देना चाहिए।

2001-02 से लेकर 2015-16 के बीच इसमें सिर्फ आधा फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। यह उदाहरण भर है कि स्वास्थ्य पर राज्य सरकारों के वायदे किस कदर अधूरे हैं। स्वास्थ्य सेवाओं में निजी क्षेत्र की हिस्सेदारी और लोगों का अपनी जेब से स्वास्थ्य-खर्च दिनोंदिन बढ़ता जा रहा है, जो स्वास्थ्य में निवेश के सरकार के इरादों को बेपरदा करता है। देश के ज्यादातर राज्यों में चुने हुए नेताओं की सर्वोच्च प्राथमिकता में स्वास्थ्य नहीं है। पिछले कई वर्षों से यही प्रतीत होता रहा है कि सरकारों ने सेहत को लोगों की व्यक्तिगत जिम्मेदारी मान ली है। दिक्कत की बात यह है कि विपक्ष भी इस पर सवाल नहीं उठाता। यह मुद्दा जनादेश निर्धारित करने वाला कारक नहीं माना जाता। कोविड-19 के इस चरम में ही विधानसभा व पंचायतों के चुनाव हो रहे हैं, मगर स्वास्थ्य कोई मुद्दा नहीं है, जबकि इन चुनावों से लोगों की जान खतरे में डाली जा रही है। सवाल यह है कि अगर महामारी के समय भी स्वास्थ्य मुद्दा नहीं बनता, तो फिर भला कब यह चुनावी एजेंडा बनेगा? बहरहाल, कोरोना की इस दूसरी लहर ने मजबूत स्वास्थ्य सेवाओं के महत्व को उजागर किया है। अच्छी स्वास्थ्य सेवाओं का एक मापक यह है कि 3,000 से 10,000 की आबादी पर कम से कम एक डॉक्टर और नर्स के साथ बेहतर प्राथमिक स्वास्थ्य सुविधाएं लोगों को मिलें। मगर अपने यहां ग्रामीण इलाकों में यह सुविधा 25,000 की आबादी पर और शहरों में 50,000 की आबादी पर उपलब्ध है। इसका यह भी अर्थ है कि भारत आज जिन स्वास्थ्य चुनौतियों का मुकाबला कर रहा है, उसकी एक वजह यह है कि पिछले सात दशकों में स्वास्थ्य सेवाओं पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया गया। संविधान के मुताबिक, स्वास्थ्य राज्य का विषय है। यानी, स्वास्थ्य सेवाओं की ज्यादातर जिम्मेदारी राज्यों पर है। मगर इसका यह मतलब नहीं कि केंद्र सरकार इसके लिए जवाबदेह नहीं है। विशेषकर, स्वास्थ्य आपातकाल, महामारी जैसी परिस्थितियों में उसे ज्यादा जिम्मेदार बनाया गया है। देश का 74वां संविधान संशोधन कहता है कि नगर निगम और नगर पालिका जैसे स्थानीय शहरी निकायों का यह कर्तव्य है कि वे शहरी क्षेत्र में प्राथमिक व सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवाएं मुहैया कराएं। देखा जाए, तो स्वास्थ्य विभिन्न स्तरों पर हर निर्वाचित सदस्य की जिम्मेदारी है, फिर चाहे वे पंचायत प्रतिनिधि हों, पार्षद, विधायक या फिर सांसद। साफ है, देश के स्वास्थ्य तंत्र और सेवाओं को तुरंत मजबूत करने की जरूरत है, और यह तभी संभव होगा, जब लोग अपने निर्वाचित प्रतिनिधियों से यह पूछना शुरू करेंगे कि आखिर किस तरह उन्होंने अपने क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं को सुधारा है? हमें आज से ही यह पूछना शुरू कर देना चाहिए। आप अपने पार्षद से यह पूछें कि क्या हर 10,000 की आबादी पर वार्ड में स्वास्थ्य सुविधाएं मौजूद हैं? विधायक, सांसद जैसे हर चुने हुए प्रतिनिधि से भी यही सवाल करें। इसी तरह से आप बतौर जिम्मेदार नागरिक देश के स्वास्थ्य तंत्र और इसकी सेवाओं को मजबूत बनाने में अपना योगदान दे सकते हैं। और, इसी तरह से भारत भी भविष्य में महामारियों से निपटने के लिए तैयार हो सकता है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

गरीबों के जीवन का नूर डॉक्टर नूरी

आज जब अस्पताल में घुसते ही मरीज आशंकित रहता है कि न जाने डॉक्टर कितनी फीस वसूल ले, ऐसे में एक प्रशिक्षित डॉक्टर सिर्फ दस रुपये में मरीजों का इलाज करे तो हैरानी होती है। डॉक्टर नूरी ने डॉक्टरी की पढ़ाई करने के बाद अपना क्लीनिक उस पिछड़े इलाके में खोला है जहां गरीब लोग महंगा इलाज कराने में सक्षम नहीं हैं। डॉक्टरी की महंगी पढ़ाई करने के बाद जब उसने क्लीनिक खोला तो घर वालों को नहीं बताया कि कहीं वे कहें कि विजयवाड़ा छोड़कर क्यों पिछड़े कडपा इलाके में जा रही है। लेकिन जब उसके घरवालों को उसके नेक इरादों का पता चला तो वे खुश हुए और उसे आशीर्वाद दिया।

दरअसल, डॉ. नूरी का परिवार कई पीढ़ियों से समाज सेवा के कार्यों में लगा रहा। आंध्र प्रदेश के कृष्णा जनपद में जन्मी नूरी के दादा नूर मोहम्मद अस्सी के दशक में साम्यवादी नेता हुआ करते थे। वर्ष 1986 में देहावसान के बाद उनके बेटे ने राजनीति की तरफ तो नहीं झांका, लेकिन अपना काम-धंधा करते हुए अपने बच्चों को बेहतर शिक्षा देने का संकल्प जरूर लिया। नूरी समेत तीनों बच्चों को बेहतर शिक्षा देने का प्रयास किया। बच्चों ने भी निराश नहीं किया। हाईस्कूल तक नूरी ने उर्दू से पढ़ाई की और आगे की पढ़ाई अंग्रेजी के माध्यम से की। दरअसल, बचपन में एक फिल्म में एक डॉक्टर की सेवा के किरदार और गरीब मरीजों द्वारा दी गई दुआओं ने उसे इतने गहरे तक प्रभावित किया कि उसने डॉक्टर बनने का संकल्प ले लिया। हालांकि, उसके घरवालों ने चिकित्सक बनने और उसके बाद चिकित्सा पेशे की चुनौतियों के बाबत भी बताया, लेकिन वह तो संकल्प कर चुकी थी। परिवार के लोगों ने कहा कि वह शिक्षिका की नौकरी कर ले, यह नौकरी लड़कियों के लिये सुविधाजनक होती है। लेकिन बाद में परिवार को एक ऐसी घटना का सामना करना पड़ा कि पिता ने भी संकल्प ले लिया कि अपनी बच्ची को डॉक्टर ही बनायेंगे। कॉलेज में पढ़ाई के दौरान भी वह अपनी सोच के साथियों के साथ लोगों की सेवा में जुटी रही। दरअसल, इसके पीछे उसके परिवार के संस्कार भी शामिल थे। उसके परिवार ने हमेशा दीन-दुखियों की मदद ही की। उन्होंने तीन बेसहारा बच्चों को गोद लेकर उनका भरण-पोषण किया। यही बातें नूरी को समाज के लिये काम करने के लिये प्रेरित करती रही हैं।

डॉ. नूरी के सेवा-भाव से कडपा के इलाके के गरीब लोगों में खुशी है। लोग आज उन्हें कडपा की मदर टेरेसा कहते हैं। कॉलेज जीवन में प्रतिभावान छात्रा रही नूरी ने जहां शुरुआती पढ़ाई उर्दू में की, तो बाद में पब्लिक स्कूल में अंग्रेजी की पढ़ाई में भी बेहतर अंक हासिल किये। भाषा उसकी प्रतिभा की अभिव्यक्ति में बाधक नहीं बनी। कालांतर उन्होंने कडपा के फतिमा इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस से एमबीबीएस किया। बाद में उसने सोचा कि आगे की पढ़ाई में दाखिला लिया तो बाद की परिस्थितियां उसके लक्ष्य में बाधक बन सकती हैं। उसने मन बनाया कि दूर-दराज के इलाके में क्लीनिक खोलकर गरीबों का उपचार करेंगी, क्योंकि महंगा इलाज गरीबों के बूते से बाहर होता है। उसने मन बनाया और बिना घरवालों को बताये कडपा में एक क्लीनिक खोलने का निर्णय किया। उसने फीस इतनी कम रखी कि कोई भी आसानी दे सके। फीस इसलिये भी रखी क्योंकि मुफ्त के इलाज को लोग गंभीरता से नहीं लेते, वहीं दस रुपये से अस्पताल के कुछ खर्च भी निकल जायेंगे। वर्ष 2019 के आखिरी माह में उसने अपना क्लीनिक खोल ही लिया।

इस तरह डॉ. नूरी का क्लीनिक चल निकला। उन्होंने जांच केंद्र, दवाखाना और तीन बिस्तरों के साथ डॉ. नूरी हेल्थ केयर खोला। फीस दस रुपये और बेड की फीस पचास रुपये रखी ताकि गरीब से गरीब भी इलाज करा सके। विडंबना यह रही कि फरवरी, 2020 में अस्तित्व में आने वाला क्लीनिक देशव्यापी कोरोना संकट के कारण लगे लॉकडाउन में बंद हो गया। शुरू में कुछ दिन तो उन्होंने क्लीनिक बंद रखा। लेकिन उन्हें लगा कि इस दौरान साधनविहीन मरीजों का उपचार कौन करेगा। फिर स्थानीय पुलिस प्रशासन से अनुमति लेकर चौबीस घंटे क्लीनिक खोल दिया, जिससे क्षेत्र के लोगों को बड़ी राहत मिली। फिर मरीजों की कतारें लगने लगीं। इतना ही नहीं, लॉकडाउन के दौरान डॉ. नूरी ने साधनविहीन लोगों को खाना खिलाने का काम भी किया, क्योंकि कुछ मरीज भूख से पैदा हुई बीमारियों के शिकार भी थे। फिर माता-पिता से मिले सेवा के संस्कार महकने लगे। ऐसे वक्त में जब डॉक्टर एक बार देखने के सौ-दो सौ रुपये मरीजों से ले लेते हैं, निस्संदेह डॉ. नूरी का दस रुपये लेना सुखद अहसास कराता है कि समाज में आज भी मानवता की रक्षा करने वाले लोग हैं। आज तो बच्चे भी दस रुपये मिलने पर मुंह बिचकाने लगते हैं, दस रुपये का इलाज आश्चर्य मिश्रित खुशी ही देता है। इतना ही नहीं, डॉ. नूरी आज गरीबों व निराश्रितों के लिये कई प्रेरक मिशन चला रही हैं। उनके दो सामाजिक संगठनों के जरिये स्वास्थ्य और शिक्षा के लिये युवाओं को प्रेरित किया जा रहा है। अपने दादा की याद में नूर चैरिटेबल ट्रस्ट की स्थापना उन्होंने की है। साथ ही वे दहेज व आत्महत्या के विरुद्ध जागरूकता अभियान भी चला रही हैं।

वीर कुंवर सिंह

अंग्रेजों की आंख की किरकिरी बन गए थे

देश के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के अजेय योद्धाओं की अग्रणी कतार में वीर कुंवर सिंह का नाम श्रद्धा से लिया जाता है। वह एकमात्र योद्धा थे, जिन्होंने अपने क्षेत्र को अंग्रेजों से मुक्त करा लिया था। अंग्रेज इनके गुरिल्ला युद्ध से थर्राते थे। 13 नवम्बर, 1777 को बिहार के शाहाबाद जिला (अब भोजपुर) के जगदीशपुर में एक जमींदार परिवार में जन्मे कुंवर सिंह के पिता का नाम राजा शाहेबजादा सिंह और माता का नाम पचरत्नी देवी था।

अंग्रेजों के विरुद्ध प्रथम संग्राम में वीर कुंवर सिंह के नेतृत्व में क्रांतकारियों ने 25 जुलाई, 1857 को आरा नगर (आर्मी रेजिमेंट) पर अधिकार कर लिया। तब पहली लड़ाई इन्होंने कायमनगर के पास अंग्रेजों से लडवी। दानापुर छावनी के विद्रोह के बाद कुंवर सिंह ने इस क्षेत्र की कमान संभाल ली थी। विद्रोही सिपाहियों एवं अपने सहयोगियों के साथ उन्होंने आरा पर कब्जा किया। फिर बीबीगंज में घमासान लड़ाइयां लड़ते हुए मिर्जापुर, बनारस, अयोध्या, लखनऊ, फैजाबाद, रीवा, बांदा, कालपी, गाजीपुर, बांसडीह, सिकंदरपुर, मनियर और बलिया समेत कई अन्य जगहों का दौरा किया। वहां वे नये साथियों को संगठित कर अंग्रेजी सलतनत के विरुद्ध विप्लव के नगाड़े बजाते रहे। इस दौरान वीर कुंवर सिंह की उम्र 80 वर्ष की थी। इस उम्र में भी उनमें अपूर्व साहस, बल और पराक्रम था। ब्रिटिश इतिहासकार होम्स ने उनके बारे में लिखा है, उस बूढ़े राजपूत ने ब्रिटिश सत्ता के विरुद्ध अद्भुत वीरता और आन-बान के साथ लडवई लड़ी। वे जवान होते तो शायद अंग्रेजों को 1857 में ही भारत छोड़ना पड़ जाता। जैसे-जैसे इन इलाकों के लोग संगठित हुए, अंग्रेजों के खिलाफ विद्रोह बढ़ने लगे। ब्रिटिश सरकार के लिए वीर कुंवर सिंह आंख की किरकिरी बन गए थे, जिसे निकाल बाहर फेंकना उनके अस्तित्व के लिए बेहद जरूरी हो गया था। लेकिन वीर कुंवर से छुटकारा आसान नहीं रहा। कहते हैं कि अपनी अनोखी युद्ध नीति से उन्होंने सात बार अंग्रेजों को हराया था।

अपने लोगों के मध्य वे कितने लोकप्रिय थे, इसका अंदाजा 21 अप्रैल, 1858 को उनके गंगा पार करने के अवसर पर लगा। आजमगढ़ जिला मजिस्ट्रेट आर. डेविस, जो शिवपुर घाट (बलिया यूपी) पर ब्रिटिश सेना के साथ कैम्प कर रहा था, ने लिखा है 'मजिस्ट्रेट के कडदे निदाश के पश्चात सारी नावें गंगा नदी से हटा ली गई थीं। लेकिन कुंवर सिंह की सेना को गंगा पार कराने के लिए एकाएक नावें लहराने लगीं।' बाबू साहब की वीरता को लेकर बिहार और उत्तर प्रदेश के गांव-गांव में वीर रस से ओतप्रोत गीत गाए जाने लगे। उस समय की एक होली 'बाबू कुंवर सिंह तेगगवा बहादुर, बंगला में उड़ेला अबीर। आरे लाल बंगला.' आज भी बिहार, झारखंड एवं उत्तर प्रदेश में खूब गाई जाती है। भोजपुरिया क्षेत्र में व्यवस्था परिवर्तन का आग्रह-गीत 'अठारह सौ संतावन के फिर से बिगुल बजावग दादा फिर एक बार तू आव.' भी बड़े चाव से गाया जाता है।

बाबू कुंवर सिंह ने क्षेत्र में सिंचाई के लिए अनेक बांध बनवाए थे, जो बाबूबांध के नाम से आज भी प्रचलित हैं। इनसे सैकड़ों हेक्टेयर में सिंचाई होती है। अपने लोगों के लिए उन्होंने मंदिर के साथ मस्जिद भी बनवाई, जो अपने आप में मिसाल है। एक बार बाबू साहेब घोड़ा से पीरो इलाके में गए हुए थे। खेतों में धान की रोपनी कर रही रोपनहारिणों ने उन्हें कीचड़ लगाया। रोपनी के समय मालिक को कीचड़ लगाने की परंपरा रही है, जिसे अच्छी फसल और अच्छी बारिश के लिए शुभ माना जाता है। इस अवसर पर मालिक द्वारा उपहार दिया जाता है। एक रोपनहारिण खेत में ही खड़ी रही। बाबू साहेब ने पूछा तो बताई कि 'मैं जगदीशपुर की बेटी हूं। अपने बाबा को कीचड़ कैसे लगाऊंगी?' इस पर कुंवर सिंह ने कहा कि 'आज से यह पूरा इलाका तुम्हारा है।' उन्होंने वह जमीन उस रोपनहारिण के नाम कर दी। आज भी वह मौजा 'दुसाधी बधार' के नाम से जाना जाता है।

सर्वधर्म और समभाव के आग्रही कुंवर सिंह की सेना में हिंदू, मुस्लिम, दलित और पिछड़ी जाति के लोग समर्पित भाव से शामिल थे। भाई अमर सिंह सहित अली करीम, वारिस अली, इब्राहिम खां (गाजीपुर, यूपी) बसावन महतो उनके सैन्य पदाधिकारी और विश्वासपात्र थे जबकि किफायत हुसैन, द्वारिका माली, रणजीत ग्वाला, देवी ओझा आदि आम जनता के प्रतिनिधि थे। उनके पंचों में भी अल्पसंख्यक पिछड़ी जाति और दलित समुदाय के लोग थे। 23 अप्रैल, 1858 को उन्होंने स्वतंत्र आरा में पहली बार याहिया खां को कलक्टर नियुक्त कर आजाद भारत का झंड़ा फहरवाया था।

गौरवशाली भारत के स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं, दिल्ली.... से मुद्रित एवं, ब्लॉक नं. 23 मकान नं. 399 त्रिलोकपुरी दिल्ली....91 से प्रकाशित संपादक -प्रवीण कुमार सिंह टेलीफोन नं. 011.22786172 फैक्स नं. 011.22786172
RNI, No. DELHIN383334, E-mail: gauravashalibarat@gmail.com इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के पीआरबी एट के तहत

देश में पहली बार एक दिन में रिकॉर्ड 2 .20 लाख लोग ठीक हुए

नई दिल्ली, (एजेंसी)। लंबे समय बाद हम सभी के लिए राहत की खबर है। देश में कोरोना मरीजों के ठीक होने की रफ्तार में एक दिन के अंदर 111.20 फीसदी का इजाफा हुआ है। शुक्रवार को 24 घंटे के अंदर रिकॉर्ड 2 लाख 20 हजार 382 लोग रिकवर हुए हैं। अब तक दुनिया में एक दिन के अंदर ठीक होने वाले मरीजों का यह सबसे बड़ा आंकड़ा है। इससे पहले गुरुवार को एक दिन में रिकॉर्ड 1 लाख 98 हजार 180 लोग ठीक हुए। बुधवार को 1.92 लाख लोग रिकवर हुए थे। हालांकि, चिंता की बात ये है कि कोरोना के नए मरीजों के मिलने की संख्या लगातार बढ़ रही है। शुक्रवार को देश में रिकॉर्ड 3 लाख 44 हजार 949 नए मरीज मिले। पिछले साल से लेकर अब तक किसी देश में एक दिन में मिले नए मरीजों का यह सबसे बड़ा आंकड़ा है। शुक्रवार को 2,620 लोगों की संक्रमण से मौत भी हो गई। एक दिन में हुई मौतों का यह नया रिकॉर्ड है।

देश में कोरोना के आंकड़ों में भले ही काफी तेजी देखने को मिली हो, लेकिन आबादी के लिहाज से देखें तो अभी भारत काफी अच्छी स्थिति में है। इस मामले में हम दुनिया में 119वें नंबर पर हैं, जहां सबसे ज्यादा केस आ रहे हैं। आंकड़ों के अनुसार भारत में हर 10 लाख की आबादी में 11,936 लोग संक्रमित पाए जा रहे हैं और 136 लोगों की मौत हो रही है। इतनी ही आबादी में अमेरिका में 98,000 बहरीन में 96,000, इजराइल में 91,000, फ्रांस में 83,000, बेल्जियम में 82,000, स्पेन में 74,000 और ब्राजील में 66,000 लोग संक्रमित पाए जा रहे हैं। यहां आबादी के हिसाब से मौत के आंकड़े भी काफी अधिक हैं। इससे साफ है कि भारत में अभी संक्रमण काफी काबू में है। अगर थोड़ी सावधानी और सतर्कता रखें तो इसे और कम किया जा सकता है।

देश में एक्टिव केस यानी ऐसे मरीज जिनका इलाज चल रहा है, उनकी संख्या आज 25 लाख के पार हो गई है। अभी देश में ऐसे 25 लाख 43 हजार 914 मरीज हैं जिनका इलाज चल रहा है। शुक्रवार को इसमें 1 लाख 21 हजार 770 की बढ़ोतरी दर्ज हुई।

कोरोना के चलते कुंभ खत्म करने के मुद्दे पर बैरागी अखाड़ों ने दी अखाड़ा परिषद से संबंध तोड़ने की धमकी

हरिद्वार, (एजेंसी)। बढ़ते कोरोना संक्रमण के चलते सात में से छह संन्यासी अखाड़ों के कुंभ समाप्त करने की घोषणा से नाराज बैरागी अखाड़ों ने इन अखाड़ों से सार्वजनिक तौर पर माफी मांगने को कहा है। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि अंतिम शाही स्नान से पहले उन्होंने माफी नहीं मांगी, तो वे दोनों उदासीन और निर्मल अखाड़े के साथ कोई भी निर्णय लेने को स्वतंत्र होंगे।

बैरागी अखाड़ों ने कहा कि जरूरत पड़ने पर अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के नए चुनाव कराने की मांग की जाएगी और यदि ऐसा नहीं हुआ तो नई परिषद के गठन पर भी विचार किया जा सकता है। दूसरी ओर अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद ने कहा कि बैरागी अखाड़ों से इस मुद्दे पर बात की जाएगी।

दो शाही स्नान के बाद श्रीपंचायती निरंजनी, श्रीपंचायती आनंद, श्रीपंचदशनाम जूना, श्रीपंचायती अग्नि, श्रीपंचायती आह्वान और श्रीशंभू अटल अखाड़े कुंभ का विसर्जन कर चुके हैं, महानिवार्णी अखाड़ा स्पष्ट कर चुका है कि वह अंतिम शाही स्नान में प्रतीकात्मक तौर पर भाग लेगा। अखाड़े ने अभी कुंभ के समापन को लेकर भी कोई निर्णय नहीं लिया है।

अखाड़ा परंपरा में हरिद्वार में आयोजित होने वाले कुंभ के शाही स्नान में संन्यासी अखाड़ों के लिए महाशिवरात्रि, सोमवती अमावस्या और मेष संक्राति का स्नान महत्वपूर्ण होता है। वहीं बैरागी अखाड़ों में शामिल श्रीपंच निमोर्ही अणि, श्रीपंच निवार्णी अणि, श्रीपंच दिगंबर अणि के साथ ही श्रीपंचायती अखाडा नया उदासीन, श्री पंचायती अखाड़ा बड़ा उदासीन और श्री पंचायती अखाड़ा निर्मल के संन्यासियों के लिए चैत्र पूर्णिमा के शाही स्नान का विशेष महत्व है।

निमोर्ही अणि के अध्यक्ष श्रीमहंत राजेंद्र दास, निवार्णी अणि के महामंत्री श्रीमहंत गौरीशंकर दास और दिगंबर अणि के अध्यक्ष श्रीमहंत कृष्णदास ने आरोप लगाया कि संन्यासी अखाड़ों ने अपने शाही स्नान तो धूमधाम से कर लिए और जब बैरागी और उदासीन अखाड़ों की बारी आई तो कुंभ समाप्ति की घोषणा कर दी। उन्होंने कहा कि इस तरह का फैसला लेने का अधिकार केवल अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद को है, अखाड़ों को नहीं। अखाड़ा परिषद ने अब तक इस मामले में कोई निर्णय न लेकर साबित किया है कि उसकी भी इसमें मौन सहमति है।

बैरागी अखाड़ों का आरोप है कि हरिद्वार कुंभ में अखाड़ा परिषद शुरू से ही उनकी उपेक्षा कर रही थी। कहा कि परंपरा के अनुसार परिषद में अध्यक्ष या महामंत्री में से एक पद बैरागी अखाड़ों को मिलना चाहिए, लेकिन दोनों ही पद संन्यासी अखाड़ों के पास हैं। इसलिए बैरागी अखाड़े अपना निर्णय लेने को स्वतंत्र हैं। दावा किया कि दोनों उदासीन अखाड़ों, निर्मल अखाड़े का उन्हें समर्थन प्राप्त है। अंतिम शाही स्नान के बाद बैठक कर इस बारे में निर्णय लिया जाएगा।

दूसरी ओर अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के राष्ट्रीय महामंत्री श्रीमहंत हरिगिरि ने कहा कि वह तीनों बैरागी अणियों की नाराजगी से अवगत हैं। इन दिनों अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष श्रीमहंत नरेंद्र गिरि कोरोना संक्रमित होने के कारण ऋषिकेश एम्स ऋषिकेश में भर्ती हैं। उनके स्वस्थ होने पर बैरागी अणियों के साथ इस मुद्दे पर वार्ता की जाएगी।

हैलट में चिकित्सकों की लापरवाही से परमवीर चक्र विजेता अब्दुल हमीद के पुत्र की मौत

कानपुर, (एजेंसी)। सन 1965 के भारत-पाकिस्तान युद्ध में पाकिस्तान के खतरनाक पैटन टैंक तबाह करने वाले परमवीर चक्र विजेता वीर अब्दुल हमीद के बेटे अली हसन (61) की शुक्रवार को कानपुर के एक अस्पताल में उपचार में लापरवाही की वजह से मौत हो गई। मृतक के परिवार ने आरोप लगाया कि लाला लाजपत राय अस्पताल (हैलट) के अधिकारियों ने अली हसन की कोविड-19 की जांच कराने की जहमत ही नहीं उठाई।

हसन के बेटे सलीम ने दावा किया कि उनके पिता की मौत अस्पताल के डॉक्टरों और कर्मचारियों की लापरवाही के कारण हुई है। सलीम ने पत्रकारों को बताया कि उनके पिता पिछले कई दिनों से अस्वस्थ थे। उन्हें बुधवार को लाला लाजपत राय अस्पताल में भर्ती कराया गया। उन्होंने कहा कि अस्पताल में प्रवेश के बाद अली हसन को ऑक्सीजन पर रखा गया था, लेकिन चार घंटे बाद उनके स्वास्थ्य को स्थिर बताते हुए ऑक्सीजन हटा ली गई। इसके बाद उनकी तबियत बिगड़ गई।

सलीम ने आरोप लगाया कि पिता की गिरती स्थिति देख जब उन्हें फिर से आक्सीजन सपोर्ट देने की बात कही गई तो स्वास्थ्य कर्मियों ने उस पर गौर नहीं किया। उन्होंने डॉक्टरों को बताया गया कि अली हसन परमवीर चक्र विजेता वीर अब्दुल हमीद के पुत्र हैं, इसके बाद भी किसी ने उनकी ओर ध्यान नहीं दिया। मूलतः यूपी के गाजीपुर जिले के निवासी वीर अब्दुल हमीद के पुत्र अली हसन कानपुर स्थित आयुध कारखाना में काम करते थे। वहां से अवकाश प्राप्त करने के बाद उन्होंने सैयद नगर में घर बनवा लिया था ओर कानपुर के ही बाशिंदा हो गए थे।

इस संदर्भ में जब गणेश शंकर विद्यार्थी मेडिकल कालेज, कानपुर के प्रमुख आरबी कमल से बातचीत की गई तो उन्होंने कहा कि उन्हें निधन की सूचना मिली है। उन्होंने इस संबंध में किसी भी तरह की टिप्पणी करने से इनकार कर दिया है।

विशाखापत्तनम से ऑक्सीजन के 7 टैंकर लेकर ट्रेन नासिक पहुंची

मुंबई, (एजेंसी)। महाराष्ट्र में जारी महामारी के बीच दो बड़ी राहत भरी खबरें आईं। यहां पहली बार एक दिन में 74 हजार से ज्यादा मरीजों ने कोरोना को मात दी। यह किसी भी राज्य में एक दिन में ठीक होने वाले मरीजों का यह सबसे बड़ा आंकड़ा है। दूसरी ओर 20 अप्रैल को विशाखापत्तनम गई देश की पहली स्पेशल ट्रेन ऑक्सीजन लेकर नागपुर होते हुए शनिवार सुबह नासिक पहुंच गई। ट्रेन के जरिए 7 लिक्विड मेडिकल ऑक्सीजन टैंकरों में से तीन को नागपुर और 4 को नासिक में उतारा गया। इन्हें सड़क मार्ग से महाराष्ट्र के अलग-अलग शहरों तक भेजा जाएगा। महाराष्ट्र में जारी लॉकडाउन के बीच राज्य में छठवीं बार संक्रमित मरीजों की संख्या 60 हजार के पार पहुंच गई है। अमेरिका और ब्राजील को पीछे छोड़ महाराष्ट्र दुनिया में पहला ऐसा स्थान बन चुका है, जहां अब सबसे ज्यादा कोरोना संक्रमित मिल रहे हैं। राज्य में पिछले 24 घंटों के दौरान 66,836 नए पॉजिटिव केस सामने आए। इसी दौरान 773 मरीजों की मौतें भी हुईं। इसे जोड़कर राज्य में मृतकों की संख्या बढ़कर 63,253 तक पहुंच चुकी है।

इस बीच मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से ऑक्सीजन के खाली टैंकरों को इंडियन एयरफोर्स के विमानों से दूसरे राज्यों के ऑक्सीजन प्लांट्स तक पहुंचाने के लिए अनुमति देने की मांग की थी। इसे प्रधानमंत्री की मौजूदगी में हुई बैठक में मंजूर भी कर लिया गया है। स्वास्थ्य मंत्री राजेश टोपे ने इसकी पुष्टि की है। टोपे के मुताबिक, दूसरे राज्यों में ऑक्सीजन के खाली टैंकर को विमान से भेजा जाएगा। ऑक्सीजन भरने के बाद टैंकर ट्रेन या सड़क मार्ग से महाराष्ट्र आएंगे।

सेना में संक्रमण की दर लगभग शून्य

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारतीय सेना ने एक बार फिर देश के सामने मिसाल कायम की है, जिसके लिए वह जानी जाती है। जब पूरा देश कोरोना की दूसरी सुनामी का सामना कर रहा है, ऐसे में वैक्सीनेशन प्रोग्राम और कोविड प्रोटोकॉल के पालन में जीरो टॉलरेंस के दोहरे प्रयोग से सेना ने अपने यहां संक्रमण की दर लगभग शून्य पर लाकर समेट दी है। खास बात यह है कि सेना ने यह कमाल पिछले दो महीने से भी कम समय में कर दिखाया है। सेना के सूत्रों ने भास्कर को बताया कि देश में प्रतिदिन कोविड मामलों की संख्या की तुलना में सेना में संक्रमण की दर शून्य ही है। देश भर में आ रहे कोरोना के रोजाना 3 से 3.25 लाख मामलों के मुकाबले सेना में यह संख्या 50 से 60 के बीच भी नहीं है। जो नए केस आ रहे हैं, वे भी वो लोग हैं जो अपने परिवार के साथ बाहर रहने के कारण संक्रमित हो रहे हैं। कुल मिलाकर 400 सैन्य कर्मी होम आइसोलेशन में हैं जिनकी तेजी से रिकवरी हो रही है। सेना ने देशभर की सैन्य यूनिटों में मार्च से कोविड के लिए टीकाकरण अभियान शुरू किया था और 20 अप्रैल तक आते-आते करीब 14 लाख फौजियों में से 99 फीसदी को वैक्सीन दे दी गई है। कमाल की बात यह है कि इनमें से 82 फीसदी यानी करीब 11.5 लाख सैन्यकर्मियों को कोरोना का दूसरा टीका भी लगा दिया गया है। सेना को टीके का कवच पहनाने के बाद 22 अप्रैल से दिल्ली के बेस हॉस्पिटल को कोविड सुविधा में बदल दिया गया है। यहां ऑक्सीजन सुविधा के सभी 258 बिस्तरों पर मरीज भी दाखिल कर लिए गए हैं। सेना ने दिल्ली में एक हजार बिस्तरों वाला अपना अस्पताल भी आम जनता के लिए खोल दिया है। भारतीय सेना ने देश की सेवा करने वाले पूर्व सैनिकों के लिए भी अपने अस्पतालों के दरवाजे खोल दिए हैं। इसके तहत सेना ने पटना में अपना 500 बिस्तर वाला अस्पताल खोल दिया है। इसके अलावा करीब 450 बिस्तर वाला अस्पताल लखनऊ में, 750 बिस्तर का अस्पताल वाराणसी में और 900 बिस्तर का अस्पताल अहमदाबाद में जनता के लिए खोल दिया है। वहीं मरीजों की जरूरत को देखते हुए इन अस्पतालों में ऑक्सीजन बेड की संख्या भी बढ़ाकर अगले 7 दिन में दोगुनी की जा रही है, जिससे समय पर मदद मिल सके।

बंगाल चुनाव के 8वें चरण में 64 प्रत्याशियों के विरुद्ध आपराधिक केस, 55 के पास करोड़ों की संपत्ति

कोलकाता, (एजेंसी)। बंगाल विधानसभा चुनाव के आठवें चरण के 283 प्रत्याशियों में से 64 के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज हैं। इनमें से 50 के खिलाफ बेहद गंभीर आपराधिक मामले हैं। इनमें भाजपा के 21, तृणमूल कांग्रेस के 11, कांग्रेस के 10 व माकपा के सात प्रत्याशी शामिल हैं। आठवें चरण में 55 करोड़पति प्रत्याशी हैं, जिनमें तृणमूल के 28, भाजपा के 12, कांग्रेस के पांच और माकपा का एक प्रत्याशी शामिल है। आठवें चरण के प्रत्याशियों की औसत संपत्ति 1.08 करोड़ रुपए है। भाजपा के तापस कुमार यादव आठवें चरण में वीरभूम जिले की नलहाटी सीट से सबसे अमीर प्रत्याशी हैं। हलफनामे के मुताबिक उनकी कुल संपत्ति 34,60,93,674 रुपए है।

दूसरी तरफ कोलकाता की काशीपुर-बेलगछिया सीट से निर्दलीय प्रत्याशी कुश महाली सबसे गरीब प्रत्याशी हैं। उनकी कुल संपत्ति 500 रुपए है। कोलकाता की चौरंगी सीट से तृणमूल की निर्वतमान विधायक नयना बंद्योपाध्याय की संपत्ति पिछले पांच वर्षों में सबसे ज्यादा 185.67 फीसदी बढ़ी है। यह 2016 के 2,45,09,453 रुपए से बढ़कर 2021 में 700,15,752 रुपये हो गई है। दूसरी तरफ वीरभूम की नानूर सीट से माकपा की निवर्तमान विधायक श्यामली प्रधान की संपत्ति इन पांच वर्षों में सबसे ज्यादा घटी है। 2016 में यह 5,94,838 रुपये थी जो अब घटकर 3,61,229 रुपये हो गई है।

आठवें चरण में 152 प्रत्याशियों ने अपनी शैक्षिक योग्यता पांचवीं से बारहवीं के बीच बताई है, जबकि 127 प्रत्याशियों ने स्नातक व उससे ज्यादा घोषित की है। 81 प्रत्याशी 25 से 40 वर्ष की उम्र के आठवें चरण में 81 प्रत्याशी 25 से 40 वर्ष की उम्र के हैं जबकि 158 प्रत्याशियों ने अपनी उम्र 41 से 60 के बीच बताई है। वहीं 44 प्रत्याशियों की उम्र 61 से 80 के बीच है। आठवें चरण में 35 महिला प्रत्याशी हैं।

राज्यों को फ्री में ही वैक्सीन देगा केंद्र : हेल्थ मिनिस्ट्री

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्र सरकार राज्यों को कोरोना की दोनों वैक्सीन बिल्कुल मुफ्त में उपलब्ध कराएगी। हेल्थ मिनिस्ट्री ने शनिवार को बताया कि केंद्र सरकार के लिए कोरोना की दोनों वैक्सीन का रेट 150 रुपए प्रति डोज ही रहेगा। इस रेट पर केंद्र वैक्सीन खरीदकर पहले की ही तरह राज्यों को मुहैया कराता रहेगा। कंपनी से सीधे वैक्सीन खरीदने की स्थिति में ही राज्य सरकारों को वैक्सीन के लिए पैसे देने होंगे। इससे पहले कांग्रेस नेता जयराम ने वैक्सीन के रेट पर सवाल उठाए थे। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक रिपोर्ट शेयर करते हुए कहा था कि प्राइवेट हॉस्पिटल को सीरम 600 रुपए प्रति डोज के हिसाब से कोवीशील्ड वैक्सीन मुहैया कराएगा। यह दुनिया सबसे ज्यादा रेट है। उन्होंने लिखा, राज्य सरकारों यह वैक्सीन 400 रुपए के हिसाब से मिलेगी। यह अमेरिका, ब्रिटेन, यूरोपियन यूनियन, सऊदी, बांग्लादेश और दक्षिण अफ्रीका की सरकार की ओर से खर्च किए जाने वाले रेट से भी ज्यादा है। मेड इन इंडिया वैक्सीन का अपने ही देश में इतना ज्यादा रेट क्यों इसलिए कीमतों का फिर से निर्धारण किया जाना चाहिए।इससे पहले सरकार ने 1 मई से 18 साल से ज्यादा उम्र के सभी लोग वैक्सीन लगवाने का फैसला किया था। सरकार ने यह भी फैसला लिया था कि वैक्सीन बनाने वाली कंपनियां अपनी 50 फीसदी सप्लाई केंद्र को करेंगी। बाकी 50 फीसदी सप्लाई वे राज्य सरकारों को दे सकेंगी या उसे ओपन मार्केट में बेच सकेंगी।

केंद्रीय मंत्री सोमप्रकाश की रिपोर्ट पॉजिटिव, फोर्टिस में भर्ती

मोहाली। पंजाब में कोरोना के कारण हालात बिगड़ते जा रहे हैं। केंद्रीय मंत्री सोमप्रकाश भी कोरोना की चपेट में आ गए हैं। उनकी रिपोर्ट पॉजिटिव आने के बाद आक्सीजन की कमी के चलते उनकी तबीयत बिगड़ गई है। उन्हें मोहाली के फोर्टिस अस्पताल के आईसीयू में भर्ती करवाया गया है। इससे पहले शुक्रवार सुबह ऑक्सीजन की कमी से अमृतसर के फतेहगढ़ चूडियां बाईपास रोड स्थित नीलकंठ अस्पताल में पांच लोगों ने दम तोड़ दिया। एक की हालत गंभीर है। जानकारी मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे और अस्पताल प्रबंधन के खिलाफ हंगामा कर दिया। अस्पताल के एमडी का कहना है कि ऑक्सीजन की कमी से पांच मरीजों की मौत हुई है। हम पिछले 48 घंटे से ऑक्सीजन की कमी से जूझ रहे हैं। प्रशासन का कहना है कि सरकारी अस्पतालों से पहले प्राइवेट अस्पतालों को ऑक्सीजन नहीं दी जा सकती।

दैनिक पंचांग

25 अप्रैल 2021 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

रविवार 2021 वर्ष का 115 वां दिन
दिशाशूल पश्चिम ऋतु ग्रीष्म।
विक्रम संवत् 2078 शक संवत् 1943
मास चैत्र पक्ष शुक्ल तिथि त्रयोदशी 16.13 बजे को समाप्त।
नक्षत्र हस्त 01.55 बजे रात को समाप्त।
योग व्याघात 08.14 बजे तदनन्तर हर्षण 04.22 बजे रात को समाप्त।
करण कौलव 05.49 बजे, तैतिल 16.13 बजे तदनन्तर गर 02.31 बजे रात को समाप्त। चन्द्रायु 12.9 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 13° 12'
सूर्य उत्तरायण
कलि अहर्गण 1870864
जूलियन दिन 2459329.5
कलियुग संवत् 5123
कल्पारंभ संवत् 1972949121
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885121
वीरनिर्वाण संवत् 2547
हिजरी सन् 1442
महीना रमजान तारीख 12
विशेष महावीर स्वामी जयंती।

ग्रह स्थिति	
सूर्य	मेष में
चंद्र	कन्या में
मंगल	मिथुन में
बुध	मेष में
गुरु	कुंभ में
शुक्र	मेष में
शनि	मकर में
राहु	वृष में
केतु	वृश्चिक में

राहुकाल 4.30 से 6.00 बजे तक

लग्नारंभ समय	
वृष	06.40 बजे से
मिथुन	08.39 बजे से
कर्क	10.52 बजे से
सिंह	13.08 बजे से
कन्या	15.20 बजे से
तुला	17.31 बजे से
वृश्चिक	19.45 बजे से
धनु	22.01 बजे से
मकर	00.07 बजे से
कुंभ	01.55 बजे से
मीन	03.26 बजे से
मेष	04.56 बजे से

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
उद्वेग	05.56 से 07.23 बजे तक	शुभ	05.36 से 07.09 बजे तक
चर	07.23 से 08.51 बजे तक	अमृत	07.09 से 08.41 बजे तक
लाभ	08.51 से 10.18 बजे तक	चर	08.41 से 10.14 बजे तक
अमृत	10.18 से 11.46 बजे तक	रोग	10.14 से 11.46 बजे तक
काल	11.46 से 01.14 बजे तक	काल	11.46 से 01.19 बजे तक
शुभ	01.14 से 02.41 बजे तक	लाभ	01.19 से 02.51 बजे तक
रोग	02.41 से 04.09 बजे तक	उद्वेग	02.51 से 04.24 बजे तक
उद्वेग	04.09 से 05.36 बजे तक	शुभ	04.24 से 05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभता श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, मध्यम चर, अशुभ उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagruktaar.com, Bangalore

लॉफिंग जोन

एक कर्मचारी अपने मालिक के पास पहुंचा और बोला कि मुझे इस महीने वेतन में दो सौ रुपए कम दिए गए हैं.

'मुझे पता है, लेकिन दरअसल पिछले महीने तुम्हें दो सौ रुपए ज्यादा दे दिए गए थे और तब तुमने कोई शिकायत नहीं की थी.' मालिक ने कहा.

'दरअसल एक बार कोई गलती हो जाए, तो मैं उसे माफ कर देता हूं. लेकिन अगर वही आदत बन जाती है, तो मैं समझता हूं कि इसकी शिकायत जरूर की जानी चाहिए.' कर्मचारी ने जवाब दिया.

अदालत में सरकारी वकील ने कहा - मी लॉर्ड, अपराधी पर इल्जाम है कि इसने अपनी पत्नी को चिड़ियाघर के शेर के बाड़े में धकेल दिया, जिसकी वजह से पत्नी को नुकसान हुआ.

जज ने गरज कर कहा - क्या अपराधी यह बात नहीं जानता था कि चिड़ियाघर में जानवरों को कुछ खिलाना मना है?

नाई (पहलवान से) - अगर मैं तुम्हारे बाल काट दूं तो तुम्हें कोई पहचान नहीं पाएगा.

पहलवान - मगर उसके बाद मैं जो तुम्हारी हालत करूंगा तो तुम्हें भी कोई पहचान नहीं पाएगा.

आज का इतिहास 25 अप्रैल

1707 ब्रिटिश फौजों को अलमांजा 'स्पेन' में हार का सामना करना पड़ा.
1874 इतालवी आविष्कारक जी. मार्कोनी का जन्म हुआ था.
1887 पेरिस, फ्रांस में ओपेरा में आग लगने से 200 लोगों की मृत्यु.
1905 ट्रांसवाल में नया संविधान लागू हुआ.
1934 सनफ्रांसिस्को में 45 देशों की बैठक में राष्ट्रसंघ के गठन के बारे में विचार-विमर्श किया गया.
1957 जार्डन में शाह हुसैन मार्शल ला लागू किया.
1971 सोवियत अंतरिक्ष केंद्र से जुड़ने के बाद अंतरिक्ष यान सुरक्षित लौटा.
1982 दिल्ली से दूरदर्शन पर रंगीन प्रसारण शुरू हुआ.
1987 श्रीलंका सरकार ने तमिल विद्रोहियों के खिलाफ दो तरफा जवाबी कार्रवाई की.
1988 अफगानिस्तान ने पाकिस्तानी सीमा चौकी से अपने सैनिक हटाने की पेशकश की.
1991 सोवियत संघ की कम्युनिस्ट पार्टी ने मिखाइल गोर्बाच्योव को पुनः नेता बनाए रखने का फैसला किया.
1994 सुतोमु हाता जापान के राष्ट्रपति चुने गये.
2004 नौसेना का जहाज आइ.एन.एस. तरंगिणी 18 देशों के 37 बंदरगाहों का 33 हजार मील का सफर कर अपने बेस पर लौटा.

समाजजन कर रहे समाज सेवा के कार्य

महावीर जयंती पर घरों में पूजा-अर्चना करेंगे श्रद्धालु

भोपाल (एजेंसी)। अहिंसा के प्रणेता जगत को जियो और जीने दो का संदेश देने वाले भगवान महावीर स्वामी का जन्म कल्याणक शहर में श्रद्धा भक्ति के साथ मनाया जाएगा। राजधानी की दिगंबर एवं श्वेतांबर समाज द्वारा सभी सामूहिक आयोजन निरस्त कर दिए हैं। शासन की गाइडलाइन के अनुसार अपने घरों में धर्म ध्वजा फहरा कर प्रभु महावीर की पूजा-अर्चना करेंगे। धार्मिक चेनल्स सोशल मीडिया के माध्यम से तीर्थ स्थानों के अभिषेक और सन्तों के मुखारविंद से महावीर जयंती पर विशेष प्रवचन सुनेंगे। समाज के मीडिया प्रभारी अंशुल जैन ने बताया राष्ट्रसंत आचार्य विद्यासागर जी एवं विशुद्ध सागर जी ने आह्वान किया है कि सभी लोग सहयोग और सार्थक महावीर जयंती न मनाते हुए एक दूसरे की मदद और सेवा के लिए तत्पर रहें।

कोरोना महामारी की समाप्ति एवं जगत कल्याण की भावना के साथ घर-घर में भक्तांबर एवं णमोकार मंत्र के पाठ निरंतर हो रहे हैं। दिगंबर एवं श्वेताम्बर समाज के सभी संगठन सेवा कार्यों में लगे हुए हैं। समाज की ओर से दिगंबर जैन पंचायत कमेटी ट्रस्ट के अध्यक्ष प्रमोद हिमांशु द्वारा एक साल से प्रतिदिन भोजन वितरण किया जा रहा है। शहर की विभिन्न मंदिर समितियां, सोशल ग्रुप, महिला महा समिति के द्वारा मेडिकल इंस्ट्रूमेंट, ऑक्सीजन मशीन, दवाइयों की व्यवस्था की जा रही है।

श्वेताम्बर समाज भी कर रहा सहयोग

साध्वी प्रभंजना श्री जी महाराज साहब के आव्हान पर श्वेतांबर मूर्तिपूजक संघ के अध्यक्ष राजेश तातेड़ के नेतृत्व में सामाजिक संस्थाओं से जुड़े और जीव दया के कार्य श्वेतांबर समाज कर रहा है। महावीर गिरी एरोड्रम रोड पर पशु पक्षियों के दाना पानी के लिए विशाल स्थल का निर्माण किया गया है। दिगंबर जैन पंचायत कमेटी ट्रस्ट के प्रवक्ता अंशुल जैन ने बताया महावीर जयंती की पूर्व बेला में भगवान महावीर के संदेश जीव दया करुणा का पालन करते हुए अखिल भारतवर्षीय दिगंबर महिला परिषद के सदस्यों द्वारा अपने अपने घरों में सकोरे रखकर पक्षियों के लिए दाना पानी की व्यवस्था की। सोशल ग्रुप राजधानी के सदस्यों ने घरों में भजन आदि का कर जाप अनुष्ठान किया।

अलग-अलग तरीकों से मने रहे भगवान महावीर का जन्मकल्याणक

भोपाल। अखिल भारत वर्षीय दिगम्बर जैन महिला परिषद शाखा कोहेफिजा के तत्वावधान में शासन नायक 1008 श्री महावीर के उपदेश जियो और जीने दो तथा अहिंसा परमो धर्म का पालन करते हुए ,महिला परिषद की सदस्यों द्वारा भीषण गर्मी को देखते हुए सभी ने अपने अपने घरों की छतों और मुंडेर पर पक्षियों को पानी पीने के लिए सकोरे तथा खाने के अनाज के लिए भी सकोरे रख कर मनाने का संकल्प लिया । इस कार्य में प्रमुख रूप से श्रीमती मीना बिलाला ,मीना आर के जैन ,निलेश जैन , सुनीता प्रधान, ममता ,अनु प्रधान ,प्रीति बांगा, एकता जैन ,सीमा ,रीना ,छाया सविता आदि ने अत्यंत उत्साह पूर्वक भाग लिया । मीना बिलाला अनु प्रधान ने बताया भगवान महावीर के जन्म कल्याणक पर विशेष प्रार्थना कर शीघ्र कोरोना महामारी समाप्त हो । सभी जन स्वस्थ रहे । ऐसी मंगल भावना भाते हुए भगवान महावीर का जन्म कल्याणक मनाया । जैन सोशल ग्रु प इंटरनेशनल राजधानी के अव्हान पर समस्त दंपति सदस्यों ने परिवार सहित अपने-अपने घर पर पूज्य भगवान महावीर स्वामी की जन्म जयंती की पूर्व वेला में आरती की, मंगल गीत गाये, जाप दी ,चालीस पढ़ा गया। त्रिशला माता के समक्ष अष्ट कुमारियों ने गर्भ के बाद से ही सेवा की और जब भगवान जन्म लेने वाले हैं तो मंगल बधाइयाँ बजी। उसी स्वरूप को पुनः राजधानी ग्रुप की कार्यकारणी के मन में यह भाव आया कि हम भी भोपाल में अपने साथियों के साथ भगवान के जन्म कल्याणक के पूर्व आरती करें ,चालीसा पढ़े, जाप करें और ऐसा ही हुआ।

घरों में सजाएंगे आकर्षक पालने

दिगंबर जैन मुमुक्ष मंडल के तत्वावधान में श्रद्धालु घरों में आकर्षक पालने सजाकर भगवान महावीर की प्रतिमा को पालने में विराजमान कर झुलावन की क्रियाएं करेंगे। मुमुक्ष मंडल के अरुण वर्धमान, मोहित बड़कुल के अनुसार भगवान महावीर जयंती पर ऑनलाइन वर्चुअल भजन संध्या, रंगोली सजाने के साथ-साथ भगवान महावीर और अहिंसा विषय पर विशेष आलेख प्रतियोगिता होगी। इसके साथ ही शहर की मंदिर समिति, सोशल ग्रुप, महिला महासमिति, बहू मंडल, युवा मंडल घोष, पाठशाला परिषद, गुरु भक्त परिवार द्वारा भी महावीर जयंती मनाई जाएगी।

उपार्जन केंद्रों पर लगातार संक्रमित हो रहे कर्मियों ने पत्र लिखकर बढ़ाई ताकत

डर और चिंता की बात

महासंघ ने जिलों में पत्र लिखकर कहा कि सावधानी से कार्य करें और कलेक्टरों से अधिकार मांगें

भोपाल (एजेंसी)।

उपार्जन केंद्रों पर काम करते हुए लगातार संक्रमण का शिकार हो रहे सहकारिता कर्मचारियों के बीच डर और चिंता में बन रही है। इधर सहकारिता समिति कर्मचारी महासंघ ने सभी जिलों में पत्र लिखकर अपने पदाधिकारियों से कहां है कि हमें इस समय सावधानी बरतते हुए काम तो करना है। इसके साथ ही अपने अधिकार के लिए कलेक्टरों से भी लड़ना है। मध्य प्रदेश सहकारिता समिति कर्मचारी महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष कुंवर बीएस चौहान द्वारा जिला अध्यक्षों को लिखे गए पत्र में कहा गया कि जिन जिलों में कोरोना वायरस बीमारी की महामारी अधिक है। साथ ही हमारे सहकारी संस्थाओं में कार्यरत कर्मचारियों की दिन पर दिन घटनाएं घटित हो रही हैं। इसलिए उस जिले के जिला अध्यक्ष द्वारा जिला प्रशासन को मुख्यमंत्री के नाम से ज्ञापन देकर अवगत कराते हुए यह मांग करना आवश्यक है कि जिले में चल रहे उपार्जन कार्य पीडीएस वितरण ऋण वसूली बंद कराई जाए। पत्र में यह भी कहा गया कि ज्ञापन की एक साथ ही एक प्रतिलिपि महासंघ को भी भेज दी जावे। इसके अलावा जो कोरोना योद्धा दिवंगत हो गया है। उसके परिवार को आर्थिक सहायता के आदेश मैं जो विलंब हो रहा है। उसके लिए पूरी ताकत से संघर्ष किया जाए। ताकि वह कार्य शीघ्र जारी हो सके।

संक्रमण का पहाड़ टूट रहा कर्मचारियों पर

सहकारिता समिति कर्मचारी महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष चौहान ने बताया कि इसमें उपार्जन केंद्रों पर काम कर रहे कर्मचारियों पर संक्रमण का पहाड़ टूट रहा है। तकरीबन 30 कर्मचारियों की मौत हो गई है। इस कारण जिलों में अब कलेक्टर पर दबाव बनाना जरूरी है कि शासन द्वारा जो आदेश जारी किए गए हैं उसके अनुसार दिवंगत कर्मचारियों के पीड़ित परिवार को आर्थिक सहायता तत्काल मिलना चाहिए। चौहान का कहना है कि हमारी दिवंगत कर्मचारियों के परिवारों को समय से सुविधा देनी होगी।

शिक्षकों को योद्धा दर्जा देने मुख्यमंत्री को पत्र

इधर प्रदेश में कोरोना संक्रमण के कारण जिन शिक्षकों की मौत हुई है। उन्हें कोरोना योद्धा योजना के तहत आर्थिक सहायता उपलब्ध करवाने के लिए मध्य प्रदेश राज्य कर्मचारी संघ के प्रदेश अध्यक्ष जितेंद्र सिंह द्वारा मुख्यमंत्री को पत्र लिखा गया है। पत्र में उन्होंने उल्लेख किया है कि प्रदेश में काम करते हुए अनेक शिक्षकों की मौत हो गई है। शिक्षक बच्चों को पढ़ाने के साथ.साथ कलेक्टरों के निर्देश पर अस्पतालों में चेक पोस्टों पर एवं अन्य जगहों पर ड्यूटी कर रहे हैं। नतीजतन इनके परिवारों को तत्काल सहायता मिलना बेहद जरूरी है।

श्री बड़वाले महादेव का किया आकर्षक श्रृंगार

भोपाल। (एजेंसी)। श्री बड़वाले महादेव मंदिर सेवा समिति एवं ट्रस्ट के द्वारा शनि प्रदोष के अवसर पर भगवान भोलेनाथ का पुदीना एवं मोगरे से श्रृंगार कर कोरोना महामारी से तुरंत निजात दिलाने के लिए प्रार्थना की गयी। इस अवसर पर समिति के संयोजक संजय अग्रवाल प्रमोद, प्रकाश मालवीय सहित अन्य मौजूद थे।

संक्षिप्त समाचार

मां भवानी शिव हनुमान मंदिर में रोग निवारण के लिए हुआ हनुमान बाहुक पाठ-हवन

भोपाल । अशोका गार्डन के सुभाष कालोनी के बी सेक्टर में मां भवानी शिव हनुमान मंदिर में प्राणघातक रोग कोरोना से मुक्ति के लिए हनुमान बाहुक स्त्रोत्र के सभी 44 चरणों का पाठ किया गया। उसके बाद हवन और पूर्णाहुति की गई। हिन्दू धर्म में मान्यता है कि स्त्रोत से किसी भी तरह के रोग से मुक्ति मिल जाती है। इस पाठ को कलियुग में गोस्वामी तुलसीदास द्वारा तब किया गया था जब एक बार उनको कठिन शारीरिक पीड़ा हो रही थी। उन्होंने पीड़ा भरी आवाज में ही हनुमान जी का स्मरण करना शुरू कर दिया। हनुमानजी ने प्रकट होकर उन्हें जो वचन सुनाए उससे तुलसीदास ने श्लोक की रचना की। इस स्तोत्र के जाप करने से तुलसीदास कठिन पीड़ादायक बीमारी से ठीक हो गए। वर्तमान में फैली प्राणघातक बीमारी कोरोना का निवारण हनुमान बाहुक ही कर सकता है। पंडित प्रमोद पाण्डे ने अनुष्ठान संपन्न कराया। मंदिर समिति के पदाधिकारी प्रेमनारायण कपूर ने बताया कि प्रशासन की गाइडलाइन का पालन करते हुए कल 26 अप्रैल से अखंड रामायण पाठ शुरू होगा उसके बाद 27 अप्रैल को मंदिर के शिखर कलश की स्थापना की जाएगी। कार्यक्रम में समिति के सदस्य और श्रद्धालुगण वर्चुअल जुड़कर लाभ लेंगे। हवन कार्यक्रम में बैजनाथ राजपूत ओपी शर्मा, राकेश चतुर्वेदी, दिनेश धाकड़, कृष्णपाल सिंह, श्रीकांत अवस्थी, राघवेंद्र सिंह, रामरतन पाल, दिलीप परिहार, यशवंत घुंघराले, देवेंद्र पटेल, रामकुमार राठौर, बैजनाथ राजपूत धीरेंद्र सिंह, लक्ष्मण विश्वकर्मा, मनोहर जोगी श्याम घुंघराले सज्जन यादव विपिन सिंह राघवेंद्र धाकड़ आदि वर्चुअल जुड़े।

जिझौतिया ब्राह्मण समाज का परिचय सम्मेलन स्थगित

भोपाल। जिझौतिया ब्राह्मण समाज द्वारा 25 अप्रैल को ऑनलाइन किए जाने वाले युवक-युवती परिचय सम्मेलन को समाज के पदाधिकारी पंडित गोपाल स्वरूप दुबे के आकस्मिक निधन के कारण स्थगित कर दिया गया है। इसके पूर्व ब्राह्मण एकता अस्मिता सहयोग संस्कार मंच एवं जिझौतिया ब्राह्मण समाज के पदाधिकारियों ने सामाजिक बंधुओं के साथ जूम मीटिंग पर स्वर्गीय गोपाल स्वरूप दुबे को दो मिनिट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी। मंच के अध्यक्ष राकेश चतुर्वेदी एवं जिझौतिया ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष संदीप तिवारी ने कहा कि स्व. दुबे के योगदान को हमेशा याद किया जाएगा। शोक संवेदना व्यक्त करने वालों में प्रमुख रूप से प्रेम गुरु, मुकेश चौबे राजेश पाठक, सीबी तिवारी, एके शर्मा,अजय शर्मा, प्रफुल्ल रावत बद्री प्रसाद तिवारी, श्रीकांत अवस्थी, ममता दुबे कल्पना रावत, संध्या मिश्रा, अर्पणा शर्मा, उषा तिवारी कृष्णा तिवारी रहे।

संत कालेज में साइबर सुरक्षा पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

संत हिरदाराम नगर। संत हिरदाराम कन्या महाविद्यालय के कम्प्यूटर साइंस विभाग द्वारा डीडीयू जीकेवाय ट्रायलॉजिक, हैदराबाद के संयुक्त तत्वाधान में दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसका विषय इन्फॉर्मेशन/साइबर सिक्योरिटी एंड ब्लॉक चैन इन्फॉर्मेशन था। इसका मुख्य उद्देश्य सभी को साइबर सुरक्षा से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान करना था। इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. डालिमा पारवानी ने कहा कि इस विषय पर कार्यशाला का आयोजन सराहनीय है। वर्तमान में यह अतिमहत्वपूर्ण विषय है। इससे निश्चित ही सभी लाभान्वित होंगे, ऐसा मेरा विश्वास है। कार्यशाला के मुख्य वक्ता विकल्प शर्मा, प्रोजेक्ट हेड एंड स्किल इंडिया रिप्रेजेंटेटिव, ट्रायलॉजिक सॉफ्ट सॉल्यूशन्स एपी प्राईवेट लिमिटेड, हैदराबाद ने साइबर सुरक्षा पर प्रभावी ढंग से अपनी बात रखते हुए कहा कि जब आप इंटरनेट का इस्तेमाल करते हैं तो आपका महत्वपूर्ण डाटा, डिवाइस, सॉफ्टवेयर, नेटवर्क और आपकी पहचान को इंटरनेट पर चोरी होने, गलत इस्तेमाल या हैक होने का खतरा बना रहता है। उपयोगकर्ता के डाटा को किस प्रकार सुरक्षित रखा जा सके, यह अति आवश्यक है। सार्वजनिक स्थानों पर फ्री वाई फाई का उपयोग करने से बचें। कार्यशाला का संचालन प्रो. गीता गुवालानी, कंप्यूटर साइंस विभाग द्वारा किया गया। महाविद्यालय प्रबंधन द्वारा कार्यशाला के सफल आयोजन हेतु समस्त कंप्यूटर साइंस विभाग को हार्दिक बधाई देकर सभी के उज्जवल भविष्य की कामना की।

विधायक के हस्तक्षेप के बाद मिली अस्पताल में जगह

मां-भाभी का ऑक्सीजन लेवल कम होने पर विधायक के घर पहुंचे खातरकर

भोपाल (एजेंसी)। छोटी.मोटी बीमारियों के लिए भी अस्पताल में इलाज के लिए मरीजों को परेशान होना पड़ रहा है। ऐसा ही एक मामला तब सामने आयाए जब कोटरा सुल्तानाबाद में रहने वाले एक व्यक्ति की मां और भाभी का ऑक्सीजन लेवल कम हो गया और अस्पतालों की हालत देखकर क्षेत्रीय विधायक से मदद मांगनी पड़ी। विधायक के हस्तक्षेप के बाद दोनों महिलाओं को जेपी अस्पताल में भर्ती कराया गया।

दरअसल शनिवार को कोटरा सुल्तानाबाद निवासी कमलेश खातरकर अपनी माताजी और भाभी शकु खातरकर, सुनीता खातरकर को लेकर स्थानीय विधायक पीसी शर्मा के बंगले पहुंचे। दोनों महिलाओं का आक्सीजन लेवल कम होते देखा तो वह घबरा गया उसने अस्पतालों में फोन किया, लेकिन उसे बेड उपलब्ध नहीं हो पाया। मॉ और भाभी की तबियत खराब होता देख वो अपनी गाड़ी में दोनों को बैठाकर पूर्व मंत्री और विधायक पीसी शर्मा के 1100 क्वार्टर स्थित निवास पर ले गया और विधायक से गुहार लगाई। विधायक पीसी शर्मा ने तत्काल जेके अस्पताल में फोन लगाकर दोनों को भर्ती कराया।

अभियान में भागीदारी के लिए वेबिनार का आयोजन

भोपाल। (एजेंसी)। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा भोपाल शहर की स्वयंसेवी संस्थाओं की मैं कोरोना वॉलिंटियर अभियान में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से वेबिनार का आयोजन किया गया।

वेबिनार को संबोधित करते हुए मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद की जिला समन्वयक श्रीमती कोकिला चतुर्वेदी ने कहा कि सभी स्वयंसेवी संस्था कोरोना काल में अपने स्तर पर कार्य कर रही है किंतु इन प्रयासों को संगठित करने की आवश्यकता है। एक मई से होने वाले वृहद वैक्सीनेशन कार्यक्रम को लेकर शहर के प्रत्येक नागरिक को प्रोत्साहित करने की आवश्यकता है। वेबिनार में ब्लॉक समन्वयक हरिराम अहिरवार, कार्दबिनी संस्था के प्रतिनिधि दिनेश शर्मा, सहारा साक्षरता सोशल वेलफेयर सोसाइटी शिवराज कुशवाह, बाल कृष्ण व्यास, श्रीमती मंजू शर्मा, श्रीमती सरिता आनंद, कल्पद्रुम संस्था से डॉक्टर शालिनी, अक्षय बाजपेई द्वारा अपनी संस्थाओं द्वारा किए जा रहे कार्यक्रमों का विवरण दिया गया।

मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद शहरी क्षेत्र में स्वयंसेवी संस्थाओं के साथ मिलकर कोरोना काल में विभिन्न विषयों को लेकर जन जागरण, मास्क वितरण, मोहल्ला टोलियों का गठन, वैक्सीनेशन हेतु लोगों को प्रेरित करना आदि कार्यक्रम संस्था द्वारा लगातार किये जा रहे है।

अस्थि विसर्जन के लिए विसर्जन कुंड रखवाने की मांग

नर्मदा जी का जल भरकर रखा जाय पात्र

भोपाल (एजेंसी)। कोरोना संक्रमण के कारण भोपाल सहित आस पास क्षेत्रों में सैकड़ों मौतें रोज हो रही हैं, और अस्थि विसर्जन के लिए परिजन नर्मदा नदी पहुंच रहे हैं जिससे वहां भीड़ के हालात हो गए हैं। श्री हिन्दू उत्सव समिति भोपाल के अध्यक्ष कैलाश बेगवानी ने मुख्यमंत्री से माँग की है कि महामारी से हो रही अकाल मौतों के चलते अस्थि विसर्जन को लेकर भोपाल वासियों को पवित्र नर्मदा नदी के बुधनी, बेहटा, सेठानी आदि घाटों पर पहुँचने में वाहन, बेरीकेट के कारण भारी असुविधा हो रही है । वहीं घाटों पर सैकड़ों वाहनों के साथ अस्थि विसर्जन कर्ताओं की भारी भीड़ हो रही है । जहाँ सामान्य के साथ महामारी से दिवगंतों की अस्थियां विसर्जित हो रहीं हैं । जिससे मजबूरी में साथ गये परिजनों में संक्रमण का भय है। समिति के एक आजीवन सदस्य ने बताया कि वह सुबह अपने निकटतम परिजन की अस्थियां बुधनी घाट पुल के नीचे नर्मदा जी में विसर्जित करके आये हैं, वहाँ सोमवती अमावस्या से भी ज्यादा भीड़ थी, और दो पहिया, आटो, सभी प्रकार के चार पहिया सैकड़ों वाहन दिखे और गाइडलाइन की याद आते ही घबराहट हुई । सदस्य ने सुझाव दिया है कि धर्म गुरुओं की सहमति से सभी अंतिम संस्कार स्थलों के बाहर विसर्जन कुण्ड रखवाये जाये एवं उनमें नर्मदा जी का जल भरवा दिया जाये।भोपाल में नर्मदा जी का जल प्रदाय होता ही है। इसे ऐच्छिक रखा जाये। परिजन चाहे तो विसर्जन कर सकते हैं ।

कल से आइसोलेशन कोच जिला प्रशासन के नियंत्रण में रहेंगे

भोपाल ,(एजेंसी । मंडल रेल प्रशासन द्वारा कोरोना संक्रमित मरीजों की इलाज के लिए भोपाल स्टेशन के प्लेटफॉर्म नम्बर-06 पर खड़े किए गए 20 आइसोलेशन कोच कल दिनांक 25.04.2021 से जिला प्रशासन के नियंत्रण में रहेंगे। हबीबगंज में भी तैयारी पूरी कर ली गई है। जैसे-जैसे भोपाल में मरीज ब?ते जाएंगे,फिर हबीबगंज स्टेशन पर ख? कोच भी जिला प्रशासन को सौंप दिए जाएंगे। मंडल की टीम द्वारा जिला प्रशासन के साथ भोपाल स्टेशन पर सभी व्यवस्थाओं का मुआयना किया गया और सभी जरूरी इंतजाम अच्छे से कर दिए गए हैं।भोपाल रेल मंडल द्वारा डॉक्टर्स, नर्सेस, फार्मासिस्ट, अटेंडेंट की व्यवस्था कर ली गई है। मरीजों एवं उनके परिजनों की सुविधा के लिए कट्रोल रूम बनाया गया है, जिसका नम्बर-9752413476 एवं 9479981845 है। स्टेशन पर कंट्रोल बूथ बनाया गया है। इन आइसोलेशन कोचों में जो भी मरीज भर्ती किये जायेंगे, वह जिला प्रशासन के माध्यम से ही भर्ती किये जायेंगे। अतः जिस किसी को आइसोलेशन कोच की सुविधा चाहिए, वह जिला प्रशासन से संपर्क करें।

रेमडेसिविर इंजेक्शन की व्यवस्था बनाने अधिकारी तैनात

हमीदिया रोड दवा बाजार स्थित दिशा फॉर्मा पर की गई व्यवस्था, सीधे अस्पताल भेजे जाएंगे इंजेक्शन

भोपाल (एजेंसी)।

लगातार रेमडेसिविर इंजेक्शन की किल्लत और इसकी कालाबाजारी की खबरों के बाद जिला प्रशासन ने इंजेक्शन की आसान उपलब्धता के लिए व्यवस्थाएं चौकस की हैं। इसके लिए हमीदिया रोड दवा बाजार स्थित दिशा फॉर्मा पर एक अधिकारी को पाबंद कर दिया है। अस्पताल से लिखा गया पर्चा, मरीज की पॉजिटिव रिपोर्ट और आधार कार्ड आदि पेश करने पर मरीज के लिए इंजेक्शन उपलब्ध कराने की व्यवस्था की जा रही है। यहां से मरीज के परिजन के हाथों इंजेक्शन सौंपने के बजाए सीधे अस्पताल में इसे पहुंचाने की व्यवस्था की जा रही है।

छोटे से लालच में किसी की जान के साथ खिलवाड़ करने जैसे हालात बनाने वाले मामले को लेकर अब उन परिजनों की चिंताएं बढ़ने लगी हैं, जिनके अपने अस्पतालों में एडमिट हैं। पिछले दिनों में उन्हें रेमडेसिविर इंजेक्शन लगाया गया है या आने वाले दिनों लगने की हिदायत दी गई है। लोगों को इस बात की फिक्र सताने लगी हैं कि उनके द्वारा मुश्किल, मशक्कत और महंगी कीमत पर लाया गया इंजेक्शन उनके अपनों तक पहुंचेगा भी या नहीं। राजधानी के जेके अस्पताल में बने हालात के बाद चिकित्सा जगत भी सकते में है और इससे खुद को शर्मिंदा महसूस कर रहा है। इंजेक्शन रेमडेसिविर की बजाए नॉर्मल इंजेक्शन लगाने और फिर इस इंजेक्शन को महंगे दामों पर बेच दिए जाने का मामला अब शहर के अस्पतालों से लेकर उन लोगों के घरों तक गूंजता सुनाई दे रहा है, जिनके परिजन अस्पतालों में कोविड से जंग लड़ रहे हैं।

मरीजों के परिजन चिंतित

राजधानी के एबीएम अस्पताल में एडमिट अपने मरीज को लेकर चिंतित परिजन पंकज रैकवार कहते हैं कि अमानवीयता की हदें पार करता यह मामला सहन कर पाना मुश्किल है। ऐसे में चिकित्सा जैसे पवित्र पेशे से लोगों का भरोसा उठा रहे हैं। इन लोगों के लिए ऐसी सजा तय की जाना चाहिए, जो भविष्य में सबके लिए सबक बन जाए।

अपने ससुर के इलाज के लिए अस्पताल पहुंचे अरमान कहते हैं कि बाकी फिक्र के साथ अब इस बात की चिंता करना भी जरूरी हो गया है कि जो दवाएं हम लेकर आए हैं, वह हमारे मरीज तक पहुंच रही हैं या नहीं। लोगों को जागरुक होकर इस बात का ख्याल भी रखना पड़ेगा और इस बात की कोशिश भी करना पड़ेगी कि उनके मरीज को वह जरूरी दवा मिल जाए जिसके लिए डॉक्टर ने उन्हें हिदायत दी है।

चंद लालची और मतलबी लोगों ने सबको शक की निगाहों से देखने जैसे हालात बना दिए हैं। ऐसे लोगों का इंसानियत या मानवता से कोई वास्ता ही नहीं है, अपने छोटे से फायदे के लिए इन्होंने किसी की जान को दांव पर लगाने से गुरेज नहीं किया।

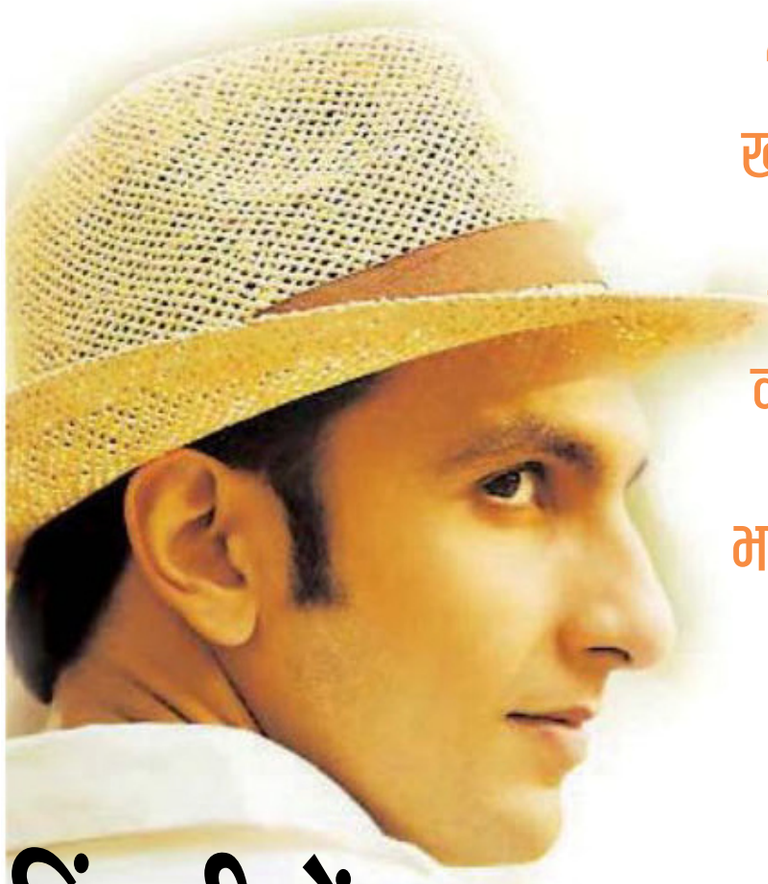

'मैंने इस विचार को ही खारिज कर दिया था कि मैं जिसे हासिल करने की कोशिश कर रहा हूं वह असंभव है!' रणवीर के अनुसार वह इस भरोसे के साथ सपनों के पीछे पड़े रहे कि उनके लिए कोई भी चीज असंभव नहीं है।

जिंदगी में असफलता जैसी कोई चीज नहीं होती सिर्फ सबक होते है

बॉलीवुड स्टार और यूथ आयकॉन रणवीर सिंह एक कल्चरल फिनॉमिना हैं- वह एक एक्टर हैं, फैशन के क्षेत्र की प्रामाणिक हस्ती हैं, इंडियन हिप हॉप का चेहरा हैं और एक आर्टिस्ट इंटरप्रेन्योर भी हैं- वह वास्तव में लीक से हट कर चलने वाले शख्स हैं और भारतीय मनोरंजन जगत के गेम-चेंजर हैं।

बॉलीवुड के लिए पूरी तरह से ऑउटसाइडर और इंटरटेनमेंट बिजनेस के सेल्फ-मेड दिग्गज रणवीर ने एक दशक के दौरान इस पूरे दौर को परिभाषित करने वाले अपने अद्भुत प्रदर्शनों के दम पर भारतीय सिनेमा के इतिहास में अपना नाम दर्ज करा लिया है। उनका कहना है कि जिंदगी में उन्होंने हर चीज इस यकीन की बदौलत पाई है कि कुछ भी असंभव नहीं होता।

एक सच्चे यूथ आयकॉन के रूप में इस विशाल राष्ट्र ने रणवीर पर स्पॉटलाइट केंद्रित कर रखी है। उन्होंने कलाकारों का एक सामूहिक मंच 'इंकइंक' तैयार करके म्यूजिक इंडस्ट्री में भी सामने से मोर्चा संभालना तय किया है- यह एक ऐसा प्लेटफॉर्म है, जो देश के कोने-कोने में बसे प्रतिभाशाली संगीतकारों को वैश्विक फलक पर चमकने में मदद करता है। हमने रणवीर सिंह से इस बारे में बातचीत की है कि उन्होंने असंभव को संभव बनाने के लिए अपना भरोसा किस तरह कायम रखा!

आपके करियर की शुरुआत में आपको कई बार नकारा गया और अब आप एक स्टार बन चुके हैं। हमें इस बारे में कुछ बताइए कि आपने जब एक स्ट्रगलर के रूप में अपनी अनिश्चितताओं से भरी शुरुआत की थी तब वह समय कैसा था? यह भी बताइए कि आपने लक्ष्य पर अपनी नजर किस तरह बरकरार रखी और खुद को समझाते रहे कि दुनिया में कुछ भी असंभव नहीं है?

मेरे संघर्ष वाले वर्षों के दौरान ऐसे कई क्षण आए, ऐसी कई घटनाएं पेश आईं, जब मुझे लगा कि कोई उम्मीद ही नहीं बची है। मोटे तौर पर इस विशिष्ट और आसानी से प्रवेश न देने वाली इंटरटेनमेंट इंडस्ट्री के भीतर कदम रखना असंभव नजर आ रहा था। लेकिन मैं डटा रहा- आप कह सकते हैं कि मैं इंडस्ट्री में दिलोजान से दाखिल भी होना चाहता था और बेवकूफ भी था, और इस सबसे बड़ी बात यह थी कि मुझे अपनी काबिलियत, संभावनाओं और क्षमताओं पर पूरा भरोसा था। उस वक्त भी, जब मेरे पास कुछ नहीं था, मेरी गतिविधियों की पहचान इसी जोश, लगन, जिम्मेदारी, सावधानी और चुस्ती भरे कामों से हुआ करती थी। मुझे अच्छी तरह से पता था कि यहां चुटकियों में कुछ हासिल होने वाला नहीं है। लेकिन मुझे यकीन था कि एक दिन यह होकर रहेगा। जब लंबे समय तक काम से संबंधित कोई अच्छी खबर नहीं मिलती थी, महीनों तक फोन नहीं बजा करता था, तो मेरा भरोसा डगमगाने लगता था। लेकिन मैं इस विचार को ही खारिज कर चुका था कि मैं जिसे हासिल करने की कोशिश कर रहा हूं वह कोई असंभव चीज है। मैंने कठिन से कठिन समय में भी अपने लक्ष्य से ध्यान नहीं हटाया। मैंने कायनात को लगभग मजबूर कर दिया था कि वह इसे मेरे लिए संभव बनाए! मेरा दृढ़ निश्चय व एकाग्रता आखिरकार रंग लाई और मेरा सपना मेरी हकीकत बन गया! तब से हर रोज मुझे यही अहसास होता है कि जैसे मैं कोई सपना देख रहा हूं।'

जब आप फिल्म इंडस्ट्री में आए तो आपसे कहा गया था कि आपका किसी सर्वगुणसंपन्न एक्टर जैसा खास लुक नहीं है, और न ही आपकी फिल्मों से जुड़ी कोई वंशावली है। आज आप भारत के ग्लोबल यूथ आयकॉन बन चुके हैं। सुपरस्टारडम के इस सफर में आपकी सबसे बड़ी सीख क्या रही?

जब युवा एक्टर; खासकर 'ऑउटसाइडर' मेरे पास सलाह मांगने आते हैं कि स्ट्रगल करते हुए आगे कैसे बढ़ा जाए, तो सबसे पहली और सबसे अहम बात मैं उनसे यही कहता हूं कि अपना करियर उचित कारणों के लिए आगे बढ़ाइए। सिर्फ इस वजह से स्ट्रगल कीजिए कि परफॉर्म करना ही आपकी जिंदगी है। मैं उनसे आग्रह करता हूं कि परफॉर्मिंग आर्ट्स या इंटरटेनमेंट बिजनेस के प्रलोभन में महज इसलिए न पड़ें कि इस फील्ड में शोहरत और पैसे के साथ कामयाबी मिलती है। ये सब क्षणिक हैं, अस्थायी हैं, दिखावा हैं- केवल फंसाने वाली चीजें हैं। इसीलिए मैं उनसे कहता हूं कि वे अपने हुनर व कला के प्रति ईमानदारी बरतें और परफॉर्म करने का आनंद उठाने के लिए, परफॉर्मिंग से प्यार होने के कारण इस फील्ड में आएं। इस सफर में मैंने एक और चीज सीखी है कि खरापन व प्रामाणिकता सबको समझ में आती है और इसकी वजह से लोग आपके साथ सबसे ज्यादा जुड़ते हैं। अगर आप खुद को कुछ ऐसा दिखाने की कोशिश करते हैं, जो अंदर से आप नहीं हैं तो आप अपना नुकसान कर रहे हैं। अगर आप अपनी आत्मा के प्रति सच्चे हैं, अगर आप जज किए जाने का भय अपने दिमाग से निकाल चुके हैं, तभी आपकी शख्सियत सबसे ज्यादा उभर कर सामने आएगी। मैं उनसे कहता हूं कि 'आप आप बने रहें'। मौलिक रहें, अपना अनोखापन बरकरार रखें। और दूसरी अहम चीज मैंने यह सीखी है कि जोखिम उठाते रहिए। जितना बड़ा जोखिम उतना बड़ा फल! इस प्रक्रिया में आपसे गलतियां और गड़बड़ियां हो सकती हैं, लेकिन मेरा मानना है कि जिंदगी में असफलता जैसी कोई चीज नहीं होती, सिर्फ सबक होते हैं।

आपके करियर ने वाकई यह साबित कर दिया है कि आपके लिए असंभव जैसी कोई चीज ही नहीं है। अब आप सपने देखने वाले साथियों को, जो म्यूजिक इंडस्ट्री के लिए पूरी तरह से ऑउटसाइडर हैं, एक विशाल मंच मुहैया करा रहे हैं। हमें उस क्षण के बारे में बताइए जब आपने यह फैसला किया कि किसी ऑउटसाइडर को अपने जैसे ऑउटसाइडर साथियों का साथ देना चाहिए?

आपके पास अपनी चमक बिखेरने वाले महान क्षण तक पहुंचने का जुनून, साहस और धीरज अवश्य हो सकता है। इस पल को हासिल करने की आप अंतहीन प्रतीक्षा भी कर सकते हैं। लेकिन इस पहेली और प्रक्रिया में अक्सर जो चीज नदारद रहती है, वह है 'मौका'। मेरा सारा प्रयास इतना कठिन इसलिए बन गया कि मौके ही नहीं मिलते थे। मैं सपने देखने वाले साथियों के लिए यही मौके उपलब्ध कराना चाहता हूं। जुनून में उबल रहे युवा कलाकारों को अवसर उपलब्ध कराना चाहता हूं। मुझे उनको अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करने वाला मंच देना है। कर्ज उतारने का यह मेरा अपना ढंग है। यह मुझे मिलने वाली दुआओं को आगे बढ़ाने का मेरा अपना रास्ता है। यह कायनात का शुक्रिया अदा करने का मेरा निजी तरीका है।

अपना डेब्यू करते वक्त आप वाकई एक अंडरडॉग खिलाड़ी थे और अब आप 83, गली ब्वॉय, जयेशभाई जोरदार जैसी अंडरडॉग फिल्मों में काम कर रहे हैं। इन भूमिकाओं को निभाने के लिए आप 'कुछ भी असंभव नहीं' वाली अपनी रियल लाइफ यात्रा से कितनी प्रेरणा या मदद लेते हैं?

हर मुख्तलिफ किरदार निभाने के लिए आपको अपने अनुभवों का खजाना खंगालना पड़ता है, ताकि चरित्र-चित्रण विश्वसनीय, आंतरिक और ईमानदार लगे। अपने अंडरडॉग किरदारों के साथ मैं गहरी सहानुभूति रखता हूं, क्योंकि मैं भी अपनी लाइफ में ऐसे ही हालात से दो-चार होता रहा हूं। 'गली ब्वॉय' फिल्म का एक डायलॉग है, जिसका मोटे तौर पर यह मतलब है: 'अपनी हकीकत से बावस्ता करने के लिए मैं अपने सपने नहीं बदल सकता, बल्कि अपने सपनों से बावस्ता करने के लिए मैं अपनी हकीकत को ही बदल डालूंगा।' मैंने इस भावना को अपनी आत्मा की गहराइयों में महसूस किया है। जब इन किरदारों को तमाम विषम परिस्थितियों के खिलाफ खुद को साबित करना पड़ता है, तो उस संघर्ष के साथ मैं बड़े ही जाने-पहचाने ढंग से जुड़ जाता हूं। गली ब्वॉय में मुराद असंभव को संभव बना देता है। फिल्म 83 में कपिल के गुस्ताख नामुमकिन को मुमकिन बना डालते हैं। मैं इन भूमिकाओं को इसलिए विश्वसनीय बना पाता हूं कि मैंने खुद ऐसे हालात का सामना किया है। मैं इन किरदारों के मोहभंग और मायूसी को महसूस कर सकता हूं, उनका गुस्सा, असंतोष और आक्रोश समझ सकता हूं, उनकी कुंठा और हताशा का अनुभव कर सकता हूं, उनके साहस और धैर्य की थाह ले सकता हूं... और मैं यह सब बड़ी गंभीरता व गहराई के साथ कर पाता हूं, क्योंकि मैं खुद इन मारक भावनाओं से गुजर चुका हूं। मैंने यह सब खुद असली रूप में झेला है।'

सिंगल ट्रैक हमारा वर्तमान हैं भविष्य नही: सुकृति कक्कड

गायिका सुकृति कक्कड़ के हालिया सिंगल ट्रैक गलत होगया को अच्छी प्रतिक्रिया मिली है। कई सिंगल ट्रैक की तरह ही यह गाना भी चार्ट पर शीर्ष स्थानों में जगह बनाने पर कामयाब रहा है। यह प्रतिक्रियाएं दावा करती हैं, कि इंडिपेंडेंट ट्रैक बॉलीवुड संगीत को कड़ी टक्कर दे रहा हैं। सुकृति को लगता है कि उभरते संगीतकारों के लिए यह बहुत अच्छा समय है। हाल ही में सुकृति ने अपनी जुड़वां बहन प्रकृति कक्कड़ और अमाल मलिक के साथ अंतर्राष्ट्रीय पॉप स्टार दुआ लीपा की हिट लेविटेटिंग के साथ काम किया है। अपने सिंगल ट्रैक की सफलता के बारे में बात करते हुए सुकृति ने कहा, पिछले एक साल में कुछ ही ऐसी फिल्में आई हैं, जिनका संगीत चार्ट पर अच्छा रहा है। बेशक, बहुत कम रिलीज हुई हैं। हमेशा गैर-फिल्मी संगीत और फिल्म संगीत के बीच तुलना की जाती है लेकिन मुझे लगता है कि धीरे-धीरे रेखाएं गायब हो रही हैं। वह कहती है, मुझे नहीं लगता कि सिंगल ट्रैक भविष्य हैं, यह हमारा आज है और अभी ठहरेगा। सिंगल ट्रैक बहुत बढ़ता जा रहा है। अगर यह एक अच्छा गीत है और अच्छी तरह से इसकी मार्केटिंग हुई है, तो यह बॉलीवुड की तुलना में ज्यादा पसंद किया जाता है। मुझे लगता है कि यह संगीतकारों और उभरते कलाकारों के लिए बहुत अच्छा समय है। सुकृति के लिए अमाल और बहन प्रकृति के साथ लेविटेटिंग में सहयोग करना रोमांचित रहा है। वह कहती हैं,यह हमारे लिए एक बड़ा सपना है। इस तरह की चीजें हर दिन नहीं होती हैं। इस तरह की शुरूआत पहले ही चरण में हमारे साथ होना एक आशीर्वाद है। यह इसलिए भी खास है क्योंकि अमाल, प्रकृति और मैं पहली बार एक साथ आ रहे हैं।

देशभक्ति दिखाने का इससे जरूरी समय कभी नहीं आएगा: सोनू सूद

कोरोना महामारी से लोग बेहाल हैं। किसी की आर्थिक हालत खराब हो गई तो किसी को इलाज नहीं मिल पा रहा है। ऐसे में कुछ लोगों की मदद सोनू सूद पिछले एक वर्ष से कर रहे हैं। सोनू भी आखिर अकेले हैं, कितने लोगों की मदद कर सकते हैं? सोनू का मानना है कि यदि सभी लोग मिल-जुल कर इस महामारी से लड़े तो आसानी होगी।

सोनू ने एक ट्वीट कर लोगों को आगे बढ़ कर आने की अपील की है। उन्होंने ट्वीट किया है- 15 अगस्त को देश भक्ति दिखाने वालों के लिए संदेश- देश के लिए कुछ करने और देशभक्ति दिखाने का इससे जरूरी समय कभी नहीं आएगा।

जाहिर सी बात है, सोनू ने उन लोगों को फटकार लगाई है जो स्वतंत्रता दिवस या गणतंत्र दिवस के दिन देशभक्ति दिखाते हैं, जबकि आज वे मैदान में उतर कर जरूरतमंदों की मदद करें तो इससे बेहतर समय कभी नहीं आएगा।

सनी ने सूरज को चूमकर वेब पर गर्मी फैलाई

सनी लियोनी ने तस्वीरों की एक कड़ी शेयर की, जिसमें वह सूरज को चूमती हुई नजर आ रही हैं। इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हुई सात स्वीरों में सनी डेनिम शॉर्ट ड्रेस में टैन जैकेट पहनी हुई हैं। अपने लुक को पूरा करने के लिए वह स्नीकर्स और चंकी सनग्लासेज पहने हुई हैं। सूरज की किरणें सनी के चेहरे पर चमक रही हैं और उनकी त्वचा भी चमक रही है। कैप्शन के रूप में उन्होंने लिखा-- सूरज को चूमा। सनी फिलहाल अपनी आने वाली फिल्म साइकोलॉजिकल थ्रिलर शेरो की शूटिंग के लिए केरल में हैं। उन्होंने हाल ही में राज्य में रियलिटी टीवी शो एमटीवी स्प्लिट्सविला के लिए भी शूटिंग की थी। शेरो का निर्देशन श्रीजीत विजयन कर रहे हैं और तमिल, हिंदी, तेलुगू और मलयालम में रिलीज होगी । सनी वेब शो अनामिका के साथ डिजिटल स्पेस पर अपनी शुरुआत करने के लिए तैयार हैं, जो एशन थ्रिलर गन-फू का रूपांतर है और इसका निर्देशन विक्रम भट्ट कर रहे हैं।

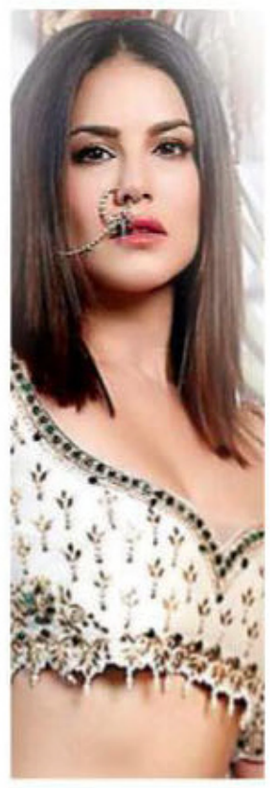

एक्टर अमित मिस्त्री का दिल का दौरा पड़ने से निधन

कई हिंदी, गुजराती फिल्मों और शो में काम कर चुके अभिनेता अमित मिस्त्री का शुक्रवार सुबह (23 अप्रैल) को कार्डियक अरेस्ट से निधन हो गया। हाल ही में अमेज़न प्राइम पर रिलीज हुई बैंडिश बैंडिट्स में अहम भूमिका में नजर आये थे। अभिनेता ने एक गायक की भूमिका निभाई थी। अभिनेता ने क्या कहना, एक चालीस की लास्ट लोकल, 99, शोर इन द सिटी, यमला पगला दीवाना, बे यार, ए जेंटलमैन और अमेज़न प्राइम सीरीज़ बैंडिश बैंडिट्स जैसी फिल्मों में काम किया था।

सिने एंड टीवी आर्टिस्ट्स एसोसिएशन ने अमित मिस्त्री के निधन पर शोक व्यक्त किया। एसोसिएशन के आधिकारिक ट्विटर हैंडल ने अभिनेता को श्रद्धांजलि दी और प्रशंसकों को सूचित किया कि वह 2004 से संस्था के सदस्य थे।

कई बॉलीवुड और टीवी कलाकार अमित मिस्त्री को श्रद्धांजलि देने के लिए सोशल मीडिया पर गए। अभिनेताओं ने लिखा कि प्रतिभाशाली अभिनेता के आकस्मिक निधन के बारे में जानकर उन्हें दुख हुआ।

बर्थडे स्पेशल

सचिन तेंदुलकर नहीं होते 'क्रिकेट के भगवान', अगर ये खिलाड़ी न होता चोटिल

नई दिल्ली। भारतीय टीम के महान खिलाड़ी सचिन तेंदुलकर अपना 48वां जन्मदिन मनाया हैं। बॉम्बे (अब मुंबई) में जन्मे सचिन तेंदुलकर को क्रिकेट का भगवान कहा जाता है, लेकिन अगर एक खिलाड़ी चोटिल नहीं होता तो शायद ही उनको ये उपाधि मिल पाती, क्योंकि एक खिलाड़ी के चोटिल होने के बाद वे शीर्ष क्रम में खेलने लगे और इतिहास पर इतिहास रचते चले गए।

दरअसल, 15 नवंबर 1989 को सचिन तेंदुलकर ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू किया था, लेकिन डेब्यू के कई साल तक वे अपना प्रभाव नहीं छोड़ पाए थे। सचिन तेंदुलकर अपने करियर के शुरुआती दिनों में निचले क्रम में बल्लेबाजी करते थे और

अपनी लेग ब्रेक गेंदबाजी के लिए जाने जाते थे। हालांकि, सचिन तेंदुलकर के कैलिवर को ये पसंद नहीं था कि वे निचले क्रम में नंबर 5 से 8 तक बल्लेबाजी करें। ऐसे में उन्होंने शीर्ष क्रम में खेलने का प्लान बनाया। करीब 6 साल तक सचिन तेंदुलकर चौथे और पांचवें नंबर पर खेले, लेकिन एक बार जब नवजोत सिंह सिद्धू चोटिल हो गए तो कप्तान मोहम्मद अजहरुद्दीन से सचिन तेंदुलकर ने निवेदन

किया था कि वे पारी की शुरुआत करना चाहते हैं। कप्तान अजहर ने भी सचिन तेंदुलकर की इस बात को स्वीकार कर लिया वे ओपनर के तौर पर खेलने लगे। हालांकि, वे ज्यादातर समय पारी की पहली गेंद को नहीं खेलते थे। वे हमेशा नॉन स्ट्राइक पर जाना पसंद करते थे।

जैसे ही सचिन तेंदुलकर ने वनडे इंटरनेशनल क्रिकेट में ओपनिंग शुरू की। वैसे ही उन्होंने रिकॉर्ड्स की झड़ी लगानी शुरू कर दी। ओपनर के तौर पर खेलते हुए वह अच्छी पारियां तो खेल पा रहे थे, लेकिन वनडे इंटरनेशनल क्रिकेट में शतक का सूखा वे आधा दर्जन पारियों से ज्यादा खेलने के बाद पूरा कर सके। वनडे क्रिकेट में उन्होंने पहला शतक ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 9 सितंबर 1994 को जड़ा था। हालांकि, टेस्ट क्रिकेट में 1990 में ही उन्होंने शतक जड़ा था। 1989 से लेकर 2012 तक अंतरराष्ट्रीय एकदिवसीय क्रिकेट सचिन तेंदुलकर ने खेली और इस बीच उन्होंने सबसे ज्यादा रन, सबसे ज्यादा शतक और सबसे ज्यादा अर्धशतक जड़ने का विश्व रिकॉर्ड बनाया। टेस्ट क्रिकेट में भी यही हाल था। सचिन ने सबसे ज्यादा रन, सबसे ज्यादा शतक, सबसे ज्यादा मैच और सबसे ज्यादा अर्धशतक जड़ने का विश्व रिकॉर्ड कायम किया था। इसके अलावा भी वे कई विश्व रिकॉर्ड अपने नाम रखते हैं। पूर्व महान ओपनर सचिन तेंदुलकर को क्रिकेट का भगवान कहा जाता है, क्योंकि उनके नाम आज भी कई ऐसे रिकॉर्ड दर्ज हैं, जो कम से कम इस दशक में टूटने वाले नहीं हैं। एकदिवसीय क्रिकेट में सबसे पहले दोहरा शतक जड़ने का कारनामा भी सचिन तेंदुलकर ने कर दिखाया है। 200 टेस्ट और 463 टेस्ट क्रिकेट मैच खेलने का विश्व रिकॉर्ड भी सचिन तेंदुलकर के नाम है। सचिन तेंदुलकर के नाम अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 100 शतक लगाने का भी विश्व रिकॉर्ड है।

सचिन तेंदुलकर ने 200 टेस्ट मैच देश के लिए खेले हैं। इनकी 329 पारियों में 33 बार नाबाद रहते हुए उन्होंने 15921 रन बनाए हैं। टेस्ट क्रिकेट में सचिन का सर्वाधिक स्कोर 248 रन है। 51 शतक, 6 दोहरे शतक और 68 अर्धशतक उन्होंने जड़े हैं। वनडे इंटरनेशनल क्रिकेट में उन्होंने 463 मैचों की 452 पारियों में 18426 रन बनाए हैं, जिसमें 49 शतक, एक दोहरा शतक और 96 अर्धशतक शामिल हैं।

पंजाब ने मुंबई को 9 विकेट से हराया

टीम पॉइंट टेबल में 5वें नंबर पर पहुंची; कप्तान राहुल ने आईपीएल में 24वीं फिफ्टी लगाई, धोनी को पीछे छोड़ा

चेन्नई। कप्तान लोकेश राहुल (नाबाद 60) और गेंदबाजों के अनुशासित प्रदर्शन ने पंजाब किंग्स ने मुंबई इंडियंस को नौ विकेट से हराकर लगातार तीन हार के बाद जीत को गले लगाया। गेंदबाजों रवि विश्नोई (2/21) और मोहम्मद शमी (2/21) के प्रदर्शन से पंजाब ने मुंबई को छह विकेट पर 131 रन ही बनाने दिए और पंजाब किंग्स ने 132 रन के लक्ष्य को 17.4 ओवरों में एक विकेट पर हासिल कर लिया। क्रिस गेल (43*) ने राहुल के साथ 14 गेंद शेष रहते जीत दिला दी। दोनों के बीच 79 रन की अटूट साझेदारी हुई। विजयी रन लोकेश राहुल के बल्ले से चौके के रूप में निकला। पंजाब की यह पांच मैचों में दूसरी जीत है जबकि मुंबई को इतने ही मैचों में तीसरी हार मिली है।

इससे पहले मुंबई की ओर से कप्तान रोहित शर्मा ने सबसे ज्यादा 63 रन बनाए। रोहित के अलावा सूर्यकुमार यादव ने 27 गेंदों पर 33 रन बनाए। इन दोनों के बीच तीसरे विकेट पर 79 रन की

साझेदारी हुई। पंड्या बंधुओं में हार्दिक एक और क्रुणाल तीन रन ही बना पाए। किरोन पोलार्ड ने 12 गेंदों पर 16 रन की पारी खेली जिसमें एक छक्का था।

मुंबई का पावरप्ले में खराब प्रदर्शन : बल्लेबाजी के लिए मुश्किल पिच पर पंजाब ने पहले गेंदबाजी का फैसला किया। क्विंटन डि कॉक (03) एक बार फिर नाकाम रहे। दीपक हुड्डा ने उन्हें मोइजेस हेनरिक्स के हाथों कैच करा दिया। मुंबई की पारी का पहला चौका पांचवें ओवर की अंतिम गेंद पर आया जब रोहित ने हेनरिक्स की गेंद को सीमा के पार पहुंचाया। पावरप्ले में यह मुंबई का इकलौता चौका था और टीम शुरुआती छह ओवरों में एक विकेट पर सिर्फ 21 रन ही बना सकी। पावरप्ले में यह उनका दूसरा सबसे कम स्कोर है। पावरप्ले में मुंबई का सबसे कम स्कोर 2015 में पंजाब की टीम के खिलाफ 17 रन पर तीन विकेट है। सत्र का पहला मैच खेल रहे रवि बिश्नोई ने सातवें ओवर की आखिरी गेंद पर इशान किशन (06) को विकेटकीपर राहुल के हाथों कैच कराया। सूर्यकुमार का विकेट भी उनके खाते में गया। रोहित ने आठवें ओवर में फैबियन एलन के खिलाफ लगातार दो चौके लगाकर रन गति तेज की। उन्होंने इस गेंदबाज के अगले ओवर में पारी का पहला छक्का लगाया। रोहित ने 14वें ओवर की दूसरी गेंद पर चौका लगाकर 40 गेंद में अपना अर्द्धशतक पूरा किया जो इस सत्र का उनका पहला अर्द्धशतक रहा। मुंबई की टीम आखिरी पांच ओवर में चार विकेट गंवाकर सिर्फ 34 रन बना सकी।

60: रन की नाबाद पारी खेली पंजाब किंग्स के कप्तान लोकेश राहुल ने

02 : विकेट लिए पंजाब के गेंदबाज रवि विश्नोई ने, इतने ही विकेट शमी को मिले

79: रन की अटूट साझेदारी हुई लोकेश राहुल और क्रिस गेल के बीच दूसरे विकेट पर

राहुल ने धोनी को पीछे छोड़ा

लोकेश राहुल ने आईपीएल में अपनी कुल 24वीं अर्द्धशतकीय पारी खेली। ऐसा कर उन्होंने महेंद्र सिंह धोनी को पीछे छोड़ दिया है। राहुल ने यह उपलब्धि 86वें मैच में हासिल की। जबकि धोनी ने 208 मैच में 23 अर्द्धशतक बनाए हैं। अर्द्धशतक लगाने में राहुल ने रोबिन उथप्पा की बराबरी कर ली है। तीनों ही विकेटकीपर बल्लेबाज हैं।

रोहित ने लगाया 40वां अर्द्धशतक

मुंबई के कप्तान रोहित शर्मा ने 40वां अर्द्धशतक लगाकर विराट कोहली की बराबरी की। सुरेश रैना और एबी डीविलियर्स को पीछे छोड़ा जिनके नाम 39-39 अर्द्धशतक हैं।

यही नहीं रोहित सर्वाधिक रन बनाने में ओवरऑल तीसरे नंबर पर आ गए। उनके 5431 रन हो गए। उन्होंने शिखर धवन (5428) को पीछे छोड़ दिया।

आईपीएल 2021 में राजस्थान को बड़ा झटका

स्टोक्स के बाद जोफ्रा आर्चर भी टूर्नामेंट से बाहर; ईसीबी ने कहा- मिड मई तक काउंटी चैम्पियनशिप के जरिए वापसी कर सकते हैं

लंदन। इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड ने कंफर्म कर दिया है कि तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर इंडियन प्रीमियर लीग के 14वें सीजन में वापसी नहीं कर पाएंगे। इससे उनकी फ्रेंचाइजी राजस्थान रॉयल्स की मुश्किलें बढ़ गई हैं, जो सीजन में एक के बाद एक हार का सामना कर रही है। इंग्लैंड के 26 साल के गेंदबाज ने इस सप्ताह अभ्यास शुरू किया है। ECB और ससेक्स की टीम उनकी फिटनेस की करीब से मॉनिटरिंग कर रही है।

अगले हफ्ते फुल प्रैक्टिस शुरू करेंगे आर्चर

ECB के बयान के मुताबिक, आर्चर अब अगले सप्ताह से ससेक्स के साथ फुल प्रैक्टिस शुरू करेंगे। उम्मीद की जा रही है कि वह मई महीने के मध्य तक क्रिकेट में वापसी करेंगे और इस दौरान वह दर्द मुक्त रहते हुए गेंदबाजी करना जारी रखेंगे। हालांकि, ECB इस बात की पुष्टि बाद में करेगा कि वह किन मैचों

के लिए वापसी करेंगे।

फ्रेंचाइजी के साथ बात कर के फैसला लिया

ECB के मुताबिक, अगर आर्चर को IPL में खेलना होता, तो उन्हें 8 दिन की एक अनिवार्य क्वारैंटाइन का पालन करना होता। इससे उनकी प्रैक्टिस और फिटनेस दोनों पर असर पड़ता। यह टूर्नामेंट में उनकी वापसी के लिए आदर्श स्थिति नहीं थी। रॉयल्स और आर्चर दोनों ने मिलकर आपसी सहमति से यह निर्णय लिया है।

स्टोक्स भी इंग्लैंड वापस जा चुके

आर्चर से पहले बेन स्टोक्स भी उंगली की चोट की वजह से इंग्लैंड वापस जा चुके हैं। राजस्थान रॉयल्स के लिए यह भी एक बड़ा झटका था। दोनों इंग्लिश खिलाड़ी रॉयल्स के लिए काफी अहम माने जाते हैं।

29 मार्च को सर्जरी की गई थी: आर्चर के दाहिने हाथ की 29 मार्च को सर्जरी की गई थी। राजस्थान रॉयल्स को उम्मीद थी कि वह टूर्नामेंट के बाद के मैचों के लिए उपलब्ध होंगे। आर्चर ने अब तक IPL में कुल 35 मैच खेले हैं और 46 विकेट उनके नाम हैं। राजस्थान रॉयल्स की बात करें, तो मौजूदा सीजन में पूर्व चैंपियन टीम ने चार में से केवल एक ही मुकाबला जीता है।

फिर फेल मुंबई की बल्लेबाजी: पंजाब किंग्स से हार के बाद क्या बोले कप्तान रोहित शर्मा?

चेन्नई। पंजाब किंग्स के खिलाफ नौ विकेट की करारी शिकस्त झेलने के बाद मुंबई इंडियंस के कप्तान रोहित शर्मा ने यहां कहा कि पिच बल्लेबाजी के लिए ज्यादा मुश्किल नहीं थी, लेकिन उनकी टीम एक बार फिर बड़ा स्कोर खड़ करने में नाकाम रही। रोहित की 52 गेंद में 63 रन की पारी के बाद भी मुंबई की टीम छह विकेट पर महज 131 रन बना सकी। पंजाब किंग्स ने 14 गेद शेष रहते आसानी से इस लक्ष्य को हासिल कर लिया। मुंबई इंडियंस के कप्तान ने मैच के बाद पुरस्कार समारोह में कहा, 'हम ज्यादा बड़ा स्कोर खड़ा करने में नाकाम रहे। मैं अब भी मानता हूं कि बल्लेबाजी के लिए यह विकेट ज्यादा मुश्किल नहीं है। आप देख रहे है कि (पंजाब) किंग्स ने कैसे नौ विकेट बचाकर जीत दर्ज की। टीम की बल्लेबाजी में कुछ कमी रह जा रही जिससे लगातार दूसरे मैच में प्रतिस्पर्धी स्कोर खड़ा करने में नाकाम रहे।' रोहित ने कहा, 'अगर आप 150-160 रन बनाते है तो आप मैच पर पकड़ बना सकते है। हम पिछले दो मैचों में ऐसा करने में नाकाम रहे। पंजाब के गेंदबाजों ने कहा, 'उनके गेंदबाजों ने पावरप्ले में अच्छी गेंदबाजी की। ईशान किशन और मैं भी बड़ा शॉट लगाने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन हम सफल नहीं हुए। हमें मुश्किल परिस्थितियों में बेहतर बल्लेबाजी और गेंदबाजी के बारे में समझना होगा।'

मैच में 60 रन की नाबाद पारी खेल मैन ऑफ द मैच बने लोकेश राहुल ने कहा अनुभवी क्रिस गेल के मैदान पर होने से चीजें आसान हो गईं। पंजाब के कप्तान ने कहा, 'बीच के ओवरों में यहां सूखी गेंद के खिलाफ खेलना मुश्किल हो जाता है, लेकिन गेल ने इस ओर अच्छा आत्मविश्वास दिखाया, उन्हें पता है किस गेंदबाज के खिलाफ आक्रामक रुख अपनाना है।' टॉस जीत कर गेंदबाजी का फैसला करने के बाद विशेषज्ञों ने राहुल की आलोचना की थी, लेकिन उन्होंने मैच जीत कर सबको गलत साबित कर दिया।

यंग्स्टर्स के मुरीद हुए राहुल: पंजाब के कप्तान बोले- हमारी टीम के युवा खिलाड़ी मौके का फायदा उठा रहे

बिश्नोई, हुड्डा और शाहरुख से हमें बहुत उम्मीदें

नई दिल्ली। IPL 2021 में मुंबई को 9 विकेट से हराने के बाद पंजाब किंग्स के कप्तान लोकेश राहुल ने युवा खिलाड़ियों की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि हमारी टीम में युवा खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। दीपक हुड्डा अच्छा कर रहे है। शाहरुख खान ने भी मौके का फायदा उठाया। आज रवि बिश्नोई ने शानदार खेल दिखाया। कोच अनिल कुंबले ने बिश्नोई के साथ काम किया। यह हमारे लिए फायदेमंद रहा। उसने हमारी टीम को बड़े विकेट दिलाए।

गेल के रहने से मदद मिलती है : राहुल

मैच में 60 रन की नाबाद पारी खेल मैन ऑफ द मैच बने लोकेश राहुल ने कहा कि अनुभवी क्रिस गेल के मैदान पर होने से चीजें आसान हो गईं। बीच के ओवरों में यहां सूखी गेंद के खिलाफ खेलना मुश्किल हो जाता है, लेकिन गेल ने यहां अच्छा आत्मविश्वास दिखाया। उन्हें पता है किस गेंदबाज के

खिलाफ आक्रामक रुख अपनाना है।

कोच से चर्चा के बाद पहले बॉलिंग का फैसला किया : राहुल

राहुल ने कहा कि मैंने कोच के साथ लंबी बात की थी कि टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करनी है। हमने सुना था कि यहां ओस रहेगी। यह नहीं पता था कि कितना रहेगी, लेकिन यह अच्छा रहा। सूखी गेंद के खिलाफ हालांकि खेलना आसान नहीं था। एक रन चुराने में भी परेशानी हो रही थी।

जिम्बाब्वे ने पाकिस्तान को 99 रन पर किया ढेर, पहली बार टी-20 में हराया

हरारे। जिम्बाब्वे और पाकिस्तान के बीच खेले गए दूसरे टी-20 मुकाबले में मेजबान टीम ने 19 रनों से ऐतिहासिक जीत हासिल की। जिम्बाब्वे की टीम ने पाकिस्तान को पहली बार टी-20 अंतरराष्ट्रीय में हराया। इस जीत के साथ ही दोनों टीमें तीन मैचों की सीरीज में 1-1 की बराबरी पर पहुंच गई हैं।

इससे पहले हरारे में पाकिस्तान ने टॉस जीतकर जिम्बाब्वे को पहले बल्लेबाजी का न्योता दिया। जवाब में मेजबान टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने 83 रन पर ही अपने पांच विकेट गंवा दिए। इसके बाद टीम ने जैसे-तैसे 20 ओवर में 9 विकेट खोकर 118 रन बनाए। तिनशे कामुनहुंकावे ने सबसे अधिक 34 रन बनाए। जबकि पाकिस्तान की तरफ से मोहम्मद हसनैन और दानिश अजीज ने दो-दो विकेट चटकाए।

जिम्बाब्वे के छोटे लक्ष्य का पीछा करने उतरी पाकिस्तान की शुरुआत भी कुछ खास नहीं रही और मोहम्मद रिजवान 13 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। इसके बा फखर जमां भी कुछ

खास नहीं कर पाए और वह भी दो रन बनाकर आउट हुए। पाकिस्तान की तरफ से कप्तान बाबर आजम (41) ने कुछ संघर्ष किया लेकिन दूसरे छोर पर उसके विकेट लगातार गिरते रहे। देखते-देखते पाकिस्तान की पूरी टीम 19.5 ओवर में 99 रन के स्कोर पर ऑलआउट हो गई।

जिम्बाब्वे की तरफ से ल्यूक जोंगवे सबसे सफल गेंदबाज रहे और चार विकेट चटकाए। वहीं रेयान बर्लको दो सफलता मिली।

कप्तान बाबर आजम टीम पर भड़के: इस बार से पाकिस्तान टीम के कप्तान बाबर आजम नाखुश हैं और उन्होंने टीम खिलाड़ियों को कोसा है।

इसके बाद कप्तान आजम ने कहा, 'यह बहुत दर्दनाक प्रदर्शन है। दक्षिण अफ्रीका में, हमने 200 का पीछा किया था; इसी तरह से, हमें इस मैच को आराम से जीतना चाहिए था, लेकिन दुर्भाग्य से, हमने खराब क्रिकेट खेला और मध्यक्रम में बल्लेबाज संघर्ष करते रहे।'

टीम इंडिया के ओपनर्स ने दिलचस्प बनाई Orange Cap की रेस

नई दिल्ली। टीम इंडिया के ओपनर्स शिखर धवन, केएल राहुल और रोहित शर्मा ने आइपीएल 2021 में ऑरेंज कैप की रेस को दिलचस्प बना दिया है। टूर्नामेंट के 17 मैच खत्म हो चुके हैं और सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में ये तीनों बल्लेबाज टॉप- 3 में हैं। लिस्ट में दो अन्य खिलाड़ी ग्लेन मैक्सवेल और जॉनी बेयरस्टो हैं। शुक्रवार को मुंबई इंडियंस और पंजाब किंग्स के बीच खेले गए मैच में केएल राहुल और रोहित शर्मा दोनों ने अपनी अपनी टीमों के लिए फिफ्टी लगाया। दोनों क्रमशन दूसरे और तीसरे स्थान पर हैं। पहले नंबर पर दिल्ली कैपिटल्स के ओपनर शिखर धवन हैं। आइए आइपीएल 2021 में अब तक के टॉप पांच

बल्लेबाजों पर नजर डालते हैं।

1- शिखर धवन- दिल्ली कैपिटल्स के ओपनर शिखर धवन बेहतरीन फॉर्म में दिखाई दे रहे हैं। अब तक उन्होंने चार मैचों की चार पारी में 57.75 की औसत से 231 रन बनाए हैं। इस दो अर्धशतक शामिल है। अभी तक वह पांच सिक्स और 29 चौका लगा चुके हैं। 92 रन उनका बेस्ट स्कोर है। स्ट्राइक रेट 148.07 का है।

2- केएल राहुल- पंजाब किंग्स के कप्तान केएल राहुल दूसरे नंबर पर हैं। अब तक उन्होंने पांच मैचों की पाच पारिओं में 55.25 की औसत से उन्होंने 221 रन बनाए हैं। अभी तक उन्होंने तीन अर्धशतक लगाए हैं। 10 छक्के और 18 चौके भी लगा चुके हैं। स्ट्राइक रेट 133.13 का है। बेस्ट स्कोर 91 है।

3- रोहित शर्मा- मुंबई इंडियंस के कप्तान रोहित शर्मा तीसरे नंबर पर हैं। उन्होंने अब तक पांच मैचों की पांच पारी में 40.20 की औसत से 201 रन बनाए हैं। इस दौरान उन्होंने एक अर्धशतक लगाया है। स्ट्राइक रेट 130.51 का है। अभी तक वे 14 चौका और 9 छक्का लगा चुके हैं। 63 उनका बेस्ट स्कोर है।

4- ग्लेन मैक्सवेल- रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के ग्लेन मैक्सवेल चौथे नंबर हैं। उन्होंने अब तक चार मैचों की तीन पारियों में 58.66 की औसत से 176 रन बनाए हैं। 149.15 उनका स्ट्राइक रेट है। दो अर्धशतक लगा चुके हैं। बेस्ट स्कोर 78 रन है। अब तक 17 चौका और आठ छक्का लगा चुके हैं।

5- जॉनी बेयरस्टो- सनराइजर्स हैदराबाद के ओपनर जॉनी बेयरस्टो पांचवे नंबर पर हैं। उन्होंने अब तक 57.66 की औसत से 173 रन बनाए हैं। 132.06 का स्ट्राइक रेट है। 63 नॉट आउट उनका बेस्ट स्कोर है। दो अर्धशतक लगा चुके हैं। अब तक 12 चौका और 10 छक्का लगा चुके हैं।

बेन स्टोक्स ने इस मैदान की पिचों को बताया 'कचरा', आईपील 2021 को लेकर जताई ये चिंता

नई दिल्ली। राजस्थान रॉयल्स के ऑलराउंडर बेन स्टोक्स चोट के कारण आइपीएल 2021 से बाहर हो गए हैं और अपने देश लौट गए हैं। बावजूद इसके उनकी नजर आइपीएल के 14वें सीजन पर बनी हुई है। इंग्लैंड का ये ऑलराउंडर आइपीएल के हर मैच पर पैनी नजर बनाए हुए है। यही कारण है कि बेन स्टोक्स ने चेन्नई की पिचों को कचरा करार दिया है, क्योंकि उस मैदान पर बड़े स्कोर नहीं बन पा रहे हैं। यहां तक कि 160-170 रन का स्कोर भी नहीं बन रहा है।

मुंबई इंडियंस और पंजाब किंग्स के बीच खेले गए मुकाबले में पांच बार की आइपीएल चैंपियन मुंबई इंडियंस को पंजाब की टीम ने 9 विकेट से मात दी। चेन्नई के एमए चिदंबरम में में खेले गए इस पूरे मुकाबले के दौरान पिच काफी स्लो रही। ऐसे में बेन स्टोक्स ने चेपक की पिच को 'कचरा' करार देते हुए कहा कि उन्हें उम्मीद है कि इस वजह से आइपीएल का ये सीजन बेकार नहीं होगा। बेन स्टोक्स राजस्थान के लिए इस बार सिर्फ एक मैच खेल पाए थे। बेन स्टोक्स ने ट्वीट करते हुए कहा, उन्हें उम्मीद है कि विकेट आइपीएल 2021 के सीजन को बेकार नहीं करेगा, जैसे-जैसे ये टूर्नामेंट आगे बढ़ेगा। किसी

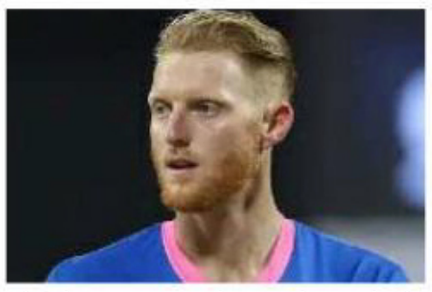

भी विकेट पर न्यूनतन स्कोर 160 से 170 के बीच बनना चाहिए। ये 130 से 140 के बीच बन रहा है जो कि कचरा विकेटों की वजह से है। खेले गए मैच में मुंबई इंडियंस ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 6 विकेट खोकर 131 रन बनाए। पंजाब किंग्स ने इस लक्ष्य को 17.2 ओवर में हासिल कर लिया।